स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, सोमवार
1 जून, 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष 1
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 279 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net

सचिन तेंदुलकर को पसंद नहीं आईपीएल का ये नियम, तुरंत हटाने की कर दी मांग

आरसीबी दूसरी बार आईपीएल चैंपियन

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। टीम ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हरा दिया।

गुजरात को हरा कर पांच विकेट से जीता फाइनल

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को बेंगलुरु ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए।

जवाब में विराट कोहली के नाबाद 75 रन की बदौलत बेंगलुरु ने 18 ओवर में 161 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। विराट ने छक्के के साथ मैच खत्म किया।

156 रन के टारगेट का पीछा करते हुए ऋष्टक्क को वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि कोहली ने शुरुआत से ही पारी को संभाले रखा। देवदत्त पडिक्कल (1), रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पंड्या (1) जल्दी आउट हुए, लेकिन कोहली ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा।

टिम डेविड ने 17 गेंदों में 24 रन की पारी खेलकर कोहली का साथ दिया। अंत में जितेश शर्मा (11*) के साथ कोहली ने टीम को जीत तक पहुंचाया। कोहली 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 55 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। शुभमन गिल (10), साई सुदर्शन (12) और निशांत सिंधु (20) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद जोस बटलर (19) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर ने एक छोर संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए और अर्शद खान (15) व जेसन होल्डर (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कर टीम को 20 ओवर में 155/8 तक पहुंचाया। आरसीबी के लिए रसिख सलाम सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट झटके, जबकि क्रुणाल पंड्या को 1 सफलता मिली। रजत एक से ज्यादा बार ट्रॉफी जीतने वाले चौथे कप्तान हैं। उन्होंने गौतम गंभीर की बराबरी की, जिन्होंने 2012 और 2014 में केकेआर को खिताब दिलाया था। वहीं, धोनी और रोहित के नाम पांच-पांच खिताब हैं।

धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह से ही बादलों की आवाजाही और धूप-छांव का सिलसिला जारी रहा, लेकिन दोपहर बाद घने बादलों ने आसमान को पूरी तरह ढक लिया। हालात ऐसे बने कि दिन में ही अंधेरा छाने लगा। इसके बाद तेज झोंकेदार हवाएं चलनी शुरू हुईं, जिनकी रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। देखते ही देखते धूल भरी आंधी ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया और शाम करीब पांच बजे तेज बारिश शुरू हो गई। राजधानी में मौसम के इस बदले मिजाज से लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली। तेज हवाओं और बारिश के कारण कई इलाकों में लोगों को दिन में ही वाहन चलाने के लिए लाइटें जलानी पड़ीं।

- कई जिलों में अचानक बदला मौसम

सड़कों पर अचानक अंधेरा और धूल का गुबार छा गया, जिससे कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी मौसम का यही रंग देखने को मिला। तराई क्षेत्र और एनसीआर से सटे जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। संभल, मुरादाबाद, हाथरस, गोंडा और बलरामपुर में जोरदार बारिश दर्ज की गई। वहीं शाहजहांपुर, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, अलीगढ़ और बुलंदशहर में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम वर्षा हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से लगातार आ रही नमी के कारण प्रदेश के मौसम में यह बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि सोमवार को भी राजधानी समेत उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बादलों की सक्रियता बनी रहेगी और कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका सीसीटीवी भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है।

- सूर्या की मां बोलीं- लाश की फोटो दिखाओ, तब मानूंगी

वियतनाम को ब्रह्मोस मिसाइल देगा भारत

नई दिल्ली। भारत ने वियतनाम को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस देने का समझौता किया है। बताया जाता है कि समझौते पर हस्ताक्षर पहले ही हो चुके हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पहली बार आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की है। इस सौदे का अब तक सार्वजनिक रूप से एलान नहीं किया गया था, लेकिन समझा जाता है कि दोनों देशों के बीच 60 अरब रुपये का यह समझौता हो चुका है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग के दौरान वियतनामी प्रतिनिधि के एक सवाल के जवाब में रक्षा सचिव ने यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब भारत सरकार के किसी शीर्ष अधिकारी ने सार्वजनिक मंच से वियतनाम के साथ ब्रह्मोस सौदे के पूरा होने की पुष्टि की है।

- दोनों देशों के बीच 60 अरब रुपये का समझौता
- पहली बार हुआ आधिकारिक खुलासा

दोनों देशों में आपसी व्यापार 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एलान किया था। प्रधानमंत्री मोदी और लाम की मौजूदगी में दोनों देशों ने 13 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। साथ ही 2030 तक आपसी व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी रखा था। वियतनाम के साथ ब्रह्मोस समझौते के खुलासे के बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदल सकते हैं। चीन के साथ तनाव के बीच वियतनाम को ब्रह्मोस जैसी मारक मिसाइल मिलना उसकी रक्षा क्षमताओं को कई गुना बढ़ा देगा।

यूपी में कई जिलों के सीएमओ बदले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। यूपी स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। प्रदेश के 21 से अधिक जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बदल दिए गए हैं। डॉ. अवधेश कुमार यादव को कानपुर में अर्बन हेल्थ मिशन (यूएचएम) की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि डॉ. नीरज त्यागी को आगरा में संयुक्त निदेशक (जाइंट डायरेक्टर) के पद पर तैनात किया गया है। जारी सूची के अनुसार, डॉ. प्रमोद कुमार को फर्रुखाबाद के राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय से स्थानांतरित कर अंबेडकरनगर का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है। डॉ. मुकेश कुमार को वाराणसी का सीएमओ बनाया गया है। इसी तरह डॉ. सचिन चंद्र वैश्य को गाजियाबाद, डॉ. हरिनंदन प्रसाद को जालौन, डॉ. अजय कुमार शर्मा को उन्नाव, डॉ. अभय नारायण राय को बलिया, डॉ. अल्का शुक्ला को हमीरपुर, डॉ. उदयभान सिंह को फतेहपुर, डॉ. किशोर कुमार आहूजा को हापुड़, डॉ. गंगाराम गौतम को जौनपुर, डॉ. पंकज कुमार को मऊ, डॉ. भुवन चंद्र पंत को पीलीभीत, डॉ. रमाकांत सागर को अमरोहा, डॉ. रामनाथ सिंह को अलीगढ़, डॉ. विकास चंद्रा को कन्नौज, डॉ. विनय कुमार को महोबा, डॉ. वेद प्रकाश को हाथरस, डॉ. सुखरंजन समदर को सीतापुर, डॉ. रमेश कुमार मिश्रा को सोनभद्र और डॉ. रंजन गौतम को बाराबंकी का सीएमओ नियुक्त किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को नई धमकी

अमेरिका बहुत अच्छे समझौते के करीब, नहीं बनी बात तो अपनाएंगे दूसरा रास्ता

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन को अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप नतीजा नहीं मिला तो वह इसे दूसरे तरीके से खत्म करेगा। ट्रंप ने यह टिप्पणी अपनी बहू लारा ट्रंप को दिए एक साक्षात्कार में की, जिसका प्रसारण शनिवार रात फॉक्स न्यूज पर हुआ। उन्होंने कहा, हम एक बहुत अच्छे सौदे के करीब हैं। अगर आप जल्दबाजी करेंगे तो आपको अच्छा सौदा नहीं मिलेगा। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, हमें वह मिल रहा है जो हम चाहते हैं - और अगर हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते हैं, तो हम इसे किसी और तरीके से समाप्त करेंगे।

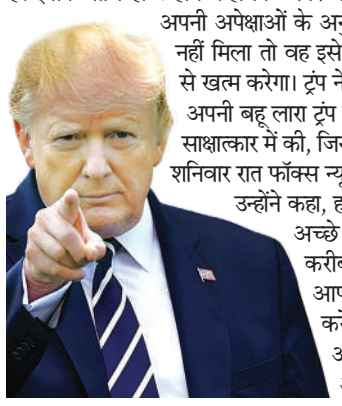

ट्रंप बोले- ईरानी अच्छे वार्ताकार, लेकिन सारे पत्ते हमारे पास

ट्रंप ने कहा कि ईरानी अच्छे वार्ताकार हैं, लेकिन उनका दावा था कि इस समय अमेरिका के पास सभी पत्ते हैं, क्योंकि ईरान सैन्य रूप से पराजित हो चुका है। उन्होंने कहा, हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर हम इसे कर लेते हैं, तो अच्छा है। वरना हम सीधे युद्ध विभाग को लाएंगे, जैसा कि हम इसके नाम को बुलाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, ईरान ने कहा है कि वह परमाणु हथियार विकसित नहीं कर रहा। हालांकि, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर वह ऐसा हथियार खरीद ले तो क्या होगा। उन्होंने कहा, अब इसमें लिखा है कि हम न तो सैन्य हथियार विकसित करेंगे और न ही किसी भी तरह से खरीदेंगे।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला नौसेना प्रमुख का पदभार

नई दिल्ली। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने भारतीय नौसेना के नए प्रमुख के रूप में 31 मई को अपना कार्यभार संभाल लिया। पद संभालने के बाद उन्हें साउथ ब्लॉक परिसर में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके साथ ही वे भारतीय नौसेना के 27वें नौसेना प्रमुख बन गए हैं। दूसरी तरफ, निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। एडमिरल त्रिपाठी 31 मई को अपनी सेवा से रिटायर हो गए। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था।

यूपी के पूर्णकालिक डीजीपी बने आईपीएस राजीव कृष्णा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश को लंबे इंतजार के बाद अपना पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मिल गया है। वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को प्रदेश का पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर मंथन पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान कार्यवाहक डीजीपी को ही पूर्णकालिक डीजीपी बनाए जाने पर मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यूपी को चार साल बाद स्थायी डीजीपी मिल गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। यूपीएससी ने 26 मई को हुई बैठक के बाद 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा तथा 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण के नामों का पैनल प्रदेश सरकार को भेजा है। इनमें राजीव कृष्ण का नाम सबसे मजबूत माना जा रहा था। आखिरकार मुख्यमंत्री योगी ने भी उनके नाम पर मंजूरी दे दी। राजीव कृष्ण एक जून 2025 से कार्यवाहक डीजीपी के तौर पर जिम्मेदारी निभा रहे थे। 1991 बैच के आईपीएस राजीव कृष्ण पुलिस महकमे में लंबे प्रशासनिक और मैदानी अनुभव के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों और जोनों में जिम्मेदारियां संभाली हैं।

- अभी तक कार्यवाहक के तौर पर निभा रहे थे जिम्मेदारी

पेट्रोल पर 1.5 रु. व डीजल पर 3 रु. की टैक्स कटौती

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ी राहत दी है। 1 जून से पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के एक्सपोर्ट पर लगने वाले टैक्स में कटौती की जाएगी। इसका आदेश शनिवार को जारी कर दिया गया है। पेट्रोल पर 1.5 रुपये और डीजल पर 3 रुपये की टैक्स कटौती का सरकार ने किया ऐलान, 1 जून से लागू होगा फैसला केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि 1 जून से पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के एक्सपोर्ट पर लगने वाली ड्यूटी को घटा दिया जाएगा।

गर्मी से लड़ने का तरीका हमारी रसोई में भी है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गर्मी को लेकर बात की। पीएम ने कहा- हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है। पीएम ने कार्यक्रम में इस वक्त देश के दो चर्चित एथलीट की भी बात की। पीएम ने कहा- एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर मेंस 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। जिन दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है वे हैं- गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर। दरअसल गुरिंदरवीर सिंह ने 23 मई को रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट की पुरुषों की 100 मीटर रेस 10.09 सेकेंड में पूरी की। वे भारत के सबसे तेज धावक बने। गुरिंदरवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ा। पहले यह रिकॉर्ड अनिमेष के नाम था। मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने कहा-गर्मी में देशी पेय जल पीते रहें : देशी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद, और गर्मी से राहत भी 7 पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है - पेट भी भरे, ताकत भी दे।

- नीदरलैंड से 1000 साल पुरानी ताम्र पट्टिकाएं लाए
- 'मन की बात' में बोले पीएम मोदी

जनरल सुब्रमणि भारत के नए सीडीएस

नई दिल्ली। जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें पाकिस्तान और चीन के मामलों का बड़ा विशेषज्ञ माना जाता है। उनका मुख्य उद्देश्य महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटरेशन (सैन्य थियेटराइजेशन) योजना को लागू करना और तीनों सेनाओं के बीच तालमेल को मजबूत करना है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल सुब्रमणि ने अपने पूर्ववर्तियों, दिवंगत जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान के शानदार नेतृत्व और योगदान के प्रति आभार जताया। जनरल चौहान शनिवार को देश के सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करके सेवानिवृत्त हुए।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: अर्चना अग्रवाल बनीं राजस्व परिषद की अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश की वरिष्ठतम आईएएस अधिकारियों में शामिल 1990 बैच की अधिकारी अर्चना अग्रवाल को प्रदेश के सर्वोच्च राजस्व प्रशासनिक पद उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रविवार को परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद शासन ने यह जिम्मेदारी अर्चना अग्रवाल को सौंप दी। अर्चना अग्रवाल वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की अध्यक्ष और परिवहन विभाग में अपर मुख्य सचिव के पद पर भी कार्यरत हैं। नई नियुक्ति के बाद वह इन दोनों महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करती रहेंगी। शासन के इस फैसले को प्रदेश में बड़े प्रशासनिक फेरबदल के रूप में देखा जा रहा है।

देश के 166 तालाबों में मात्र 24.75 फीसदी पानी

नई दिल्ली। गर्मियों के चरम पर पहुंचते ही देश के तालाबों में संकट गहराने लगा है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार मई की शुरुआत से लेकर अंत तक देश के प्रमुख तालाबों से पानी का स्तर बहुत तेजी से नीचे गिरा है। देश के 166 प्रमुख तालाबों में मई के अंतिम सप्ताह तक कुल लाइव भंडारण घटकर 45.419 बिलियन क्यूबिक मीटर रह गया है, जो इनकी कुल क्षमता का मात्र 24.75 प्रतिशत है। मई के शुरुआती हफ्ते में इन तालाबों में 66.830 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी था, जो कुल क्षमता का 36.41 प्रतिशत था। इसका सीधा मतलब यह है कि इस एक महीने के भीतर ही गर्मी और भारी खपत के कारण देश के मुख्य जल स्रोतों से करीब 21.411 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी कम हो चुका है।

'विरोधियों के भी जायज मशवरे का एहतराम ज़रूरी'

नवकांत ठाकुर

नज़र और नज़रिया

इस फ़ानी दुनिया से रुखसती के बाद सुपुर्दे ख़ाक के वक्त स्थानीय समाज की कथित शर्मनाक बेरुखी और महज दो दर्जन से भी कम लोगों की मौजूदगी के बावजूद देश–दुनिया से लगातार सामने आ रही करोड़ों चाहनेवालों और मुरीदों की दुआएं, कसीदे और श्रद्धांजलि की असली वजह बशीर बद्र साहब की असीमित लोकप्रियता, बेजोड़ शख्सियत और बुलंद वकार के बाद भी वह शालीनता, तहजीब और विनम्रता है जिसका खुलासा करते हुए उन्होंने लिखा है कि– 'इबादतों की तरह मैं ये काम करता हूँ / मेरा उसूल है, पहले सलाम करता हूँ / मुख़ालिफ़त से मेरी शख्सियत सँवरती है / मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम करता हूँ।'

लेकिन मसला है कि जायज बात पर दुश्मनों के भी मुख़ालिफ़त और मशवरे का एहतराम करने वाली पीढ़ी के लोग अब गिने–चुने ही बचे हैं। खास तौर से राजनीतिक क्षेत्र में स्थिति यह है कि कोई किसी की बात सुनने या समझने के लिए तैयार ही नहीं है।

बल्कि यहां हमेशा इस बात की होड़ लगी रहती है कि दूसरे की जुबान से निकली बात को गलत साबित करने के लिए कितनी तेजी से तर्क–कुतर्क गढ़ लिया जाए। नतीजन जायज बातें भी नक्कारखाने में तूती की तरह अनसुनी होकर रह जा रही हैं।

वर्ना, क्या गलत कहा है मुस्लिम समाज के काफी बड़े तबके ने कि अगर देश में गौ–हत्या बंदी के विचार को सख्ती से लागू करना है तो गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देकर गौ-हत्यारे के लिए फांसी की सजा का प्रावधान कर दिया जाए। हालांकि ऐसी मांग के पीछे गौमाता के प्रति स्नेह, श्रद्धा या संवेदना से ज्यादा यह खुराफाती मानसिकता छिपी हुई है कि अगर मांस के लिए गौवंश की हत्या रुक गई तो इसका सबसे अधिक नुकसान गौपालक हिंदुओं को ही होगा क्योंकि दूध नहीं देने वाली गाय को भी मजबूरन पालने से आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा और अगर उसको बेसहारा छोड़ दिया गया तो गांव में खेती और शहर में यातायात सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। लेकिन इसका सकारात्मक पहलू भी तो है कि गौ–हत्या निषेध के बाद देश में सांप्रदायिक संघर्ष की एक बहुत बड़ी वजह जड़ से ही खत्म हो जाएगी, जनसंघ–भाजपा की स्थापना के समय लिया गया संकल्प पूरा हो जाएगा और गौमाता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सदियों से प्रयासरत बहुसंख्यक गैर–मुस्लिम समाज के आंदोलनों और बलिदानों की सफल–सार्थक परिणति हो जाएगी। लेकिन, इस सकारात्मकता को तवज्जो देने, वैचारिक विरोधियों की ओर से आए मशवरे का एहतराम करने और गौहत्या बंदी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का संवाद से समाधान तलाशने के बजाय अब तमाम तर्क–कुतर्क के द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग पर ही सवाल उठाने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

कोई इस बात पर नाराजगी जता रहा है कि गाय को 'माता' के बजाय 'पशु' कहने की हिमाकत कैसे की गई? किसी को इस मांग के पीछे की खुराफाती मानसिकता से परेशानी है। यहां तक कि एक बड़ा वर्ग चुप्पी साध कर इस मांग को ही अनसुना कर देने पर आमादा दिख रहा है। बहरहाल, ऐसे–वैसे या जैसे–तैसे गौहत्या निषेध के लिए बन रही निर्विरोध सामाजिक आम सहमति की वजह से इसका संपूर्ण श्रेय अपने खाते में समेटकर राजनीतिक लाभ उठा पाने की मंशा पूरी नहीं होने के कारण इस मांग पर ध्यान नहीं देने वालों को ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान' की इन पंक्तियों पर विश्वास करना चाहिए कि– 'आदमी सच की राह गर होगा / फिर किसी बात का न डर होगा / बात जायज़ कहो सलीक़े से / क्यों नहीं बात का असर होगा।'

जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।

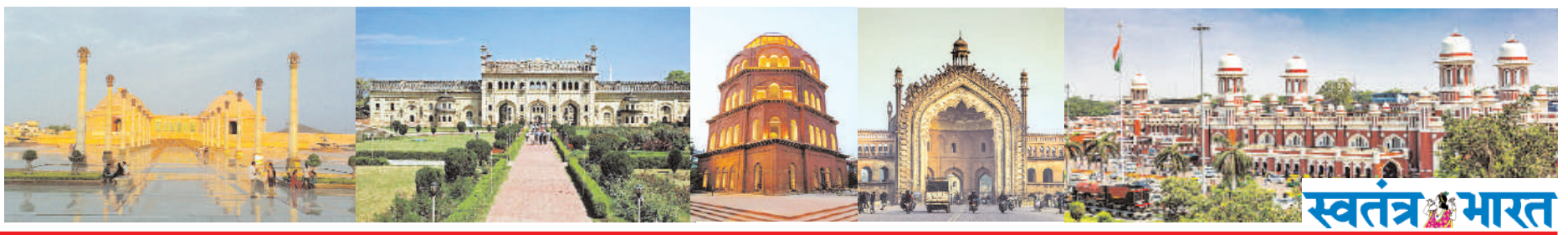

स्वतंत्र भारत

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकाली जनजागरूकता रैली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर 31 मई को मद्य निषेध विभाग द्वारा तम्बाकू एवं गुटखा जनित नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता के लिए एक रैली पदयात्रा का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों में सभ्य और स्वस्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, उनके जीवन स्तर में सुधार लाना और तम्बाकू व गुटखा के हानिकारक प्रभावों और इससे होने वाली बीमारियों के खतरे के बारे मे संदेश देना था। यह जागरूकता रैली रविवार को प्रातः 07:30 बजे से कार्यालय क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, 27 अशोक मार्ग, लखनऊ से महात्मा गांधी जी की प्रतिमा जीपीओ पार्क, हजरतगंज, चौराहा लखनऊ तक आयोजित की गई। इस तम्बाकू निषेध रैली,पदयात्रा को राज्य मद्यनिषेध अधिकारी के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्यकर्ता सहित लगभग 300 लोग मौजूद रहे।

ट्रेनों की बोगियों में नहीं चलता एसी, यात्री गर्मी से परेशान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भीषण गर्मी में आरामदायक सफर की चाह में सामान्य से दोगुने से अधिक किराया देकर एसी बोगियों में सफर करने वाले यात्री रेलवे की लापरवाही से परेशान हो रहे हैं। बजह, बोगियों में एसी चल नहीं रहा और यात्री उमस व घुटन के बीच पसीने से तर-बलर हो रहे हैं। यात्री कोच अटेंडेंट से समाधान न मिलने पर रेल अधिकारियों तक शिकायत कर रहे हैं। जम्मू-गोरखपुर सुपरफास्ट के यात्री एकाय मिश्रा ने एसी ने चलने से आ रही परेशानियों से रेल मंत्रालय और मंत्री को अवगत कराया। बताया कि वह इस ट्रेन की ए-1 कोच के सीट पर नंबर 32 पर यात्रा कर रहे हैं।एसी काम नहीं कर रहा है। उमस व गर्मी से कोच के सभी यात्री परेशान हैं। कोच अटेंडेंट से कहा गया, लेकिन वह कोई रिस्पांस नहीं दे रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस के थर्ड एसी बी-8 के यात्री अवधेश ने एसी काम न करने की शिकायत रेलवे से की। कहा कि पूरी कोच के यात्री इस भीषण गर्मी में परेशान हो रहे हैं। उन्होंने अविलंब एसी सही कराने का अनुरोध किया। गोरखपुर से छपरा के बीच इंटरसिटी की बोगी सी-3 के यात्री आनंद चौधरी ने कहा कि एसी काम न करने से पूरी बोगी उबल रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम ने यात्रियों को हो रही असुविधा पर खेद जताते हुए, शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

नए मेट्रो कॉरिडोर की डीपीआर पर तेजी से चल रहा कार्य

मेट्रो डिपो निर्माण के लिए भूमि आरक्षित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । लखनऊ में मेट्रो नेटवर्क के बड़े विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने लखनऊ विकास प्राधिकरण से मेट्रो डिपो के निर्माण के लिए करीब 20 हेक्टेयर भूमि आरक्षित करने का अनुरोध किया है। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को पत्र भेजकर प्रस्तावित विस्तारित मेट्रो कॉरिडोर के संचालन, अनुरक्षण और रखरखाब के लिए आवश्यक भूमि चिहिनत कराने की मांग की है। यूपीएमआरसी ने एलडीए को लिखे पत्र में कहा गया है कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना के अंतर्गत लखनऊ में भविष्य में संचालित होने वाली मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) परियोजनाओं के लिए वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा राज्य सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति भी मिल चुकी है

नए मेट्रो कॉरिडोर प्रस्तावित : पत्र के अनुसार लखनऊ में प्रस्तावित नए मेट्रो कॉरिडोर की डीपीआर पर तेजी से कार्य चल रहा है। इनमें आईआईएम रोड से शहीद पथ होते हुए आउटर रिंग रोड और प्रस्तावित प्रेरणा स्थल पार्क तक का कॉरिडोर, सीसीएस एयरपोर्ट से मोहनलालगंज तक का कॉरिडोर तथा इंदिरा नगर से बाराबंकी तक का कॉरिडोर शामिल है। इंदिरा नगर से सीजी सिटी तक अन्य कॉरिडोर भी प्रस्तावित है जो विभूति खंड, खुर्रमनगर चौराहा, जनेश्वर मिश्र पार्क और इकाना स्टेडियम जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ेगा। वहीं इंदिरा नगर से बाराबंकी कॉरिडोर अनौरा कला स्थित प्रस्तावित डिपो. चिनहट, इंदिरा नहर, सफेदाबाद और आरटीओ कार्यालय बाराबंकी होते हुए आगे बढ़ेगाडिपो निर्माण के लिए भूमि आरक्षित यूपीएमआरसी ने एलडीए से अनुरोध किया है कि प्रस्तावित मेट्रो एलाइनमेंट के एक से दो किलोमीटर के दायरे में लगभग 20 हेक्टेयर भूमि डिपो निर्माण के लिए चिह्नित और आरक्षित की जाए। मेट्रो डिपो किसी भी रेल प्रणाली का महत्वपूर्ण केंद्र होता है. जहां ट्रेनों का रखरखाब, मरम्मत, पार्किंग और संचालन संबंधी गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

खबर एक नज़र

सेवाओं को सशक्त बनाने पर जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। वर्कशॉप में बाल कैंसर देखभाल, कीमोथेरेपी प्रबंधन और संक्रमण नियंत्रण पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में 107 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और इसे बाल कैंसर उपचार सेवाओं को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल बताया गया।होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एचबीसीएच एवं एमपीएमएमसीसी में कैनकिड्स किड्सकैन और एक्सिस बैंक के सहयोग से पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी नर्सेज़ वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. अमिता महेश्वरी, डॉ. बी.के. मिश्रा, डॉ. शशिकांत पाटने, डॉ. राघवेश रंजन, डॉ. सौमित्र साहा और डॉ. योगिता भाटिया शामिल रहे।

श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गोमती नगर स्थित श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर, विराजेश्वर पार्क, विराज खंड-3 में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन 31 मई 2026 से शुरू हो गया है। कथा का समापन 6 जून 2026 को होगा। कथा का वाचन परम पूज्य श्री जयप्रकाश तिवारी 'अनुरागी' जी द्वारा प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार पुरुषोत्तम मास में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का विशेष धार्मिक महत्व होता है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण एवं सत्संग का लाभ लेने की अपील की है।

व्यापारिक समस्याओं पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आगरा में संपन्न हुई, जिसमें लखनऊ की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता सहित पदाधिकारी एवं व्यापारी वीरेंद्र मित्तल, निशांत अग्रवाल, सुशांत गौतम, भगत सिंह, आशीष और राजीव शर्मा शामिल रहे। बैठक में ट्रेड लाइसेंस शुल्क, गांधी मार्केट की बदहाल स्थिति, यातायात जाम, गंदगी और बिजली कटौती जैसी समस्याओं पर चर्चा की गई। व्यापारियों ने इन मुद्दों पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। गीता गुप्ता ने कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और प्रशासन से वार्ता कर समस्याओं के समाधान के प्रयास किए जाएंगे।

महिला सम्मान पर सपा की कथनी-करनी में फर्क : पंकज चौधरी

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने चंदौली में समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल के साथ हुई मारपीट की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना समाजवादी पार्टी के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करती है और जिस पार्टी में महिला सम्मान की बातें मंचों से की जाती हैं, वहीं महिला पदाधिकारियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पंकज चौधरी ने आरोप लगाया कि यह घटना महिलाओं के सम्मान और आत्मसम्मान पर सीधा आघात है। भाजपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं अब राजनीतिक दलों की वास्तविक मानसिकता को समझ रही हैं और राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी से इस मामले में माफी मांगने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

श्री अन्नकला बोर्ड का गठन करे सरकार : अरुण भोजवाल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सहकारिता भवन, हजरतगंज में भोजवाल फाउंडेशन द्वारा भोजवाल (भुर्जी) समाज का भोजवाल चौधरी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के भोजवाल समाज के चौधरी, मनोनीत सभासद, पत्रकार, अधिवक्ता, अध्यापक एवं हाल ही में चयनित पीसीएस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण भोजवाल आजाद ने प्रदेश सरकार से एक करोड़ भोजवाल समाज के लिए श्री अन्नकला बोर्ड गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बोर्ड बनने से समाज के लगभग एक करोड़ लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। प्रदेश कोषाध्यक्ष इंजीनियर उमाशंकर भोजवाल ने कहा कि सरकार जल्द बोर्ड का निर्माण करे ताकि योजनाओं का लाभ पूरे समाज तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन जल्द ही 403 विधानसभाओं में भोजवाल जागरूकता अभियान चलाएगा। समारोह में रामजी भोजवाल, शिवनाथ भोजवाल, रवि भोजवाल, दिलीप भोजवाल, हरीश भोजवाल, मलिकदीन भोजवाल, दिनेश भोजवाल, राजेश भोजवाल, ज्ञानेश भोजवाल, उमा शंकर, गौरी शंकर, डॉ. मनोहर कुमार कानू, डॉ. मृत्युंजय गुप्ता, विष्णु भोजवाल, अशोक कुमार भोजवाल, शिवराम, दिलीप कुमार, युगल किशोर, गीता देवी, राम तीरथ, अमित कुमार, सुरेश मोदी, रमन भोजवाल, संतोष भोजवाल, ओमप्रकाश भोजवाल, विजय भोजवाल, बजरंगी लाल, अरुण कुमार, ज्ञानचंद, रोहित भोजवाल, माधुरी देवी, आलोक कुमार, शुभम, रवीश कुमार, अनिल कुमार, पवन कुमार, शेषधर, राहुल, महेंद्र, इंद्रपाल, राज किशोर, मनीष देव भोजवाल, रामगोपाल भोजवाल, राजन भोजवाल, दुर्गा देवी भोजवाल, वर्षा भोजवाल समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

स्थानांतरण नीति स्पष्ट किये जाने की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मुख्य सचिव के आधिकारिक ईमेल पत्र भेजकर 'स्थानांतरण नीति शासनादेश 2026' के बिंदु-12 पर कार्मिक विभाग की ओर से स्पष्ट किए जाने की मांग की है। परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी बताया कि शासनादेश के बिंदु 12 में मान्यता प्राप्त संगठनों के अध्यक्ष, सचिव जिसमें जनपद शाखा के अध्यक्ष एवं सचिव भी सम्मिलित हैं, उनके निर्वाचन की तिथि से दो वर्ष तक स्थानांतरण से मुक्त रखने के निर्देश निर्गत किए गए हैं। नियम के बावजूद खाद्य रसद विभाग में मंत्री और सदस्यों को दो अलग-अलग पद मानते हुए स्थानांतरण का गलत आदेश जारी कर दिया गया।

राज्य सूचना आयुक्त ने मुख्यमंत्री को भेंट की अपनी पुस्तक

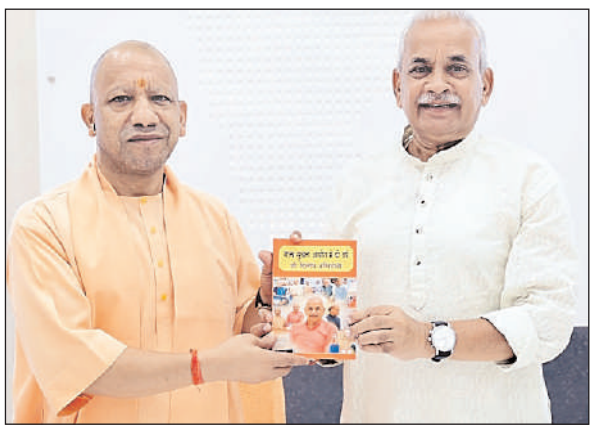

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी पुस्तक राज्य सूचना आयोग में दो साल भेंट की। इस पुस्तक में राज्य सूचना आयोग में उनके कार्यकाल का विवरण शामिल है। इससे पहले भी उनके कार्यवृत्त पर आधारित तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

चौक गुरुद्वारा में मेगा मेडिकल कैंप 233 मरीजों को मिला उपचार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। चौक के लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा में रविवार को आयोजित मेगा फ्री मेडिकल कैंप में कुल 233 मरीजों को उपचार प्रदान किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही, रस्तोगी, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कबीर

जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं शामिल थे। यह कैंप बीबी सुरजीत कौर वेलफेयर सोसायटी और रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र की ओर से आयोजित किया गया। इसमें केजीएमयू के रेस्पिरेटरी विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत, लोहिया संस्थान के पेन मेडिसिन विभाग के प्रो. अनुराग, डॉ. नितिन मिश्रा, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु शर्मा और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. शशांक सिंह सहित कई चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण किया। शिविर में होम्योपैथिक और फिजियोथेरेपी सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। आयोजकों के अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

नेटवर्किंग क्षेत्र पर चर्चा

स्वतंत्र भारत निलमथा। बीएनआई नेटकॉन-2026 में प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. पवन अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में ग्राहक-केंद्रित व्यवसायों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार की सफलता का आधार ग्राहक संतुष्टि है और व्यवसायों को अपनी रणनीतियों में ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यक्रम में 900 से अधिक उद्यमियों, पेशेवरों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में व्यावसायिक नेटवर्किंग, रेफरल आधारित व्यापार और उद्यमियों के बीच सहयोग बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत व्यावसायिक संबंध और सहयोग राज्य के आर्थिक विकास को नई गति दे सकते हैं।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती पर स्वास्थ्य शिविर व संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। संत शिरोमणि गुरु रविदास ज्ञान विहार, कल्ली पश्चिम, रायबरेली रोड में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ओमा फाउंडेशन, बामसेफ, मिशन डेमोक्रेसी, समण संघ, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र एवं क्षेत्र के मूलनिवासी बहुजन समाज द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जहां डॉ. पंकज यादव बीएएमएस, एमएस ने डायबिटीज, ब्लड प्रेशर व मोटापे की जांच की। साथ ही बीमारियों से बचाव के प्राकृतिक उपाय बताए। संगोष्ठी में बामसेफ के राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा प्रभारी चांद मोहम्मद ने कहा कि माता अहिल्याबाई होलकर ने वंचित वर्ग के लिए अन्न, जल, भोजन की सामाजिक व्यवस्था की। उन्होंने बुद्ध व संत रविदास की प्रेरणा से सभी को अन्न उपलब्ध कराने का कार्य किया। प्रो. उमाशंकर ने लोकतंत्र, नागरिकता और प्राकृतिक सत्य सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कहा कि अज्ञानता व इतिहास की जानकारी न होने से बहुजन समाज का शोषण हो रहा है। महानायकों के सिद्धांतों पर चलकर ही जाति-पात, गरीबी व अशिक्षा दूर होगी। एडवोकेट दिलीप चौधरी ने कहा कि संविधान पूरी तरह लागू न होने के पीछे ब्राह्मणवादी ताकतें हैं। बहुजन समाज को पाखंड से निकलकर संविधान व लोकतंत्र में विश्वास रखना होगा। ओमप्रकाश व नीरज निर्मल ने भी बहुजन एकता पर बल दिया। इस अवसर पर ओम प्रकाश, चन्दन कुमार, उदयराज, अमर नाथ, बुद्धसेन गौतम, सरिता यादव, मंजुलता, राधेश्याम दिवाकर, विजय बहादुर, प्रियंका भारती, आर बी मौर्य, कुन्दन गौतम, अनिल कुमार यादव, सविता, मालती, सरोज, सावित्री, शेर बहादुर समेत कई लोग मौजूद रहे।

चिनहट और बीबीडी में सड़क किनारे धड़ल्ले से चल रहा व्यापार

फुटपाथ पर सजी दुकान, चलने को रास्ता नहीं

स्वतंत्र भारत चिनहट । राजधानी के चिनहट थाना क्षेत्र अंतर्गत कोतवाली रोड हो या सतरिख रोड देवा रोड हो या फिर मल्हौर रोड मटियारी चौराहा हो या कमता चिनहट तिराहा हो या एमिटी यूनिवर्सिटी गेट चिनहट कस्बा हो या फिर तिवारीगंज, यहां तक की कोतवाली रोड पर भी सड़क का किनारा खाली नहीं है हर जगह फुटपाथ पर तंबू तने हैं या फिर कई जगह टीन शेड पड़ गए हैं, और जिम्मेदार नगर निगम से लेकर स्थानीय प्रशासन तक एक दूसरे पर जिम्मेदारी की मोहर लगाते नजर आते हैं। और अपने-अपने कार्यों का तथा अपनी व्यस्तता की दुहाई देते नजर आते हैं। फिलहाल पार्किंग विहीन कई प्राइवेट प्रतिष्ठान साथ में दुकान के सामने अवैध तरीके से सजे हुए समान आखिर किसकी सरपरस्ती में फल फूल रहे

हैं। अकेले चिनहट क्षेत्र में हजारों दुकानें मांस मछली और मुर्गा की खुल गई जो की धार्मिक त्योहारों पर भी बंद नहीं होती। स्थानीय स्तर पर कई थाना क्षेत्र का यही हाल है सड़क पर चलने के लिए रास्ता नहीं सड़क के बगल फुटपाथ पर दुकान सजी हुई है। और अगर कोई गाड़ी खड़ी करके सामान लेने लगे तो पूरा रास्ता जाम हो जाता है यह हालत है चिनहट और बी बी डी थाना क्षेत्र इलाके का। रास्ते पर आपको चलने को मिलेगा कि नहीं इसकी गारंटी नहीं है मगर रास्ते पर दुकान जरूर लगी मिलेगी। और यह जिम्मेदारों की जिम्मेदारी पर प्रश्न चिन्ह लगता है कि आखिर ऐसा क्या है कि रास्ते पर दुकान लग गई है।

भीषण गर्मी में ट्रेन के इंतजार में बैठना यात्रियों की बनी मजबूरी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । लू के थपेड़ों के बीच बादशाह नगर रेलवे स्टेशन पर भीषण गर्मी में ट्रेन के इंतजार में बैठना मजबूरी बन गया है। कारण है कि यहां लगे पंखे खराब हैं और उन्हें ठीक नहीं कराया जा रहा है। यात्रियों का कहना है कि एक ओर तो पूर्वोत्तर रेलवे ऐशबाग और मैलानी जंक्शन पर यात्रियों को गर्मी से राहत देने के लिए बोगी तक पेयजल उपलब्ध करा रहा है, दूसरी तरह प्लेटफार्म के पंखे तक ठीक नहीं करा पा रहा है। बादशाह नगर स्टेशन पर पंखे खराब होने को लेकर यात्री अनुपम ने एक्स पर रेलवे से शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में खराब पंखों की फोटो भी टंग की है।उनका कहना है कि टिकट के लिए एक पैसा भी रेलवे कम नहीं करता है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा का ख्याल नहीं रखना उसकी लापरवाही है। प्लेटफार्म पर ट्रेन के इंतजार में बैठे अन्य यात्रियों का कहना है कि जबसे बादशाह नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम शुरू हुआ है तब से ही यहां पर यात्रियों को असुविधा हो रही है। शौचालय से लेकर पेयजल तक की दिक्कत बनी रहती है। अब यहां के पंखे ही खराब हो गए।

'जयहिंद संवाद' के तीसरे चरण का आयोजन, मतदाता मुद्दों पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। यूपी प्रेस क्लब में आयोजित 'जयहिंद संवाद' के तीसरे चरण में मतदाता मुद्दों और लोकतंत्र पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में सैय्यद मोहम्मद तक़ी, कपिल मोहन चौधरी, बौद्धमती विमला देवी, मोहम्मद रब्बानी, फरहत कासिम, अन्वेष शुक्ला, ज़ाहिद अली और विमल प्रकाश** सहित कई वक्ताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने लोकतंत्र, मतदाता अधिकार, युवाओं की भागीदारी और राजनीतिक जवाबदेही पर अपने विचार रखे और जनता से जागरूक रहने की अपील की। संयोजक ज़ाहिद अली ने बताया कि आगामी चरण में सार्वजनिक उपक्रमों के योगदान पर चर्चा की जाएगी।

स्वतंत्र भारत

जून भर ग्रामीण क्षेत्रों में 6 घंटे और तहसील मुख्यालयों-नगर पंचायतों में ढाई घंटे होगी कटौती

भीषण गर्मी में 'बिजली के झटकों' से राहत नहीं

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रही बिजली मांग के बीच जून माह में उपभोक्ताओं को निर्धारित विद्युत कटौती का सामना करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (यूपीएसएलडीसी) ने 1 जून से 30 जून 2026 तक के लिए प्रदेशव्यापी बिजली

■ प्रदेश के करोड़ों उपभोक्ता इस रोस्टर से होंगे प्रभावित

आपूर्ति एवं कटौती का विस्तृत रोस्टर जारी कर दिया है। नए आदेश के अनुसार सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन छह घंटे तक बिजली कटौती की जाएगी, जबकि तहसील मुख्यालयों और नगर पंचायत क्षेत्रों में प्रतिदिन ढाई घंटे की निर्धारित कटौती लागू रहेगी।यूपीएसएलडीसी द्वारा जारी आदेशों से स्पष्ट है कि बढ़ती मांग, सीमित उपलब्धता और ग्रिड प्रबंधन की चुनौतियों को देखते हुए पूरे प्रदेश में बिजली आपूर्ति का पुनर्संतुलन किया जा रहा है। जून माह के दौरान प्रदेश के करोड़ों उपभोक्ता इस रोस्टर से प्रभावित होंगे। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था विद्युत प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने तथा सभी क्षेत्रों में संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।प्रदेश के सामान्य ग्रामीण

निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे हवा-हवाई

क्षेत्रों के लिए जारी आदेश में सभी जनपदों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया है। पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले गांवों में अलग-अलग समय पर प्रतिदिन कुल छह घंटे की बिजली कटौती की जाएगी। कुछ क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से 8 बजे तक और फिर पूर्वाह्न या दोपहर में तीन घंटे की अतिरिक्त कटौती होगी, जबकि अन्य क्षेत्रों में कटौती का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया है। बुन्देलखंड के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों को आंशिक राहत देते हुए वहां चार घंटे की कटौती का प्रावधान रखा गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई, अयोध्या, अमेठी, बहराइच, गोण्डा, बलरामपुर, बरेली, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर और उन्नाव समेत मध्यांचल क्षेत्र के अधिकांश ग्रामीण इलाकों में सुबह और दोपहर के समय छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इसी प्रकार पूर्वांचल के प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, देवरिया, गाजीपुर, मऊ, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, प्रतापगढ़ और अन्य जिलों के गांवों में भी निर्धारित समयानुसार कटौती लागू होगी।दक्षिणांचल क्षेत्र के आगरा, अलीगढ़, कानपुर, इटावा, फिरोजाबाद, मथुरा, औरैया, फर्रुखाबाद, कन्नौज और बुन्देलखंड के जिलों में भी ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किए गए हैं। पश्चिमांचल के अमरोहा, बिजनौर, सहारनपुर, रामपुर, सम्भल और मुरादाबाद जिलों के ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी प्रतिदिन छह घंटे की कटौती झेलनी होगी।दूसरी ओर तहसील मुख्यालयों और नगर पंचायतों के लिए अपेक्षाकृत कम अवधि की कटौती तय की गई है। यूपीएसएलडीसी के अनुसार प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों में प्रतिदिन कुल 2 घंटे 30 मिनट तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में भी प्रतिदिन 2 घंटे 30 मिनट की बिजली कटौती लागू रहेगी। हालांकि कटौती का समय वितरण निगमों और जिलों के अनुसार अलग-अलग होगा।मध्यांचल क्षेत्र के तहसील मुख्यालयों में सुबह 6:30 बजे से 8 बजे तक तथा दोपहर 12:15 बजे से 1:15 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। नगर पंचायत क्षेत्रों में सुबह 6 बजे से 7 बजे तथा दोपहर 2 बजे से 3:30 बजे तक कटौती लागू होगी। पूर्वांचल क्षेत्र में तहसील मुख्यालयों के लिए सुबह 5:30 बजे से 7 बजे तथा दोपहर 12:15 बजे से 1:15 बजे तक कटौती निर्धारित की गई है, जबकि नगर पंचायतों में सुबह 5:45 बजे से 6:45 बजे और दोपहर 1:15 बजे से 2:45 बजे तक बिजली बंद रहेगी।दक्षिणांचल क्षेत्र में तहसील मुख्यालयों पर सुबह 6:15 बजे से 7:45 बजे तथा अपराह्न 3:30 बजे से 4:30 बजे तक कटौती की जाएगी। नगर पंचायतों में सुबह 7 बजे से 8 बजे तथा अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। पश्चिमांचल क्षेत्र के तहसील मुख्यालयों में सुबह 7 बजे से 8:30 बजे तथा अपराह्न 3 बजे से 4 बजे तक बिजली कटौती होगी, जबकि नगर पंचायतों में सुबह 6:45 बजे से 7:45 बजे और अपराह्न 2:45 बजे से 4:15 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

हत्या की घटनाओं से सीएम नाराज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी समेत कई जिलों में हत्या की घटनाओं से नाराज होकर अफसरों को सख्त चेतावनी देते हुए शनिवार को कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने राजधानी में भाजपा नेता और बिल्डर की हत्या का संज्ञान

■ बिल्डर हत्याकांडः एसीपी विभूति खंड और इंस्पेक्टर हटाए गए

लेकर लापरवाही बरतने वाले अफसरों को हटाने का निर्देश दिया। सीएम के आदेश पर विभूति खंड के एसीपी विनय द्विवेदी और इंस्पेक्टर अमर सिंह को हटा दिया गया है। उन्होंने गाजियाबाद में हाल ही में हत्या की दो वारदातों का तत्काल खुलासा करने के निर्देश दिए। उन्होंने हिस्ट्रीशीटर्स की निगरानी में ढिलाई बरतने पर वरिष्ठ अधिकारियों के पेच कसे और तत्काल सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएम ने गाजीपुर में हुई घटनाओं पर नाराजगी जताई और हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने के बाद पुलिस अधिकारियों की बयानबाजी को लेकर भी सख्त हिदायत दी। जिन जिलों में बीते दिनों सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश हुई थी, वहां के पुलिस अधिकारियों को कार्यशैली में बदलाव नहीं होने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन, कमिश्नरेट, जोन, रेंज और जिलों के अधिकारी शामिल हुए।

प्रति वर्ष 80 लाख से अधिक लोगों की मौत तंबाकू से होती है : डा. वेद प्रकाश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रविवार को कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जब कि सच्चाई यह है कि तंबाकू सेवन विश्वभर में होने वाली अलामयिक एवं निवारणीय मौतों के सबसे बड़े कारणों में से एक है। धूम्रपान छोड़ने से सीओपीडी, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके बावजूद आज की युवा पीढ़ी इसका शिकार है। बच्चों और युवाओं को तंबाकू की लत से बचाना स्वास्थ्यकर्मी, परिवारों, शिक्षकों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रो.डॉ वेद प्रकाश ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, तंबाकू से हर साल दुनिया भर में 80 लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। जब कि 70 लाख से अधिक मौतें सीधे तंबाकू के सेवन से होती हैं और लगभग 13 लाख मौतें सेकेंड हैंड तंबाकू के धुएं से होती हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर होने वाली हर 8 मौतों में से लगभग 1 मौत तंबाकू के सेवन के कारण होती है। दुनिया के 13 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80% निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। प्रो. प्रकाश ने डब्लूएचओ के आकंड़े पेश करते हुए बताया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, सीओपीडी, हृदय रोग, स्ट्रोक और तपेदिक के लिए एक प्रमुख जोखिम है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर के लगभग 85-90% मामलों का कारण बनता है। तंबाकू के धुएं में 7,000 से अधिक रसायन होते हैं, जिनमें कम से कम 70 ज्ञात कैंसरकारक शामिल हैं। सिगरेट पीने से औषत आयु लगभग 10 वर्ष कम हो जाती है। सेकेंड हैंड धूम्रपान से हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर और बच्चों में अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। धुआं रहित तंबाकू उत्पादों का मुख कैंसर, पेट के कैंसर और हृदय संबंधी रोगों से गहरा संबंध है। भारत में मुख कैंसर के वैश्विक मामलों का लगभग एक तिहाई हिस्सा है, जिसका मुख्य कारण तंबाकू का उपयोग है। भारत में तंबाकू के सेवन से प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख मौतें होती हैं। भारत में लगभग 28-29% वयस्क किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं (धूम्रपान या धुआं रहित)। 2 करोड़ से अधिक भारतीय तंबाकू युक्त गुटखा, खैनी और पान मसाला जैसे तंबाकू उत्पादों का उपयोग करते हैं। सेकेंड हैंड धूम्रपान से धूम्रपान न करने वालों में हृदय रोग का खतरा 25-30% तक बढ़ जाता है। गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करने से गर्भपात, समय से पहले जन्म, कम वजन वाले शिशु का जन्म और शिशु मृत्यु सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है।तंबाकू की खेती से वनों की कटाई और पर्यावरण प्रदूषण होता है। सिगरेट के टुकड़े दुनिया भर में सबसे अधिक फेंके जाने वाले प्लास्टिक कचरे हैं। ई-सिगरेट और वेपिंग उत्पादों में व्यसनकारी निकोटीन और हानिकारक रसायन होते हैं जो फेफड़ों और हृदय को नुकसान पहुंचा सकते हैं। किसी भी उम्र में तंबाकू छोड़ने से कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और दीर्घकालिक फेफड़ों की बीमारी का खतरा काफी कम हो जाता है। धूम्रपान छोड़ने के 20 मिनट के भीतर हृदय गति और रक्तचाप में सुधार होने लगता है। छोड़ने के 1 वर्ष के भीतर, हृदय रोग का खतरा लगभग 50% तक कम हो जाता है। 5-10 वर्षों के भीतर, स्ट्रोक और कई प्रकार के कैंसर का खतरा काफी कम हो जाता है। तंबाकू से संबंधित बीमारियाँ स्वास्थ्य देखभाल लागत और उत्पादकता में कमी के कारण एक बड़ा आर्थिक बोझ डालती हैं। 1987 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों ने दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर तंबाकू के सेवन के विनाशकारी प्रभावों (मृत्यु और बीमारियों) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' की स्थापना की। प्रत्येक वर्ष 31 मई 2026 को, विश्व तंबाकू निषेध दिवस वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है ताकि तंबाकू के सेवन के नकारात्मक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा सके।

नीतिगत निर्णय नहीं ले सकेंगे ग्राम प्रधान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पंचायत चुनाव के बाद नई ग्राम पंचायतों के गठन तक गांवों में प्रशासनिक कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए प्रदेश सरकार ने पुराने ग्राम प्रधानों को प्रभारी बना दिया है। नई पंचायत की पहली बैठक होने तक या अधिकतम छह माह की अवधि तक पूर्व प्रधान ग्राम पंचायतों का कार्यभार संभालेंगे। ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो चुका है। पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक 27 मई से पूर्व प्रधानों को प्रभारी के रूप में कार्य करने की अनुमति दी गई है।

लखनऊ सहित 27 जिलों के बदले डीआईओएस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को प्रशासनिक अमले में एक बड़ा फेरबदल करते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर अफसरों के तबादले कर दिए हैं। इस बड़े फेरबदल के तहत प्रदेश के 27 जिलों में नए जिला विद्यालय निरीक्षक तैनात किए गए हैं, अचानक हुए इस फेरबदल से विभाग में हड़कंप मच गया है। सरकार के इस कदम को व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने और प्रशासनिक कसावट लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए संयुक्त शिक्षा निदेशकों, उप शिक्षा निदेशकों और अपर शिक्षा निदेशकों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। राजधानी लखनऊ की कमान अब देवेंद्र कुमार पांडेय को सौंपते हुए उन्हें नया जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) बनाया गया है। इसके साथ ही अन्य प्रमुख जिलों की बात करें तो प्रवीण कुमार तिवारी को कानपुर नगर, चंद्रशेखर को गौतमबुद्धनगर और बुद्ध प्रिय सिंह को गाजियाबाद का डीआईओएस नियुक्त किया गया है। संतोष कुमार राय को प्रयागराज, राघवेंद्र सिंह को मथुरा और अमिता सिंह को बाराबंकी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, जय करन यादव सहारनपुर के, राजीव कुमार यादव बागपत के, और अरविंद कुमार पाठक हरदोई के नए डीआईओएस होंगे। वहीं, मुदिता पांडेय को फिरोजाबाद,संजीव कुमार को फर्रुखाबाद, रविंद्र पाल सिंह को आगरा, और देवेंद्र कुमार सिंह को जौनपुर का प्रभारी डीआईओएस बनाया गया है। अन्य प्रमुख तबादलों में मनोज कुमार मिश्र को बलिया, लालू बाबू मौर्य को कौशांबी, विजय कुमार को पीलीभीत,जगदीश प्रसाद शुक्ल को मेरठ, रजनीश कुमार दिवाकर को कासगंज,धर्मेंद्र कुमार सिंह को चंदौली,धर्मेंद्र कुमार सक्सेना को बिजनौर, हरीश चंद्र नाथ को देवरिया और हरिकेश यादव को मुजफ्फरनगर की जिम्मेदारी दी गई है।

परीक्षा व्यवस्था पर उठते सवाल

नजरिया

देश की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पहले नीट-यूजी और सीयूईटी से जुड़े विवादों ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई थी, वहीं अब सीयूईटी-यूजी परीक्षा में तकनीकी खामियों और अव्यवस्थाओं की खबरें सामने आना गंभीर चिंता का विषय है। समाचार के अनुसार कई परीक्षा केंद्रों पर सर्वर की समस्या, लॉगिन में देरी, परीक्षा समय कम मिलना और तकनीकी बाधाओं के कारण छात्रों को परेशानी झेलनी पड़ी। परीक्षाएं विद्यार्थियों के भविष्य का आधार होती हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी सीधे लाखों छात्रों के करियर को प्रभावित करती है। डिजिटल माध्यम से परीक्षाएं आयोजित करने का उद्देश्य प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना है, लेकिन यदि तकनीकी ढांचा मजबूत नहीं होगा तो इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ेगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पहले भी कई परीक्षाओं में आलोचनाओं का सामना कर चुकी है। लगातार सामने आ रही समस्याएं यह संकेत देती हैं कि परीक्षा प्रबंधन और तकनीकी तैयारियों में सुधार की आवश्यकता है। केवल जांच के आदेश देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिससे भविष्य में किसी भी छात्र को नुकसान न हो। सरकार और परीक्षा एजेंसियों को चाहिए कि वे परीक्षा केंद्रों की तकनीकी क्षमता का पूर्व परीक्षण करें, शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत बनाएं और प्रभावित छात्रों को उचित राहत दें। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते रहेंगे।

– भृगु नागर

काशी में 104 करोड़ का महादेव पार्क बनेगा पर्यटन का नया केंद्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। धर्म, संस्कृति और पर्यटन की वैश्विक राजधानी के रूप में पहचान बना चुकी काशी को जल्द ही एक

130 फीट ऊंचा शिवलिंग होगा आकर्षण

और बड़ा पर्यटन आकर्षण मिलने जा रहा है। नगर निगम वाराणसी की ओर से लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य और अत्याधुनिक महादेव पार्क विकसित करने की योजना तैयार की गई है। 20 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह पार्क धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ वाराणसी की समृद्ध विरासत को नई पहचान देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में प्रस्तावित यह परियोजना शहर के पर्यटन परिदृश्य को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। भेलूपुर स्थित नगर निगम के जलकल परिसर की खाली भूमि पर बनने वाले इस पार्क को पूर्वांचल के सबसे आधुनिक और आकर्षक पार्कों में शामिल करने की योजना है। परियोजना के पहले चरण में लगभग 45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार महादेव पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण 130 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग होगा। इसके चारों ओर विकसित की जाने वाली हरियाली, आकर्षक पाथवे और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विशेष अनुभव प्रदान करेगी। शिवलिंग पर लेजर शो का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे यह स्थल शाम के समय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकेगा। महादेव पार्क केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं होगा, बल्कि यह काशी की सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। पार्क में एक ओपन म्यूजियम और आर्ट गैलरी विकसित की जाएगी, जहां वाराणसी की ऐतिहासिक विरासत, कला, संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा। बनारस के प्रसिद्ध संगीत घरानों, लोककलाओं और शहर की विशिष्ट पहचान से जुड़े पहलुओं को भी यहां स्थान मिलेगा। इसके अलावा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री जैसे राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित काशी की महान विभूतियों के जीवन और योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को काशी की बौद्धिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। पर्यटन को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से पार्क में बनारसी हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पादों और स्थानीय कलाकृतियों के लिए विशेष स्टॉल भी स्थापित किए जाएंगे। इससे स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का मंच मिलेगा, वहीं पर्यटक बनारस की पारंपरिक कलाओं और उत्पादों से रूबरू हो सकेंगे। पार्क में लगभग एक हजार मीटर लंबा पाथवे, 300 मीटर का वॉकवे, हाईटेक झूले, फूड कोर्ट और ओपन आर्ट स्पेस जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर हरियाली विकसित की जाएगी, जिससे यह क्षेत्र शहर के लिए एक प्रमुख 'ऑक्सीजन सेंटर' के रूप में भी काम करेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि महादेव पार्क के निर्माण के बाद वाराणसी में आने वाले पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होगी। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक सुविधाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम यह पार्क काशी की पर्यटन पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल शहर की वैश्विक छवि मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा।

टूरिस्ट की सुगमता के लिए पीडब्लूडी को भेजे प्रस्ताव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश में पर्यटन विकास अब केवल धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि

पर्यटन सर्किटों पर सरकार का फोकस

यह स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन का मजबूत माध्यम बनकर उभर रहा है। पर्यटन स्थलों के विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश के कई शहरों और कस्बों की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, चित्रकूट, कुशीनगर और श्रावस्ती जैसे प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर बढ़ती पर्यटक संख्या का सीधा लाभ स्थानीय व्यापारियों, होटल व्यवसायियों, हस्तशिल्प कारीगरों, टैक्सी संचालकों और छोटे उद्यमियों को मिल रहा है। पर्यटन विभाग की विभिन्न योजनाओं के कारण इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। प्रदेश सरकार ने पर्यटन विकास को गति देने के लिए राज्य को 12 पर्यटन सर्किटों में विकसित किया है।

इसके साथ ही पर्यटन स्थलों तक बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

सरकार का मानना है कि पर्यटन में निवेश का लाभ सीधे स्थानीय समुदायों तक पहुंचता है। सरकार ने प्रदेश को 12 पर्यटन सर्किटों में विकसित कर पर्यटन गतिविधियों को विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने की रणनीति अपनाई है।

इसके साथ ही पर्यटन विभाग लगातार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सड़क निर्माण और संपर्क मार्गों के विकास संबंधी प्रस्ताव भेज रहा है, ताकि दूरस्थ पर्यटन स्थलों तक भी पर्यटकों की आसान पहुंच सुनिश्चित हो सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर कनेक्टिविटी, निवेश और बढ़ती पर्यटक संख्या का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि छोटे कस्बों, गांवों और स्थानीय उद्यमों तक भी पहुंचेगा। सरकारी अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2028 तक प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र का आर्थिक योगदान 70 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। वर्ष 2016-17 में यह योगदान करीब 11 हजार करोड़ रुपये के आसपास था, जिससे स्पष्ट है कि पर्यटन अब प्रदेश की आर्थिक वृद्धि का बड़ा आधार बन रहा है और राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में पर्यटन को महत्व दिया जा रहा है।

बिजली संकट, स्मार्ट मीटर और बढ़ी दरों पर कांग्रेस का हमला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को लेकर

कांग्रेस प्रदेशअध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था लगातार बदहाल होती जा रही है, जबकि सरकार 24 घंटे बिजली देने के दावे कर रही है। अजय राय का कहना है कि जमीनी हकीकत सरकार के दावों से बिल्कुल अलग है और मामूली आंधी या बारिश में ही कई क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था ठप हो जाती है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में स्मार्ट मीटर व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन ऊर्जा विभाग उनकी समस्याओं का समाधान करने में विफल साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को गलत बिलिंग और तकनीकी खामियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आम जनता परेशान है। प्रदेश अध्यक्ष ने हाल ही में बिजली उपभोक्ताओं पर लगाए गए 10 प्रतिशत अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता पर यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना अन्यायपूर्ण है। उनके अनुसार, सरकार एक ओर सुशासन और विकास के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर लोगों को महंगी बिजली और खराब सेवाएं मिल रही हैं।

कांग्रेस नेता ने ऊर्जा विभाग में भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विद्युत नियामक व्यवस्था आम जनता की समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाने में असफल रही है। पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री से बिजली व्यवस्था में सुधार, उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण और बढ़े हुए शुल्कों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। अजय राय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की नीति जारी रही तो कांग्रेस इस मुद्दे को व्यापक जनआंदोलन का रूप देने पर विचार करेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश में विकास के दावों के बीच आखिर इसका लाभ किसे मिल रहा है, जब आम नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है।

सहयोग सनातन सेना को मिला नया राष्ट्रीय नेतृत्व

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय केसरिया वाहिनी एवं सहयोग चेरीटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सीतापुर रोड स्थित केसरिया

गुड़िया निगम बनीं राष्ट्रीय अध्यक्ष

भवन में सहयोग सनातन सेना की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा संगठनात्मक विस्तार पर चर्चा की गई। इस अवसर पर कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता सहयोग चेरीटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष लक्ष्मी प्रकाश दीक्षित ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सहयोग सनातन सेना के राष्ट्रीय संरक्षक मनोज कृष्ण श्रीवास्तव मौजूद रहे। बैठक के दौरान श्रीमती गुड़िया निगम को सहयोग सनातन सेना का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। इसके अलावा संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियां की गईं। बबलू पांडेय को प्रदेश अध्यक्ष, योगेन्द्र शुक्ला को प्रदेश महासचिव, लक्ष्मीकांत अवस्थी को नगर उपाध्यक्ष, अभय शुक्ला को नगर महासचिव, राजीव सिंह चौहान और राम मिलन सिंह को जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। वहीं बजरंग सोनकर को भी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि भारतीय केसरिया वाहिनी से जुड़े सभी संगठनों के कार्यों के समन्वय एवं संचालन के लिए अमित अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया जाए। युवक विभाग से रवि कुमार ने भी बैठक में भाग लिया। अपने संबोधन में मनोज कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि मंदिर भारतीय संस्कृति और आस्था के केंद्र हैं। उन्होंने मंदिरों के जीर्णोद्धार और उन्हें सरकारी हस्तक्षेप से मुक्त करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाज को इस दिशा में संगठित होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा, धार्मिक जागरूकता और संगठन विस्तार के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

एफ0सी0जे0 फार्म नं0 33 भाग-7
हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, लखीमपुर जिला खीरी
वाद संख्या सन् ई0
केवल सिंह बनाम विद्यासागर आदि
प्रतिवादी
1-जोखे पुत्र पोहपी
2-बालकराम पुत्रगण बेनीराम
3-विद्यासागर पुत्रगण बेनीराम
4-गेंदना पत्नी बेनीराम
निवासीगण ग्राम-देवलरिया, परगना-अटवा पिपरिया, तहसील-मोहम्मदी, जिला-खीरी।
5-तिलकराम पुत्र नन्हूं निवासी ग्राम-कोरिगवां, परगना-अटवा पिपरिया, तहसील-मोहम्मदी, जिला-खीरी।
चूंकि उपरोक्त नामांकित ....वादी............ ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अन्तर्गत धारा-38(2) उ0प्र0रा0संहिता 2006.......अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के माह 06 दिवस 06 को समय प्रातः 10:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रुपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रुप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित सन् 2026 के 05 माह 30 दिवस को निकाली गयी।
ता0 पेशी- 06/06/2026
न्यायालय जिलाधिकारी महोदय, लखीमपुर-खीरी

सी.आर.- 412/D-CN

एकेटीयू में टैबलेट से लगेगी हाजिरी, नहीं हो सकेगी गड़बड़ी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक

परीक्षा में सुधार को एआई का होगा प्रयोग

विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपनी परीक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग करेगा। इसके तहत अब परीक्षा केंद्र पर टैबलेट से छात्र-छात्राओं की हाजिरी लगेगी। इससे गड़बड़ियों पर रोक तो लगेगी ही वहीं अगर कोई भी विद्यार्थी प्रवेश पत्र नहीं लेकर आया है तो भी वह परीक्षा से रोका नहीं जाएगा। पिछले दिनों नोएडा के एक केंद्र पर क्रिडेंशियल के दुरुपयोग का मामला सामने आने के बाद एकेटीयू ने परीक्षा में एआई के प्रयोग का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैस) में एमटेक द्वितीय सेमेस्टर में इसका प्रयोग शुरू किया है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इसके तहत परीक्षा कक्ष में प्रत्येक विद्यार्थी की हाजिरी टैबलेट के माध्यम से कराई जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत टैबलेट में विद्यार्थी के प्रवेश पत्र का पूरा डाटा पहले से अपलोड होता है, ऐसे में जैसे ही हाजिरी लगाई जाती है, डाटा मैच हो जाता है। यह मैचिंग एआई टूल के माध्यम से की जा रही है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि अब इस प्रणाली के माध्यम से किसी छात्र की जगह कोई और परीक्षा नहीं दे सकेगा। अगर छात्र की फोटो नहीं मिलेगी तो तुरंत इसकी जानकारी संबंधित परीक्षक को मिल जाएगी। वहीं छात्रों की उपस्थिति का डाटा तुरंत ऑनलाइन विश्वविद्यालय प्रशासन को मिल जाएगा। वह तुरंत इसकी मॉनीटरिंग कर सकेगा। इतना ही नहीं अगर छात्र किसी वजह से अपना प्रवेश पत्र भूल भी गया है तो उसे परीक्षा से रोका नहीं जाएगा। इस डाटा से मिलान करके उसे परीक्षा में शामिल किया जाएगा। अभी तक परीक्षा में बायोमीट्रिक हाजिरी की व्यवस्था है। प्रो. पांडेय ने कहा कि आगे छात्र कभी भी चेक कर सकेगा कि उसकी हाजिरी लगी है या नहीं। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत एमटेक परीक्षा से की जा रही है। इसका ट्रायल सफल होने पर हम इसे बीटेक की परीक्षा व अगले सत्र से पूरी परीक्षा में इसका प्रयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर परीक्षा में कॉपियों के पेज कम करने की पायलट शुरुआत एमटेक परीक्षा से कर रहे हैं। इसके तहत कॉपियों के पेज 32 से 24 किए गए हैं। आठ पेज की सप्लीमेंट्री कॉपी दे रहे हैं। आगे इसे और कम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे चलकर हम टैबलेट में छात्रों की परीक्षा लेंगे। इसका ट्रायल भी जल्द शुरू किया जाएगा।

अदालती सूचना ता.पेशी 15.07.2026 हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप) न्यायालय सिविल जज जू.डि. कोर्ट सं. 18 शाहजहांपुर मूलवाद सं. 136 वर्ष 2026 कु.कामनी कश्यप उर्फ शिवानी बनाम आशाराम आदि बनाम जनसाधारण प्रतिवादी सं.6 चूंकि उपरिनिमांकित कु.कामनी कश्यप उर्फ शिवानी वादिनी ने इस न्यायालय में आवेदन/वाद दायर किया है कि वादिनी का नाम कु.कामनी कश्यप उर्फ शिवानी अविवाहित पुत्री स्व. दरबारी लाल निवासी मोहल्ला मुस्तफाबाद कस्बा व तह.तिलहर जिला शाहजहांपुर को घोषित किया जावे कि कु.कामनी कश्यप व कु.शिवानी अविवाहित पुत्री स्व.दरबारी लाल दोनो नाम वादिनी के हैं अतएव आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन 2026 के माह 07 के 15 दिवस को 10 बजे के पूर्वान्ह में स्वंय या सम्येक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में या जिस किसी से सम्बंधित हो असफल रहने उक्त आवेदन एक पक्षीय से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026ई.के माह 05 के 30 दिवस को निकाली गई। न्यायालय के ओदशानुसार मुन्सरिम सिविल जज जू.डि.कोर्ट सं. 18 शाहजहांपुर।

सी.आर.- 413/D-CN

सरोजनीनगर में एशियन गेम्स-2026 के लिए भारतीय कुश्ती टीम का चयन ट्रायल आयोजित

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। सरोजनीनगर स्थित साई सेंटर में रविवार को एशियन गेम्स-2026 के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल में देशभर से आए कुल 150 पहलवानों ने हिस्सा लिया। इनमें 65 फ्री स्टाइल और 85 ग्रीको-रोमन स्टाइल के पहलवान शामिल रहे, जिन्होंने विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन ट्रायल में सफल रहने वाले खिलाड़ी आगामी 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत, ओलंपियन सुनीत, एशियन चैंपियन दिनेश और ललित समेत कई नामचीन पहलवानों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, क्योंकि एशियन गेम्स में देश के लिए खेलने का मौका दांव पर लगा है। भारतीय कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष एसपी देशवाल ने बताया कि विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों का चयन किया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वयक एवं भारतीय कुश्ती कैंप के उपाध्यक्ष विनय शाही ने कहा कि ट्रायल में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी पहुंचे हैं, जिससे प्रतियोगिता का स्तर काफी ऊंचा हो गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई–निविदा सूचनाः NER-LJN-2026-161-167

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः–

क्रम सं.-01, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-161, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/BVN के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 13,25,88,082.48, अग्रिम धन (₹): 26,51,800/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-02, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-162, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/LMP के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 8,34,44,480.93, अग्रिम धन (₹): 16,68,900/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-03, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-163, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/TQN के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 7,14,12,133.24, अग्रिम धन (₹): 14,28,300/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-04, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-164, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/STP के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 6,22,76,346.83, अग्रिम धन (₹): 12,45,500/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-05, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-165, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/MLN के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 5,15,88,509.23, अग्रिम धन (₹): 10,31,800/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-06, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-166, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/NNP के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 5,61,99,048.40, अग्रिम धन (₹): 11,24,000/-, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.-07, ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-167, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे (लखनऊ मंडल) के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SSE/P-Way/BRK के अनुभाग में ट्रैक के अनुरक्षण हेतु विभिन्न पी०वे० रखरखाव के कार्यों को आगामी 2 वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराये जाने का कार्य। अनुमानित लागत (₹): 7,11,04,239.08, अग्रिम धन (₹): 14,22,100/-, समापन अवधि: 24 माह।

नोटः- (1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-161-167 के लिये ई-निविदा दिनांक 09-07-2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। (2) उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग, लखनऊ
मुजाधि/डब्लू-144
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन / टर्मिनल परिवर्तन / प्लेटफॉर्म परिवर्तन

लखनऊ (एन.आर.) स्टेशन पर ट्रैफिक ब्लॉक के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन/टर्मिनल/प्लेटफॉर्म में बदलाव किया जाएगा, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	वर्तमान मार्ग	संशोधित मार्ग	तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
13258	आनंद विहार (ट) - दानापुर जनसाधारण एक्सप्रेस	आलमनगर–लखनऊ–उतरेटिया जं.	आलमनगर–ट्रॉंसपोर्ट नगर–उतरेटिया जं.	01.06.2026
15074	टनकपुर – सिंगरौली त्रिवेणी एक्सप्रेस	आलमनगर–लखनऊ–उतरेटिया जं.	आलमनगर–ट्रॉंसपोर्ट नगर–उतरेटिया जं.	01.06.2026
14241	प्रयागराज संगम–सहारनपुर जं.–नौचंदी एक्स.	उतरेटिया जं.–लखनऊ–आलमनगर	उतरेटिया जं.–ट्रॉंसपोर्ट नगर–आलमनगर	01.06.2026
15119	बनारस – देहरादून एक्सप्रेस	उतरेटिया जं.–लखनऊ–आलमनगर	उतरेटिया जं.–ट्रॉंसपोर्ट नगर–आलमनगर	01.06.2026
19410	छपरा - साबरमती बीजी एक्सप्रेस	बाराबंकी जं.–लखनऊ–मानक नगर	बाराबंकी जं.–मल्हौर–ऐशबाग–कानपुर सेंट्रल	01.06.2026
12555	गोरखपुर जं. – बठिंडा गोरखधाम एक्सप्रेस	बाराबंकी जं.–लखनऊ–मानक नगर	बाराबंकी जं.–मल्हौर–ऐशबाग–कानपुर सेंट्रल	01.06.2026

टर्मिनल का परिवर्तन

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	लखनऊ स्टेशन पर समय: आगमन	लखनऊ स्टेशन पर समय: प्रस्थान	वर्तमान टर्मिनल	संशोधित टर्मिनल	तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
64214	कानपुर सेंट्रल – लखनऊ एमईएमयू	21:15	समाप्त	लखनऊ स्टेशन पर समाप्त	लखनऊ एनईआर पर समाप्त	01.06.2026
64203	लखनऊ – कानपुर सेंट्रल एमईएमयू	प्रारंभ	07:05	लखनऊ स्टेशन से प्रारंभ	लखनऊ एनईआर से प्रारंभ	01.06.2026 एवं 02.06.2026

लखनऊ स्टेशन पर दिनांक 01.06.2026 को प्लेटफॉर्म सं. में बदलाव

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	लखनऊ स्टेशन पर समय: आगमन	लखनऊ स्टेशन पर समय: प्रस्थान	वर्तमान प्लेटफॉर्म संख्या	संशोधित स्थानांतरण प्लेटफॉर्म सं.
	प्लेटफ़ॉर्म सं. 4 पर आने वाली रेलगाड़ियों का स्थानांतरण				
13019	हावड़ा जं. – काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस	00:20	00:30	4	7
22541	बनारस–आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ	00:55	01:05	4	7
12317	कोलकाता टर्मिनल – अमृतसर अकाल तख्त एक्सप्रेस	02:30	02:40	4	6
19270	मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन–पोरबंदर एक्सप्रेस	04:15	04:25	4	7
15909	डिब्रुगढ़ – लालगढ़ जं. अवध असम एक्सप्रेस	05:10	05:20	4	3
20503	डिब्रुगढ़ – नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	05:45	05:55	4	6
15744	बठिंडा – बालुरघाट फ़रक्का एक्सप्रेस	08:15	08:25	4	3
64204	कानपुर सेंट्रल–लखनऊ एमईएमयू	09:20	समाप्त	4	3
14047	सीतामढ़ी – दिल्ली जं. अमृत भारत एक्सप्रेस	11:35	11:45	4	6
19306	कामाख्या –डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस	12:00	12:10	4	6
12875	पुरी – आनंद विहार टर्मिनल नीलाचल सुपरफास्ट एक्सप्रेस	13:25	13:35	4	6
64211	लखनऊ जं. –कानपुर सेंट्रल एमईएमयू	प्रारंभ	14:35	4	7
13005	हावड़ा जंक्शन–अमृतसर मेल	15:20	15:30	4	7
15119	बनारस–देहरादून एक्सप्रेस	16:05	16:15	4	7
12391	राजगीर–नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस	19:55	20:05	4	7
13009	हावड़ा जंक्शन – योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस	20:25	20:35	4	7
12392	नई दिल्ली–राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस	21:20	21:30	4	7
13258	आनंद विहार टर्मिनल–दानापुर जनसाधारण एक्सप्रेस	22:00	22:10	4	7
12557	मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन–आनंद विहार टर्मिनल सप्तक्रांति एक्सप्रेस	23:35	23:45	4	6
	प्लेटफ़ॉर्म सं. 5 पर आने वाली रेलगाड़ियों का स्थानांतरण				
14863	वाराणसी सिटी – जोधपुर जंक्शन मरुधर एक्सप्रेस	00:00	00:15	5	6
14235	वाराणसी – बरेली एक्सप्रेस	06:38	06:48	5	7
22489	वाराणसी – मेरठ सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस	13:40	13:50	5	7
64255	उतरेटिया जं. – कानपुर सेंट्रल एमईएमयू	17:45	17:55	5	7
12184	मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ – भोपाल जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस	22:25	22:35	5	7
22425	अयोध्या कैंट–आनंद विहार टर्मिनल वंदे भारत एक्सप्रेस	17:10	17:15	5	7
14123	मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–कानपुर सेंट्रल इंटरसिटी	07:40	07:45	5	7
	प्लेटफ़ॉर्म सं. 3 पर आने वाली रेलगाड़ियों का स्थानांतरण				
12143	लोकमान्य तिलक – सुल्तानपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस	14:40	14:50	3	1
13151	कोलकाता टर्मिनल – जम्मू तवी एक्सप्रेस	11:15	11:25	3	6
	प्लेटफ़ॉर्म सं. 2 पर आने वाली रेलगाड़ियों का स्थानांतरण				
64212	कानपुर सेंट्रल – लखनऊ एमईएमयू	14:15		2	7
13307	धनबाद जंक्शन – फिरोजपुर कैंट गंगा सतलज एक्सप्रेस	14:45	14:55	2	1
12173	लोकमान्य तिलक – मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ उद्योग नगरी एक्सप्रेस	15:30	15:40	2	6
13152	जम्मू तवी–कोलकाता टर्मिनल एक्सप्रेस	17:00	17:10	2	1

लखनऊ स्टेशन पर दिनांक 02.06.2026 को प्लेटफॉर्म सं. में बदलाव

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	लखनऊ स्टेशन पर समय: आगमन	लखनऊ स्टेशन पर समय: प्रस्थान	वर्तमान प्लेटफॉर्म संख्या	संशोधित स्थानांतरण प्लेटफॉर्म सं.
	प्लेटफ़ॉर्म सं. 4 पर आने वाली रेलगाड़ियों का स्थानांतरण				
13019	हावड़ा जंक्शन – काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस	00:20	00:30	4	7

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

छेड़छाड़ करने वाला आरोपित ऑटो चालक मुठभेड़ में गिरफ्तार

इस दौरान घायल होने से बचे थानाध्यक्ष, सरकारी वाहन में जा धंसी बुलेट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकासनगर थाना क्षेत्र में युवती से छेड़खानी, गाली-गलौज एवं हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित ऑटो चालक आरोपित सनी यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। वहीं थानाध्यक्ष आलोक सिंह बाल-बाल बचे उनके सरकारी वाहन के गेट में गोली धसी। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने विकासनगर थाने पर सूचना दी थी कि उसकी पुत्री के साथ ऑटो चालक सनी यादव ने अश्लील हरकत की। विरोध करने पर उसके साथ अभद्र भाषा एवं गाली-गलौज करते हुए उसके ऊपर जानलेवा हमला किया जिससे उसे गंभीर चोटें आई और उसे उपचार के अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार कराना पड़ा। पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना विकासनगर पुलिस आरोपित की तलाश के लिए दबिश की कार्यवाही की जा रही थी। शनिवार की बीती रात को पुलिस टीम को सूचना मिली कि वांछित आरोपित सनी यादव आवासीय परिसर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण उत्तरी क्षेत्र, टेढ़ी पुलिया के निकट मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुँची और आरोपित को घेरते हुए उसे आत्म समर्पण करने को कहा आरोपित ने गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से अवैध तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इस्पेक्टर आलोक सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपी को घेरते हुए समर्पण करने को कहा उसने सीधे टीम पर फायरिंग कर दी वहीं आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में सनी यादव के दाहिने पैर में गोली जा लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा उसे पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया जहाँ उपचार कराया जा रहा है।

तालाब में मासूम की डूबकर मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मीरजापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के जग्गनपुर पहड़ी स्थित तालाब में नहाते समय चार वर्षीय मासूम की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक काचरिया गांव निवासी विनय कोल का चार वर्षीय पुत्र प्रिंस रविवार दोपहर अपने साथी बच्चों के साथ घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित जग्गनपुर तालाब में नहाने गया था। साथ मौजूद बच्चे कुछ देर तक उसका इंतजार करते रहे जब वह दिखाई नहीं पड़ा तो वे अपने-अपने घर लौट गए। दोपहर करीब एक बजे तक प्रिंस के घर नहीं लौटने पर उसकी मां सीमा देवी चिंतित हो उठीं। उन्होंने बेटे की तलाश शुरू की और खोजते-खोजते तालाब के किनारे पहुंचीं। वहां अपने पुत्र का शव पानी में उतराता देख वह चीख पड़ीं उसकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से मासूम के शव को तालाब से बाहर निकाला गया। परिजन ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही मासूम का अंतिम संस्कार कर दिया।

रील बनाने के चक्कर में दो युवकों की मौत

दो परिवारों के बुझे चिराग, रामगंगा नदी में डूबे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। शाहजहांपुर के अल्हागंज क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव के पास रामगंगा नदी में शनिवार शाम डूबे 18 वर्षीय उत्कर्ष और सर्वज्ञ के शव 12 घंटे के बाद एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिए हैं। दोनों नहाते समय गहरे पानी में डूब गए थे। दोनों युवक रील बनाने के लिए वहां पहले भी कई बार जा चुके थे इसी शौक में दोनों की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक बस्ती जिले के निवासी दिवाकर और फैजाबाद जिले के सिविल लाइन के हौंसला नगर निवासी अमन श्रीवास्तव हरदोई जिले की डीसीएम शुगर मिल रूपापुर में कार्यरत हैं। दिवाकर का 18 वर्षीय पुत्र उत्कर्ष, अमन का पुत्र सर्वज्ञ व उसका 15 वर्षीय साथी काव्य शनिवार की शाम स्कूटी से घूमने निकले थे। रघुनाथपुर गांव के पास रामगंगा नदी किनारे पहुंचने पर उत्कर्ष नहाने के लिए नदी में उतरते ही गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख सर्वज्ञ उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा, लेकिन दोनों ही तैर नहीं पाने के कारण नदी की गहराई में समा गए। उनके साथ मौजूद काव्य ने शोर मचाकर ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों की तलाश का अभियान शुरू किया गया। मछुआरों और स्थानीय लोगों की मदद से तलाश किया गया लेकिन अंधेरा होने के कारण तलाश बंद कर दी गई थी। रविवार की सुबह एसडीआरएफ ने खोजना शुरू किया गया भुड़िया गांव के पास उत्कर्ष के शव खोज निकाला गया करीब दो घंटे बाद वहीं से सर्वज्ञ का शव नदी की गहराई से निकाला गया। शव देखते ही वहां मौजूद दोनों परिवारों के लोग बिलख उठे। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक अपने परिवारों के इकलौते पुत्र थे। हादसे में दो परिवारों के चिराग बुझ जाने से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि पुलिस स्तर से अब तक हुई जांच से पता चला है कि दोनों युवक और उनका किशोर साथी रील बनाने और फोटो खींचने के शौकीन थे। इस शौक को पूरा करने के लिए वह इससे पहले भी कई बार वहां आ चुके थे। शनिवार को भी वह इसी उद्देश्य से रघुनाथपुर पहुंचे थे रामगंगा नदी का रघुनाथपुर क्षेत्र लंबे समय से हादसों का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुल से लेकर गांव के किनारे तक नदी कहीं उथली तो कहीं अत्यधिक गहरी है। यहां पहले भी कई लोग डूबकर अपनी जान गंवा चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी के खतरनाक घाटों, विशेषकर तटीय गांवों के आस-पास चेतावनी के संकेतक लगाने की मांग की है।

खबर एक नजर

रेलवे ट्रैक पर युवकों के मिले शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में देवरिया और बैतालपुर रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर रविवार को दो युवकों के शव मिला। सूचना मिलने पर आरपीएफ और जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों युवक का अपराध जगत से पूराना नाता है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया कि मृतकों की पहचान सलमान उर्फ मिते (18) और किशन (19) के रूप में हुई है। सलमान महुआरूच्चापार क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। उसके खिलाफ जीआरपी में पांच मुकदमे दर्ज हैं, जबकि एक मामला सदर कोतवाली क्षेत्र में भी दर्ज बताया गया है। उन्होंने बताया कि वहीं दूसरे युवक किशन, सदर कोतवाली क्षेत्र के सुगर मिल इलाके का रहने वाला था। परिजनों के अनुसार वह शनिवार रात घर से गोरखपुर जाने की बात कहकर निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार को रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसकी पहचान की। दो मुकदामा जीआपीरपी देवरिया और दो सदर कोतवाली में दर्ज है। प्रारंभिक जांच में दोनों शव ट्रेन की चपेट में आने से कटे होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए हैं और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

बाइक सवार दम्पति को कार ने मारी टक्कर, युवक की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के थाना सिरसा कला क्षेत्र के मडैया में ससुराल से पत्नी के साथ बाईक पर सवार होकर आ रहा बाईक सवार युवक को बैंगानार गाड़ी ने जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे बाईक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि पत्नी पूरी तरह घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक थाना सिरसा कला गांव मड़ैया निवासी 25 वर्षीय कल्याण सिंह पुत्र चंद्र भान की शादी विगत 6 माह पूर्व बिधूना थाना क्षेत्र के गांव चंदय्या निवासी संजू की बेटी बबली के साथ विगत 30 नवम्बर 2025 को हुई थी। कल्याण सिंह अपनी पत्नी बबली के साथ बाइक से शनिवार को ससुराल बिधूना थाना क्षेत्र के गांव चंदय्या में भंडारा खाने गया था।रविवार दोपहर पत्नी के साथ बाइक से वापस आ रहा था, जैसे ही फफूंद अछल्दा मार्ग पर गांव अरुसी के पुरवा के सामने पहुंचा तभी फफूंद की तरफ से आरही बैंगनार गाड़ी ने जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार कल्याण सिंह की मौके पर मौत हो गई। जबकि पत्नी बबली गंभीर रूप से घायल हो गई। बैंगनार गाड़ी सवार गाड़ी मौके पर छोड़ कर भाग गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गेंहू की फसल खराब होने पर किसान ने की आत्महत्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले की कम्पिल थाना क्षेत्र स्थित भागीपुर उमराह गांव में गेंहू की फसल खराब होने से आहत एक किसान ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को परिजनों ने बताया कि पहले हुई बारिश से खेतों में पानी भरने से फसल बर्बाद होने से आहत होकर भागीपुर उमराव निवासी किसान दुर्वीन ने अपने खेत में गेहूं की फसल बोई थी। शनिवार को फसल सूखने के बाद जब थ्रेसिंग कराई तो गेहूं काला और सड़ा हुआ निकला। मेहनत बर्बाद होते देख दुर्वीन गहरे सदमे में आ गया। परेशान होकर उसने घर में मक्का की फसल में कीड़ों से बचाव के लिए रखी कीटनाशक दवा पी ली। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। लोहिया अस्पताल में चिकित्सकों ने दुर्वीन को मृत घोषित कर दिया। मृतक के दादा अतर सिंह ने बताया कि दुर्वीन की पत्नी पूजा और तीन बेटियां हैं। गेहूं खराब निकलने से वह बहुत परेशान था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। सीओ राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया शव पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है।

सड़क हादसे में पूर्व प्रधान की मौत, बेटी घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में कायमगंज-अलीगंज मार्ग पर रविवार की सुबह सड़क हादसे में पूर्व ग्राम प्रधान की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस वक्त हुआ जब पिता अपनी बेटी को बीएड प्रवेश परीक्षा दिलाने बाइक से फर्रुखाबाद जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पैथान निवासी पूर्व प्रधान प्रभात कुमार शाक्य (50) रविवार सुबह अपनी पुत्री निशा (25) के साथ बाइक से फर्रुखाबाद में बेटी को बीएड प्रवेश परीक्षा दिलाने एनएकेपी डिग्री कॉलेज जा रहे थे। कायमगंज बिजली घर के पास सामने पहुंचते ही बाइक सवार पिता पुत्री को तेज रफ्तार रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कायमगंज पहुंचाया। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल लोहिया रेफर कर दिया। 108 एंबुलेंस से ईएमटी सौरभ दोनों को जिला अस्पताल लोहिया ले गए, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अमन कुमार ने पिता प्रभात कुमार शाक्य को मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी गई। गंभीर रूप से घायल बेटी निशा को पहले जिला अस्पताल लोहिया में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी प्रेमलता समेत दो बेटे और दो बेटियां हैं जिसमें बड़ी बेटी रश्मि की शादी हो चुकी है।

बेकाबू कार की टक्कर से अधिवक्ता की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सीएवी इंटर कालेज के पास शनिवार देर रात बेकाबू कार की टक्कर से अधिवक्ता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि हादसे में वाराणसी जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र स्थित बसौना गांव निवासी धर्मेन्द्र यादव (39) की मौत हुई है।हादसे के संबंध में जानकारी देते हुए परिवार के लोगों ने बताया कि धर्मेन्द्र यादव चार भाई थे। वह एलएलबी की पढ़ाई करने के बाद हाईकोर्ट में वकालत करने लगे। परिवार के लोगों ने पच्चीस दिन पूर्व शादी भी कर दिया। वह अल्लापुर में कमरा लेकर रहते थे। शनिवार को वह वाराणसी कचहरी में किसी काम के लिए प्रयागराज जंक्शन पर मोटरसाइकिल खड़ी करके चले गए और वापस लौटते समय रात में जंक्शन से मोटरसाइकिल लेकर अल्लापुर कमरे पर जा रहे थे। लेकिन रास्ते में हादसे के शिकार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घटना की खबर परिवार को दी।

बुआ की हत्या कर लूटने वाला भतीजा गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना थाना क्षेत्र के सूरजपुर गांव में वृद्ध महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज पांच दिन के भीतर खुलासा करते हुए मृतका के भतीजे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतका के कुंडल-पायल, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि 27 मई को सूरजपुर गांव स्थित एक बंद मकान में 65 वर्षीय संतोष कुमारी का शव बरामद हुआ था। सूचना मिलते ही थाना बिधूना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतका के पुत्र जैनेन्द्र कुमार पुत्र ओमप्रकाश सिंह निवासी सूरजपुर की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों पर नजर रखी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कमलपुर नहर पटरी से टीटू उर्फ आशीष पुत्र स्वर्गीय रामकरन द्विवेदी निवासी सूरजपुर, हाल निवासी विकास नगर गुरुदेव, थाना नवाबगंज, कानपुर नगर को गिरफ्तार कर लिया। बताया कि संतोष कुमारी उसके मोहल्ले की बुआ थीं और गांव में अकेले रहती थीं। उनका पुत्र अपने परिवार के साथ मध्य प्रदेश के विदिशा में निवास करता है। आरोपी के अनुसार 25 मई को वह संतोष कुमारी के घर गया था। बातचीत के दौरान मृतका ने उसकी मां के चरित्र को लेकर कथित रूप से आपत्ति जनक टिप्पणी कर दी और उसे थप्पड़ मार था। इससे आहत हो आरोपी ने उसी रात करीब 11:30 बजे उसने कुर्सी पर बैठी संतोष कुमारी की गर्दन पर चाकू से ताब-ड़तोड़ पांच-छह वार कर उनकी हत्या कर मृतका का मोबाइल फोन बाथरूम में फेंक कर उनके कानों से कुंडल और पैरों से पायल उतार ली। प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान, सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक समित चौधरी, स्वाट प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार, उपनिरीक्षक यतेन्द्र कुमार तथा हेड कांस्टेबल दीपेन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

होटल कारोबारी के बेटे की गोली मारकर हत्या

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। गाजीपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में रविवार रात होटल बिंदु के बाहर कारोबारी आलोक राय के बड़े बेटे विनीत राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने पहले बियर खरीदने का बहाना बनाया और फिर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर विनीत राय को निशाना बनाया। वारदात की शैली से प्रतीत होता है कि हमलावर पूरी तैयारी और योजना के साथ आए थे। विनीत राय एमएससी और डी-फार्मा की पढ़ाई पूरी करने के बाद होटल व्यवसाय से जुड़ गए थे और होटल के नवीनीकरण का काम देख रहे थे। शादी पिछले साल 18 मई को हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, उनके शरीर में पांच गोलियां लगी थीं- सीने में एक, कंधे पर दो और पीठ व पेट में दो गोलियां। बदमाश होटल गेट पर पहुंचे और गार्ड से बियर मांगने का बहाना बनाया गार्ड ने भुगतान की बात कही, जिसके बाद हमलावरों ने ऑनलाइन भुगतान की बात कहकर सारा नक्शा अंजाम दिया। होटल संचालक आलोक राय ने बताया कि वर्ष 2024 में उनसे रंगदारी मांगी गई थी। रकम नहीं देने पर होटल पर हमला हुआ और शीशे तथा अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में उन्होंने डीजीपी, मुख्यमंत्री, एडीजी और एसपी समेत कई अधिकारियों को शिकायत दी थी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी पर सवार तीन घायल

स्वतंत्र भारत, गोसाईगंज। गोसाईगंज कोतवाली इलाके के दुलारमऊ गांव के पास किसान पथ पर एक ट्रक ने स्कूटी पर सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। तीनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार के घायलों को इलाज के लिए ट्रामा 2 के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार तीन लोग एक स्कूटी पर सवार होकर बाराबंकी से लखनऊ की ओर जा रहे थे। वे लोग दुलार मऊ गांव के पास पहुंचे तभी एक ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक ड्राइव करते हुए बह से गुजर रही स्कूटी में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार बाराबंकी के थाना कोठी के गांव नकटा सहारिया निवासी तीन व्यक्ति अमन, प्रेम और ऋषि गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों का सीएचसी गोसाईगंज प्राथमिक उपचार के बाद इलाज हेतु भिजवाया गया जहां से तीनों घायल व्यक्तियों को पीजीआई अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इस घटना में मौके पर मिले ट्रक चालक और उसके हेल्पर को पुलिस से हिरासत में ले लिया है।

डिलीवरी बॉय पर मारपीट का आरोप

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र में एक युवती ने जोमैटो डिलीवरी बॉय और उसके साथियों पर घर के बाहर आकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक हरदोई जिले की रहने वाली अंजली कन्नौजिया गोमतीनगर के विकल्पखंड स्थित मकान में परिवार के साथ रह रही हैं। अंजली के मुताबिक 30 मई की सुबह करीब 8:30 बजे वह अपने पिता मनोज कुमार के साथ घर के बाहर खड़ी थीं। इसी दौरान कुछ युवक, जो जोमैटो में काम करते हैं, वहां खड़े होकर नशा कर रहे थे। पिता ने इसका विरोध किया तो युवकों ने गाली-गलौज और हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि एक युवक सूरज, जो यूपी-32 जेसी-1871 नंबर की बाइक से ऑर्डर डिलीवरी करने आया था, वहां से चला गया और करीब 15 से 20 मिनट बाद 15-20 साथियों के साथ वापस पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने अंजली के पिता मनोज कुमार और मां रेनू के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची अंजली भी हमले की चपेट में आ गई। मारपीट में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और सिर फट गया। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने चिनहट थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूड़े के ढेर पर पड़ा मिला 40 वर्षीय व्यक्ति का शव

स्वतंत्र भारत, गोसाईगंज। थाना सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में रविवार की सुबह किसान पथ के नीचे लखनऊ सुल्तानपुर मार्ग पर एक व्यक्ति का शव कूड़े के ढेर पर पड़ा पाया गया। मामले की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग करते हुए शव की शिनाख्त कराई उसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर प्रचार के बाद शव की शिनाख्त ग्राम लालपुर थाना हैदरगढ़ जिला बाराबंकी निवासी विनय मिश्रा (40) के रूप में हुई। इस मामले में मृतक के भाई विकास मिश्रा ने बताया कि वह नशे का आदी था।पिछले काफी दिनों से घर पर ही रह रहा था लेकिन दो दिन पूर्व शुक्रवार को डाला चलाने की बात कहकर वह घर से चला गया था उसके बाद घर वापस नही लौटा। विनय मिश्रा के अनुसार उसने रविवार को हैदरगढ़ कोतवाली पहुंच कर भाई की गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराने पहुंचा पहुंचा था। विनय मिश्रा ने सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस द्वारा फोटो दिखाई गई तो उसने भाई विकास मिश्रा ने शव की पहचान विनय मिश्रा के रूप में की। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका भाई नशे का आदि था। इस मामले में पुलिस ने शव के पास से सीरिंज व कुछ नशीली दवा भी बरामद की है। इंस्पेक्टर सुशान्त गोल्फ सिटी डीके उपाध्याय की ओर से मामले की जांच किए जाने की बात कही गई। इंस्पेक्टर के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी से विवाद कर पति ने लगाई फांसी

स्वतंत्र भातर संवाददाता लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान प्रदीप कुमार (30) पुत्र गिरधारी लाल निवासी छठा मील के रूप में हुई है। वह हजरतगंज स्थित एक पैथोलॉजी में काम करता था। परिवार में पत्नी रितु और एक बेटा है। परिजनों के मुताबिक, प्रदीप और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसने घर में ही दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। काफी देर तक कमरे से बाहर न आने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के भाई सरोज कुमार ने बताया कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद प्रदीप ने यह कदम उठाया। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुत्ते की हत्या करने वाला गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर गांव में एक कुत्ते को पीट-पीटकर मार डालने और उसके शव को नहर में फेंकने का मामले में पशु संरक्षण का कार्य करने वाली संस्था ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस घटना को लेकर पशु संरक्षण संस्थाओं की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला तब सामने आया जब कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में एक युवक लोहे की रॉड से कुत्ते को बेरहमी से पीटता और बाद में उसके शव को टांग पकड़कर घसीटते हुए ले जाता दिखाई दे रहा था। ग्रामीणों ने वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान नटकुर गांव निवासी रमन गौतम के रूप में की। ग्रामीणों के अनुसार, मंगलवार सुबह रमन गौतम अपने खेत से एक मोर का बच्चा लाया था, जिसे उक्त कुत्ते ने मार डाला था। इसी बात से नाराज होकर रमन ने देर शाम गांव की एक गली में बैठी मादा कुत्ते पर लोहे की रॉड से कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद उसने शव को घसीटते हुए नहर में फेंक दिया था।

युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने उतरौला-बस्ती मार्ग किया जाम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद बलरामपुर जिले के गैण्डास बुजुर्ग थाना के अहिरौला गांव में मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं मृतक के आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने उतरौला-बस्ती मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। परिजन आर्थिक सहायता के साथ ही परिवार की सुरक्षा देने और एक सदस्य को नौकरी की मांग करने लगे।सूचना मिलते ही सीओ राघवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम उतरौला समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा-बुझाकर परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बीते 26/27 मई की रात अहिरौला गांव में घूमने को लेकर विवाद के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे जिसमें एक पक्ष के धनराज मौर्य, मीना देवी, हीरालाल मौर्य, सोहनलाल मौर्य और आकाश मौर्य भी मारपीट में घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल धनराज मौर्य को उपचार के लिए लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। धनराज के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनका ऑपरेशन किया गया था लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और 30 मई को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मारपीट के बाद पांच लोगों को पकड़ लिया गया था ,रविवार को फरार चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। **राघवेंद्र प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी उतरौला**

श्रद्धांजलि सभा को यूपीपीसीएल प्रबंधन समझ बैठा आंदोलन

बिजली निजीकरण के विरोध में आंदोलन की रणनीति बनाने की तैयारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) में इन दिनों एक ऐसा घटनाक्रम चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसने केवल कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता, श्रमिक अधिकारों और मानवीय मूल्यों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि मृत साथियों की स्मृति में आयोजित की जाने वाली एक श्रद्धांजलि सभा को लेकर प्रबंधन ने ऐसे निर्देश जारी कर दिए, जैसे प्रदेशभर में कोई बड़ा आंदोलन, कार्य बहिष्कार या टकराव होने वाला हो?पूरे विवाद की शुरुआत उत्तर प्रदेश के ठेका एवं संविदा कर्मचारियों की यूनियन द्वारा जारी पत्र संख्या-30/26 29 मई 2026 से हुई। इस पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि 1 जून को प्रदेशभर में दिवंगत साथियों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। पत्र में कहीं भी धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, सत्याग्रह अथवा कार्य बहिष्कार जैसी किसी गतिविधि का उल्लेख नहीं था। इसके बावजूद अगले ही दिन, 30 मई को यूपीपीसीएल के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) डॉ. जीन मधाई द्वारा पत्र संख्या-1449-औ0सं0/2026-02 जारी कर सभी प्रबंध निदेशकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दे दिए गए।निर्देशों में कहा गया कि किसी भी परिस्थिति में विद्युत आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए, सभी विद्युत प्रतिष्ठानों और कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, आवश्यकता पड़ने पर पुलिस-प्रशासन का सहयोग लिया जाए तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को सभा में भाग लेने अथवा अवकाश लेने की अनुमति न दी जाए। यही वह बिंदु है, जहां से कर्मचारियों के बीच असंतोष और प्रश्नों का दौर शुरू हो गया। इस आदेश पर कर्मचारी संगठनों का कहना है कि जब उन्होंने किसी आंदोलन की घोषणा ही नहीं की, तब इतनी कठोर प्रशासनिक तैयारी की आवश्यकता आखिर क्यों महसूस हुई? क्या श्रद्धांजलि सभा को भी अब संभावित विरोध प्रदर्शन की श्रेणी में रखा जाने लगा है? यदि कोई कर्मचारी अपने दिवंगत साथियों को याद करना चाहता है, तो क्या उसे भी प्रशासनिक संदेह की दृष्टि से देखा जाएगा?प्रबंधन ने अपने पत्र में वर्ष 2025 की शासन अधिसूचना संख्या-3/205/24-पी-2-2025 का हवाला देते हुए कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र में छह माह तक हड़ताल निषेद्ध है और किसी भी प्रकार का सत्याग्रह, विरोध प्रदर्शन अथवा कार्य बहिष्कार गैर-कानूनी होगा। लेकिन कर्मचारियों का तर्क है कि जब कार्यक्रम श्रद्धांजलि सभा का था, तब हड़ताल निषेध अधिसूचना का उल्लेख क्यों किया गया? क्या श्रद्धांजलि सभा और आंदोलन में अंतर करना भी अब आवश्यक नहीं समझा जा रहा?यूनियन का कहना है कि वे केवल उन साथियों को श्रद्धासुमन अर्पित करना चाहते हैं जिन्होंने विद्युत व्यवस्था को सुचारु रखने के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। उनका प्रश्न है कि क्या अपने मृत साथियों को याद करना, उनके सम्मान में मौन रखना और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करना भी अब अपराध की श्रेणी में आ गया है? क्या संविदाकर्मियों के लिए शोक व्यक्त करने का अधिकार भी सीमित किया जा सकता है?यह विवाद केवल श्रद्धांजलि सभा तक सीमित नहीं है। कर्मचारी संगठन लंबे समय से स्टाफ की कमी, कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। उनका आरोप है कि 15 मई 2017 के आदेश की भावना के विपरीत आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या में कटौती की गई, जिसके परिणामस्वरूप अनेक स्थानों पर 11 केवी फीडरों पर पूरा गैंग तैनात करने के बजाय एक ही कर्मचारी के भरोसे कार्य कराया जा रहा है।

ट्रेड यूनियनों का राष्ट्रीय सम्मेलन 29 जुलाई को

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा तथा 10 अखिल भारतीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर किसानों एवं मजदूरों-कर्मचारियों का एक विशाल राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 29 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।संघर्ष समिति ने बताया कि सम्मेलन में देश के सामने खड़े अनेक महत्वपूर्ण जनविरोधी मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। इनमें सबसे प्रमुख विषय केंद्र सरकार द्वारा बिजली क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया जा रहा इलेक्ट्रिसिटी (संशोधन) विधेयक-2025, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में चल रही बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण की प्रक्रिया, श्रमिक हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली चार श्रम संहिताएं (लेबर कोड्स) तथा प्रस्तावित बीज विधेयक शामिल हैं। सम्मेलन में इन मुद्दों के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष एवं आंदोलन की रूपरेखा पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पूर्व 12 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा एवं 10 राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल आयोजित की गई थी, लेकिन हड़ताल के बाद भी सरकारों की नीतियों में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई नहीं दिया है। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश सहित हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक जैसे राज्यों में बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया और अधिक तेज कर दी गई है, जिससे देशभर के बिजली कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है।संघर्ष समिति ने कहा कि यदि 29 जुलाई के राष्ट्रीय सम्मेलन में बिजली के निजीकरण, श्रम विरोधी नीतियों एवं किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ किसी राष्ट्रव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया जाता है, तो देश के बिजली कर्मचारी उसका पूर्ण समर्थन करेंगे और संघर्ष में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करेंगे केशव प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र भारत लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार वह नौसेना शौर्य वाटिका के लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे तथा बाद में इंदिरा नगर स्थित महर्षि मधुसूदन स्वामी के आश्रम भी जाएंगे।कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री सुबह 10ः45 बजे अपने सरकारी आवास 7, कालिदास मार्ग से प्रस्थान करेंगे और 11ः00 बजे सीजी सिटी स्थित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम के प्रवेश द्वार संख्या-5 के निकट पहुंचेंगे। यहां वह नौसेना शौर्य वाटिका के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना के शौर्य, पराक्रम और राष्ट्र सेवा की गौरवशाली परंपरा को समर्पित है।लोकार्पण कार्यक्रम के उपरांत उप मुख्यमंत्री दोपहर 12ः30 बजे कार्यक्रम स्थल से रवाना होकर 12ः50 बजे इंदिरा नगर स्थित 'अध्यात्म' परिसर पहुंचेंगे। यहां वह महर्षि मधुसूदन स्वामी के आश्रम में दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करेंगे तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में सहभागिता करेंगे।इसके बाद दोपहर 1ः10 बजे आश्रम से प्रस्थान कर 1ः25 बजे पुनः अपने सरकारी आवास 7, कालिदास मार्ग पहुंचेंगे।उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग को आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त लखनऊ को कार्यक्रम स्थलों पर मानक के अनुरूप सुरक्षा प्रबंध करने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कार्यक्रम के दौरान एम्बुलेंस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि खाद्य सामग्री की आपूर्ति से पूर्व उसके परीक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार और मीडिया कवरेज के लिए जिला सूचना अधिकारी को भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा से संरक्षित हैं, जिसके मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों को विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

केंद्र सरकार के फैसले का रालोद ने किया स्वागत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने प्रस्तावित गन्ना नियंत्रण आदेश 2026 के मसौदे को केंद्र सरकार द्वारा वापस लेने के निर्णय को स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री चौधरी जयंत सिंह और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निरंतर प्रयासों और किसानों के हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है कि केंद्र सरकार ने प्रस्तावित गन्ना नियंत्रण आदेश-2026 के मसौदे को वापस लेने का निर्णय लिया है।उन्होंने कहा कि चौधरी जयंत सिंह तथा मुख्यमंत्री लगातार इस मसौदे को वापस लेने की मांग कर रहे थे। किसानों, गुड़ एवं खांडसारी उद्योग से जुड़े लोगों तथा अन्य हितधारकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। यह संवाद आधारित नीति निर्माण और किसानों की भावनाओं के सम्मान का परिचायक है। उन्होंने कहा कि किसान, गुड़ उत्पादक, खांडसारी उद्योग तथा क्रशर संचालकों से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करते हुए सरकार ने पुनर्विचार का निर्णय लिया है। इससे गन्ना किसानों, गुड़ निर्माताओं, खांडसारी उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सकारात्मक लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के हितों एवं उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार ने प्रस्तावित गन्ना नियंत्रण आदेश-2026 के मसौदे को वापस लेने का जो निर्णय लिया है, उससे किसानों को राहत मिलेगी तथा उनके आर्थिक हित सुरक्षित रहेंगे।दुबे ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद योजना के अंतर्गत कई जिलों को गुड़ उत्पादन के लिए चिन्हित किया गया है। इसके अतिरिक्त हाल ही में प्रारंभ की गई एक जनपद एक व्यंजन योजना के तहत गुड़, गुड़ आधारित मिठाइयों तथा ज्वार से बने उत्पादों को विभिन्न जिलों में जिला विशिष्ट उत्पाद एवं व्यंजन के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से किसानों को अपने उत्पादों के बेहतर मूल्य प्राप्त होंगे।

लूट-झूठ भाजपा की पहचान : अखिलेश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जो जितना बेईमान, वो बैठा है उतनी ऊंची मचान। उन्होंने कहा कि भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस बात को स्वीकार करके भाजपा के विधायक ने भ्रष्ट भाजपाई राजनीति का एनकाउंटर कर दिया है, साथ ही उसके ऊपर बुलडोज़र भी चलवा दिया है। देखते हैं अब इन भाजपाई विधायक को पार्टी से निकाला जाता है या भाजपा द्वारा अगला मुख्यमंत्री घोषित किया जाता है। इस बार जनता भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी। भाजपा हारेगी और फिर कभी नहीं आएगी।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, बेइमानी और झूठ चरम पर है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गयी है। हर स्तर पर कमीशनखोरी के चलते हर स्तर पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। थाने, तहसील भ्रष्टाचार के अड्डे बन गये है। भाजपाई जमीनों पर कब्जे और लूट कर रहे हैं। भाजपा भूमाफिया बन गयी है। भूमाफियाओं, खनन माफियाओं को संरक्षण दे रही है। भाजपा के भूमाफियाओं ने अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों को भी नहीं छोड़ा। अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मथुरा आदि जनपदों में बड़े पैमाने पर जमीनों पर कब्जा कर लिया है। भाजपा के भ्रष्टाचार और बेइमानी से प्रदेश की जनता ऊब चुकी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को हमेशा के लिए सत्ता से बाहर कर इस सरकार के भ्रष्टाचार और बेईमानी का अंत कर देगी।

सपा ने सादगी से मनाई वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

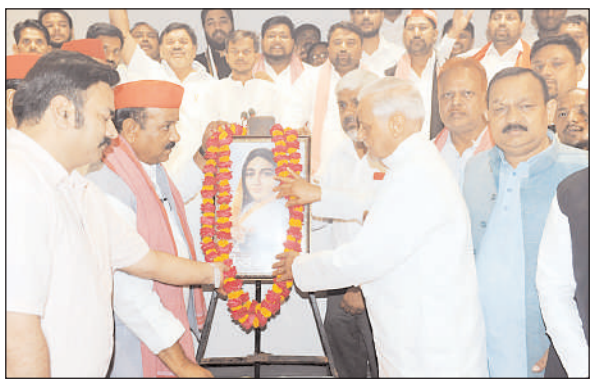

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती रविवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सादगी से मनाई गई। लोकमाता के चित्र पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर नमन किया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अहिल्याबाई जयंती पर लोकमाता की स्मृति को नमन किया है। उनका मानना है कि 18वीं सदी में अपने कुशल शासन, धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और महिला सशक्तिकरण के लिए भारतीय इतिहास में अमर रहेगा। कार्यक्रम में सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, प्रो.बी.पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा, कृष्ण कन्हैया पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभा, अम्ब्रीश पुष्कर पूर्व विधायक, सीएल वर्मा उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी, जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा मणेन्द्र मिश्रा, ऊषा सेन ब्लाक प्रमुख, अमरजीत महाराजगंज, मटरू राम सरोज, राधेश्याम यादव, विजय सिंह दिनेश सिंह, राम सागर यादव, जेपी सिंह सेंगर, त्रिवेणी पाल, इं.संदीप यादव, शैलेन्द्र यादव, अर्चना रावत, वीरेन्द्र यादव, आयुष यादव, पवन यादव, जितेन्द्र यादव, श्यामेन्द्र कुमार मिश्र, जानकी पाल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुल्तानपुर, सौरभ यादव, शैलेन्द्र पाल, विपिन पाल, नीरज पाल, मोहित पाल, मनोज यादव, दुर्गेश यादव सोनू, प्रो. आस्था सिंह पटेल, राम प्रकाश सरोज, कैलाश पाल, चन्द्रिका पाल, गोविन्द पाल, प्रमोद पाल, मयंक भीमराज, विनोद सिंह यादव, संजय यादव, वेदांत भारद्वाज, शशिकान्त गाजीपुर, जग नारायण यादव सुल्तानपुर, राजकरन सुल्तानपुर, इरफान अहमद, जयपाल यादव, अमरजीत, शब्बीर, अनुपम सिंह पाल, राजू यादव, प्रेम सिंह, अशोक यादव, पहलवान सोबरन पाल, मोहित पाल टीटू, समर्थ मिश्रा, अनुज प्रताप, गिरधारी लाल लोधी, राकेश यादव, शिवम पटेल, प्रवेश यादव, राम सेवक पाल, सत्येन्द्र रावत, अंकित लोधी, शिव कुमार टाईगर, देवेन्द्र भीमराज आदि शामिल रहे।

नशे के विरुद्ध निकाली जागरूकता रैली

स्वतंत्र भारत लखनऊ। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, 27 अशोक मार्ग से होकर महात्मा गांधी प्रतिमा, हजरतगंज तक हुआ। इस अवसर पर दिशा नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र, जानकीपुरम के निदेशक कुमार दीपक ने युवाओं से तंबाकू, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का आह्वान किया। रैली में प्रतिभागियों ने ÷नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो÷, ÷तंबाकू मुक्त भारत, स्वस्थ भारत÷ और ÷से नो टू ड्रग्स÷ जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का माध्यम : भारत सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । लखनऊ। नारद जयंती और हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया' विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महापुरुष स्मृति समिति और मीडिया को-ऑप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम पार्क रोड, हजरतगंज स्थित सेंटर कोर्ट बिल्डिंग परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि नारद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक भारत सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में पत्रकारिता की भूमिका और सोशल मीडिया की चुनौतियों पर गहन चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में पत्रकारिता सिर्फ खबर देने तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह समाज को सही दिशा देने का माध्यम बन गई है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया सूचना को तुरंत पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है, लेकिन इसके साथ ही गलत सूचनाओं की पहचान की चुनौती भी बढ़ गई है। हमें नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता को आगे बढ़ाना होगा। 'हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा गौरवशाली रही है। नई पीढ़ी को इस विरासत को संभालते हुए सोशल मीडिया को सकारात्मक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है।कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों, सोशल मीडिया के प्रभाव, फेक न्यूज की चुनौती और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विनय तिवारी, बृजनंदन राजू, डॉ. सतेंद्र त्रिपाठी, संतोष कुमार सिंह, शम्भू शरण वर्मा, भास्कर सिंह, एडवोकेट अनुरक्त सिंह, अमर बहादुर, ज्योतिषाचार्य अभिषेक सिंह, अजय शर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा, सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गौशाला के गौ वंशों की बिगड़ रही सेहत

स्वतन्त्र भारत, गोसाईगंज। गौशाला में रहने वाले गौ वंशों के खाने के लिए भूसा, हरा चारा और पोषाहार की पूरी व्यवस्था है। किसी पशु, को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है। यह बात विकास खंड गोसाईगंज की ग्राम पंचायत बसरहिया की गौशाला में रहने वाले गौ वंशो की देख भाल करने वाले राम नाथ द्वारा कही गई। राम नाथ के अनुसार उस गौ शाला के अंदर छोटे बड़े कुल 65 गौ वंश रहते हैं। सभी की देखभाल वही करता है। गौ शाला की देख भाल करने वाले के अनुसार वहां पर्याप्त मात्रा में भूसा मौजूद है। हरा चारा भी है।बाजार से पशु आहार भी मंगाया जाता है। डॉक्टर पुष्पेंद्र यादव प्रतिदिन वहां पहुंच कर स्वास्थ्य परीक्षण करते है। गौशाला रखवाले की ओर 27 मई 2026 जो रजिस्टर दिखाया गया उसमें 25 मई 2026 तक ही डॉक्टर के हस्ताक्षर पाए गए। रजिस्टर की को देखते हुए कोई भी कह सकता है कि डॉक्टर प्रतिदिन अस्पताल नहीं जाते हैं। वे जब भी वहां (गौशाला) पहुंचते होगे उसी दिन एक साथ थोक में हस्ताक्षर बना देते होगे। इस गौ शाला में आधे पशुओं के कानों में टैग नहीं लगे है।
गौ वंशों के कान में टैग नहीं होने के सवाल पर पशु चिकित्सक ने मोबाइल फोन पर गिर जाने की बात कही तो दुर्बल होने की वजह अधिक गर्मी होना बताया गया। यही बात महिला ग्राम प्रधान सरोज के पति शंकर दीन द्वारा भी कही गई।

वीरांगना अहिल्या बाई को किया गया नमन

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती पर कांग्रेस का कार्यक्रम, अजय राय ने सरकार पर साधा निशाना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती रविवार को प्रदेश भर में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटियों द्वारा मनाई गई। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरू भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने की। कार्यक्रम का संयोजन सुभाष पाल तथा संचालन प्रतिभा अटल पाल ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अजय राय सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में अजय राय ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने समाज सेवा, धर्म और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों, मंदिरों, विद्यालयों, बावड़ियों और जनसुविधाओं के निर्माण एवं संरक्षण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान अजय राय ने प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा तथा विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने महोबा की एक पीड़ित बच्ची के मामले का उल्लेख करते हुए सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट स्थित अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को लेकर भी अजय राय ने सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिमा को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है तो सरकार संबंधित तस्वीरें सार्वजनिक करे। कार्यक्रम में सुभाष पाल, श्रीकांत पाल, सुरेंद्र यादव, शिल्पी यादव सहित कई वक्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, सामाजिक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कानपुर से आई एक महिला ने अपने लापता पति के मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न किए जाने की शिकायत भी रखी। कांग्रेस नेताओं ने पीड़ित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। अंत में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश में पीड़ितों और वंचितों की आवाज उठाती रहेगी तथा न्याय की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी।

निर्माण कार्य के चलते 19 ट्रेनों का रूट डायवर्जन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण कार्य के चलते 31 और 1 जून को छह-छह

-स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण के चलते ७४ गाड़ियां प्रभावित

- ५५ के प्लेटफॉर्म बदले

घंटे का ट्रैफिक पावर ब्लॉक लिया गया है। इस दौरान कुल 74 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इनमें 19 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है, जो अब चारबाग रेलवे जंक्शन नहीं आएंगी, जबकि 55 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में बदलाव किया गया है। बता दें कि 29 मई को प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर टिन शेड गिरने की घटना के बाद रेलवे ने एहतियातन यह कदम उठाया है। सुबह 11 से शाम 5 बजे तक नहीं आ सकेगी कोई ट्रेन

31 मई और 1 जून को चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 5 पर सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक कोई ट्रेन नहीं आ सकेगी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर 23 जून तक पूरी तरह ट्रेनों का संचालन बंद रहेगा, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर प्रतिदिन 6 घंटे का आंशिक ब्लॉक रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की लाइव स्थिति और सही प्लेटफॉर्म की जानकारी अवश्य जांच लें। यह जानकारी रेलवे की वेबसाइट, ह्ळ्रश्वस् ऐप और हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से ली की जा सकती है।

ये ट्रेनें 31 को चारबाग नहीं आएंगी वैकल्पिक स्टेशनों पर ट्रेनें 5 से 10 मिनट रुकेंगी

14242 सहारनपुर - प्रयागराज संगम 31 मई आलमनगर और उतरेटिया होकर चली।

13258 आनंद विहार - दानापुर 1 जून आलमनगर और उतरेटिया होकर जाएगी।

15074 टनकपुर - सिंगरोली त्रिवेणी 1 जून आलमनगर-ट्रांसपोर्ट नगर-उतरेटिया रूट।

15076 टनकपुर - शक्तिनगर त्रिवेणी 31 मई आलमनगर-ट्रांसपोर्ट नगर-उतरेटिया रूट।

14241 प्रयागराज संगम - सहारनपुर 1 जून उतरेटिया और आलमनगर के रास्ते।

15073 सिंगरोली - टनकपुर उतरेटिया और आलमनगर के रास्ते।

15075 शक्तिनगर - टनकपुर उतरेटिया-ट्रांसपोर्ट नगर-आलमनगर रूट।

15119 बनारस - देहरादून 1 जून उतरेटिया और आलमनगर रूट।

14229 प्रयागराज संगम - ऋषिकेश उतरेटिया और आलमनगर होकर।

13037 हावड़ा - दिल्ली उतरेटिया और आलमनगर होकर।

12571 गोरखपुर - आनंद विहार हमसफर चारबाग नहीं जाएगी। बादशाहनगर और ऐशबाग में रुकेगी।

19410 गोरखपुर - साबरमती एक्सप्रेस 1 जून चारबाग नहीं जाएगी। बादशाहनगर और ऐशबाग में रुकेगी।

12555 गोरखपुर - बठिंडा गोरखधाम 1 जून चारबाग नहीं जाएगी। बादशाहनगर और ऐशबाग में रुकेगी।

15025 मऊ - आनंद विहार एक्सप्रेस 31 मइ चारबाग नहीं जाएगी। बादशाहनगर और ऐशबाग में रुकेगी।

22412 आनंद विहार - नाहरलगुन चारबाग नहीं जाएगी।ऐशबाग और बादशाहनगर में रुकेगी।

19409 साबरमती - गोरखपुर एक्सप्रेस चारबाग नहीं जाएगी। ऐशबाग और बादशाहनगर में रुकेगी।

12876 आनंद विहार - पुरी नीलांचल कानपुर-उन्नाव-रायबरेली होकर डायवर्ट।

15909 डिब्रूगढ़ - लालगढ़ अवध असम बुढ़वल-सीतापुर-शाहजहाँपुर रूट से जाएगी। लखनऊ, बाराबंकी, बालामऊ, हरदोई नहीं जाएगी।

12203 सहरसा - अमृतसर गरीब रथ 31 मइ बुढ़वल-सीतापुर-शाहजहाँपुर रूट से जाएगी। लखनऊ और हरदोई नहीं जाएगी।

प्लेटफॉर्म-चार से शिफ्ट ट्रेनें आज यहां आएंगी

13019 हावड़ा - काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस (समय 00:20) प्लेटफॉर्म 7

12357 कोलकाता - अमृतसर दुर्गियाना (समय 02:30) प्लेटफॉर्म 7

20505 डिब्रूगढ़ - नई दिल्ली राजधानी (समय 05:45) प्लेटफॉर्म 6

14003 मालदा टाउन - नई दिल्ली एक्सप्रेस (समय 06:05) प्लेटफॉर्म 6 15734 अमृतसर - बालुरघाट फरक्का एक्सप्रेस (समय 08:15) प्लेटफॉर्म 6, 64204 कानपुर - लखनऊ मेमू (समय 09:20) प्लेटफॉर्म 3

बूथ कमेटी की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। उत्तर मंडल पांच, भाजपा, महानगर, लखनऊ के 107 बूथ कमेटी की बैठक अलग-अलग जगहों पर सम्पन्न हुई। मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी द्वारा हर बूथ पर एक शक्तिकेंद्र संयोजक और एक मंडल प्रभारी को लगाया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के 12 साल के विकास कार्यों पर भी चर्चा हुई। आईईटी बूथ के शक्ति केंद्र संयोजक ओपी तिवारी ने प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की जिसमें मुख्य रूप से जनधन योजना, घर-घर शौचालय, उज्जवला योजना, घर-घर नल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन वितरण योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, महिला सशक्तिकरण शामिल हैं। मंडल पदाधिकारी विशाल रावत ने भी इस पर अपने विचार रखे। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा धारा 370 को खत्म करना एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने बताया कि सड़क, रेल, डिजिटल भुगतान आदि कई बड़े-बड़े कार्य प्रधानमंत्री द्वारा विगत 12 सालों में किए गए। 107 बूथों पर सभी पदाकिारियों द्वारा बूथ अध्यक्षों द्वारा बूथ कमेटी गठित करने व पन्ना प्रमुख बनाने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर मंडल महामंत्री सीके वर्मा, बूथ अध्यक्ष जगदीश लोधी, नागेन्द्र, राम पाल वर्मा, हरीश वर्मा व कमेटी के कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बंथरा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत रविवार को बंथरा पुलिस द्वारा कटी बगिया स्थित टेंपो स्टैंड के पास जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं, बालिकाओं एवं आम नागरिकों को सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान उपनिरीक्षक रमेश चंद्र, उपनिरीक्षक सीमा सिंह, महिला कांस्टेबल आरती त्रिपाठी, महिला पीआरडी कर्मी सुशीला तथा एंटी रोमियो टीम के अन्य सदस्यों ने उपस्थित महिलाओं, बच्चियों और पुरुषों को मिशन शक्ति अभियान की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181, 1076, 1098 तथा साइबर अपराध शिकायत हेतु 1930 नंबर की उपयोगिता बताई। अभियान के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर गुड टच और बैड टच के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही यूपी कॉप ऐप, महिला हेल्प डेस्क, महिला सुरक्षा केंद्र एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

रेलयात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) प्रवीण पाण्डेय ने रविवार को लखनऊ एवं आलमनगर रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। प्लेटफॉर्म शेड हादसे में घायल हुए टिकट परीक्षक भूपेन्द्र सिंह से मिलकर हाल जाना। प्रमुख मुख्य सरक्षा अधिकारी पंकज सिंह के साथ लखनऊ स्टेशन पर कॉनकोर्स परियोजना का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की प्रगति, संरक्षा मानकों के अनुपालन तथा यात्रियों की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रबंधों की समीक्षा की। आलमनगर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि एवं अधिक ट्रेनों के ठहराव की संभावनाओं पर भी चचर्चा की।

सिंचाई विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं : स्वतंत्र देव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से रविवार को सिंचाई विभाग मुख्यालय में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश में संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 रविवार को प्रदेश के 72 जिलों के 1011 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं

- पारदर्शी, तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली का सफल उदाहरण
- 72 जिलों के 1011 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई परीक्षा

शुचितापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी को सौंपी गई थी। परीक्षा में पंजीकृत 4,44,958 अभ्यर्थियों में से लगभग 90 प्रतिशत अभ्यर्थी दोनों पालियों में शामिल हुए।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश में पारदर्शी, नकलविहीन और तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली का मॉडल बनकर उभरा है। प्रदेश के 72 जिलों में स्थापित 1011 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 पूरी शुचिता, पारदर्शिता और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि परीक्षा में कुल 4,44,958 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 2,72,659 महिला, 1,72,297 पुरुष तथा 2 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। प्रथम पाली में सामान्य ज्ञान एवं भाषा विषय की परीक्षा तथा द्वितीय पाली में अभिरुचि परीक्षण एवं विषय योग्यता की परीक्षा आयोजित की गई। दोनों पालियों में लगभग 90 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। कासगंज और पीलीभीत में सर्वाधिक 95 प्रतिशत तथा गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में 84 प्रतिशत उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निगरानी के लिए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया, जहां से प्रदेश के सभी 1011 परीक्षा केन्द्रों की लाइव मॉनिटरिंग की गई। इसके लिए लगभग 22 हजार सीसीटीवी कैमरे और 5651 बायोमैट्रिक मशीनें लगाई गई थीं। परीक्षा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक, फिंगर प्रिंट आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन और रियल टाइम अटेंडेंस सिस्टम का उपयोग किया गया, जिससे केवल वास्तविक अभ्यर्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। आधुनिक एआई सिस्टम के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों के स्ट्रांग रूम, प्रवेश एवं निकास द्वारों तथा परीक्षा कक्षों की लगातार निगरानी की गई। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अनाधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति पर तत्काल कंट्रोल रूम को अलर्ट प्राप्त हुआ और संबंधित केन्द्र से तुरंत संपर्क स्थापित कर स्थिति का सत्यापन किया गया। गोपनीय सामग्री के बॉक्स खोले जाने की सूचना भी सीधे कंट्रोल रूम में प्राप्त होती रही। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहली बार परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को जीपीएस आधारित बॉडी बॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए। इन कैमरों के माध्यम से प्रतिनिधियों की लाइव लोकेशन, परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण तथा गोपनीय सामग्री से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी कंट्रोल रूम से की गई। 29 और 30 मई को आयोजित बैठकों का भी सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय स्तर पर देखा गया।

सभी ने प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना और उससे प्रेरणा ली

मंडल अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान का किया स्वागत

स्वतंत्र भारत लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण का आज उत्तर मंडल-5 के 107 बूथों पर मण्डल अध्यक्ष संजय तिवारी की अध्यक्षता में सुना गया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सभी को भीषण गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी तथा जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया उन्होंने जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और जनभागीदारी के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाल। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशभक्ति, सामाजिक सेवा, नवाचार एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रेरणादायी व्यक्तित्वों और प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके कार्यों को पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने अपने

विचार प्रगट किये। मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी ने पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के विचारों को गंभीरता से सुना तथा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया कि यह दिन एक ऐतिहासिक और अविस्मरणीय क्षण जब प्रधानमंत्री अपने कार्यक्रम मन की बात में सीधे पूरे देश के नागरिकों से जुड़ते हैं।

नौतपा की मार: भूख, प्यास और लापरवाही के बीच दम तोड़ रहे गोवंश

स्वतंत्र भारत इटौंजा लखनऊ। नौतपा की भीषण गर्मी में बीकेटी क्षेत्र की कई गोशालाओं में संरक्षित गोवंश बदहाल स्थिति में जीवन बिताने को मजबूर हैं। नगुवामऊ, महिगवां, दरियापुर, भगौतीपुर और कठवारा ग्राम पंचायतों में संचालित गोशालाओं की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि चारे-पानी की कमी, पर्याप्त छाया के अभाव और देखरेख में लापरवाही के कारण गोवंश बीमार हो रहे हैं तथा कई स्थानों पर उनकी मौतें भी हो रही हैं।ग्रामीणों की शिकायत पर की गई पड़ताल में नगुवामऊ गोशाला में गंदगी का अंबार मिला। गोवंशों के लिए न तो पर्याप्त हरा चारा उपलब्ध था और न ही सूखे भूसे की समुचित व्यवस्था दिखाई दी। भीषण गर्मी में कई गोवंश कमजोर हालत में नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार प्रत्येक गोवंश के भरण-पोषण पर प्रतिदिन खर्च कर रही है, इसके बावजूद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं हैं। धूप में तप रहा पानी, पीने को मजबूर गोवंशगोशालाओं में पानी की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। अधिकांश स्थानों पर खुले आसमान के नीचे बने हौदों में पानी भरा जा रहा है, जो दोपहर की तेज धूप में अत्यधिक गर्म हो जाता है। इसी पानी को पीने के लिए गोवंश मजबूर हैं। पशु विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक गर्म पानी और लू के थपेड़ों से पशुओं में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।डीएम के निर्देश भी बेअसर जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर द्वारा गर्मी के मौसम में गोशालाओं में पर्याप्त पानी, छाया और पशु स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए थे। साथ ही नियमित मॉनिटरिंग के भी आदेश दिए गए थे। इसके बावजूद कई गोशालाओं में हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। संख्या में खेल की भी चर्चा है कि कुछ गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों की संख्या को लेकर भी गंभीर अनियमितताएं हो सकती हैं। सूत्रों का दावा है कि महिगवां और दरियापुर ग्राम पंचायत की गोशालाओं में दर्ज संख्या और वास्तविक संख्या के बीच अंतर की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।क्या कहते हैं। वहीं जब इस संबंध में बीडीओ बीकेटी से जानकारी कि गई तो? उन्होंने बताया कि गौशालाओं कि जांच की जाएगी? और जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिटी बसों की हड़ताल समाप्त, आज से सड़कों पर दौड़ने लगेगी 115 इलेक्ट्रिक बसें

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। शहर की लाइफलाइन सिटी बसों की हड़ताल तीसरे दिन रविवार दोपहर बाद समाप्त हो गई। इससे दैनिक यात्रियों की मुसीबतें दूर हो गई। रविवार को सेकेंड शिफ्ट में दुबग्गा

- दैनिक यात्रियों की मुसीबतें होगी दूर

डिपो से कुछ बसें रूट पर दौड़ती नजर आई। सोमवार से सभी 115 इलेक्ट्रिक सिटी बसें शहर के 22 रूटों पर पूर्व की भांति संचालित होगी। जिन मागां पर सिटी बसों की सेवाएं नहीं मिल रही है, यात्री लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट के हेल्पलाइन नंबर 18001805014 पर फोन करके जानकारी ले सकते सिटी ट्रांसपोर्ट का बयान सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी अमरनाथ सहाय ने बताया कि वर्ष 2021 में मैरिट के आधार पर संविदा पर परिचालकों की भर्ती की गई है। इन कर्मियों को समितियों के जरिए भर्ती होने का आदेश के विरोध में बस कंडक्टर दुबग्गा डिपो में कार्य बहिष्कार करते हुए सिटी बसों का चक्का जाम कर दिया था।

तय रूट और समय सारिणी पर मिलेंगी सिटी बसें

इलेक्ट्रिक सिटी बसों की हडताल समाप्त होने के बाद सोमवार से सिटी बसें अपने सभी 22 रूटों पर चलेंगी। यह बसें अपने पूर्व के समय सारणी पर मिलेंगी। बता दें कि तीन दिनों तक चली हड़ताल के दौरान करीब 25 हजार दैनिक यात्री बेबस रहे और सिटी ट्रांसपोर्ट को करीब 18 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।

इस्माइलगंज-द्वितीय वार्ड को मिली 1.19 करोड़ की विकास सौगात

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ पूर्वी विधानसभा अंतर्गत इस्माइलगंज-द्वितीय वार्ड के

-जर्जर सड़कों से मिलेगी मुक्ति, हजारों लोगों के आवागमन को मिलेगी सुविधा

-सड़क-नाली परियोजनाओं का विधायक ओ.पी.श्रीवास्तव ने किया शिलान्यास

निवासियों को रविवार को एक बड़ी सौगात मिली। क्षेत्र की वर्षों पुरानी सड़क एवं जलनिकासी संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए विधायक ओ.पी.श्रीवास्तव ने

दो महत्वपूर्ण सड़क एवं नाली निर्माण परियोजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया।

गोविंद विहार कॉलोनी में आरसीएम भवन के निकट आयोजित कार्यक्रम में 60.17 लाख की लागत से स्वीकृत सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके उपरांत वासुदेव नगर में मंदिर के सामने आयोजित कार्यक्रम में 58.93 लाख की लागत से स्वीकृत सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ।दोनों परियोजनाओं पर कुल1 करोड़ 19 लाख 10 हजार की धनराशि व्यय की जाएगी। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को जर्जर मार्गों, जलभराव एवं जलनिकासी की समस्याओं से राहत मिलेगी तथा हजारों नागरिकों के आवागमन को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

पूर्वी विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं रहेगा : विधायक

इस अवसर पर विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं रहेगा। सड़क, नाली, पेयजल, विद्युत, प्रकाश व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। भाजपा सरकार केवल घोषणाओं की राजनीति नहीं करती, बल्कि धरातल पर विकास कार्यों को उतारकर जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करती है। विधायक श्रीवास्तव ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनका दायित्व है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार आएगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल कार्यकारिणी सदस्यों, वार्ड अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की मौजूदगी रही।

125 दिनों की रोजगार गारंटी से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा होगी सुदृढ़

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (जी राम जी) एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम है। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करने, आजीविका को सुदृढ़ बनाने तथा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि इस अभिनव अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्वरोजगार एवं कौशल विकास को नई गति प्राप्त होगी तथा आय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। यह अधिनियम केवल आर्थिक प्रगति का माध्यम नहीं है, बल्कि 'विकसित भारत' के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का एक प्रभावी अभियान भी है। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 के माध्यम से ग्रामीण श्रमिक परिवारों को अब और अधिक रोजगार सुरक्षा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में रोजगार की गारंटी को मजबूत करते हुए अधिनियम के अंतर्गत कार्य दिवसों की सीमा बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि, आजीविका सशक्तिकरण तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 125 दिनों के रोजगार अवसर से श्रमिक भाइयों एवं बहनों को अधिक कार्य, बेहतर आय तथा आत्मनिर्भर जीवन जीने की नई शक्ति प्राप्त होगी। सरकार ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रही है तथा यह अधिनियम उसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

व्यापार वार्ता का भविष्य

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता वार्ता पिछले कई महीनों से चल रही है और काफी चर्चा में भी रही है। हालांकि अभी भी यह किसी अंतिम स्वरूप तक नहीं पहुंच सकी है। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने हाल के नई दिल्ली दौरे के दौरान इस वार्ता में कुछ नया होने के संकेत दिए हैं। उन्होंने परस्पर हित सुनिश्चित किए जाने की बात की और कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी एवं टिकाऊ होगा। वास्तव में पिछले कुछ महीनों में अमेरिका द्वारा लिए गए निर्णयों से यह नहीं लगता कि वह परस्पर और समान हित का सूत्र अमल में लाना चाहता है। तेल खरीद को लेकर उसके द्वारा लगाई गई शर्तें इसका प्रमुख उदाहरण हैं। वह अभी भी यही इशारा कर रहा है कि भारत को वह मनचाहा तेल देने के लिए तैयार है लेकिन अगर तेल के लिए भारत अमेरिका पर निर्भर रहता है तो उसके क्या परिणाम होंगे। भारत के लिए जरूरी है कि अन्य देशों के साथ भी व्यापक और विश्वसनीय स्रोतों का भी रास्ता खुला रखे जो अधिक सुविधाजनक और सस्ते हों। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज स्ट्रेट से सप्लाई चेन बाधित होने से उपजा संकट किसी से छिपा नहीं है। इसी के कारण भारत में तेल और गैस के दामों सरकार को बढ़ोतरी भी करनी पड़ी है जिसका असर अन्य वस्तुओं के भी भी महंगा होने के रूप में सामने आया है। अब भारत को इन परिस्थितियों और घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए यह सोचने की जरूरत है कि अमेरिका व्यापार वार्ता को क्या दिशा देना चाहता है। वह अपने हितों के साथ भारतीय हितों को प्राथमिकता देगा या केवल अपने फायदे की ही सोचेगा जो कि अभी तक वह करता आया है। फिलहाल यही कहा जा सकता है कि अमेरिकी विदेश मंत्री ने जिस तरह परस्पर हित सुनिश्चित किए जाने की बात कही है, उससे यह माना जा सकता है कि अमेरिका भी व्यापार वार्ता को एक सकारात्मक दिशा देना चाहता है। दोनों देशों के बीच जल्दी ही होने वाली वार्ता के अगले दौर में यह बात पूरी तरह से स्पष्ट भी हो जाएगी। अमेरिका के लिए किसी मुद्दे पर जबर्दस्ती न अड़ना इसलिए भी जरूरी है कि प्रस्तावित व्यापार समझौते से केवल भारत को ही लाभ नहीं होगा बल्कि अमेरिका के फायदे भी निहित हैं। देखने की बात यह भी होगी कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत की लगातार तारीफ और व्यापार वार्ता में शर्तों के बीच किस हद तक एकरूपता आ पाती है। इसी पर वार्ता का भविष्य भी निर्भर करेगा।

जवाबदेही तय हो

इसमें दो राय नहीं कि समाज में विकास के खूब काम हुए हैं। इनकी रफ्तार भी बढ़ती जा रही है। लेकिन इन्हीं कार्यों को करने के दौरान ऐसी दुर्घटनाएं भी होती हैं जिन्हें रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाने के दावे किए जाते हैं। पिछले कुछ दिनों के दौरान राजधानी लखनऊ में नाले की सफाई के दौरान दम घुटने के कारण सफाईकर्मी की मृत्यु हो गई तथा पोल पर चढ़कर बिजली ठीक कर रहे विद्युत संविदाकर्मी की करंट आ जाने से जान चली गई। सामान्य दिनों में विभाग बताते हैं कि अमुक काम के लिए सुरक्षा की पूरी व्यवस्था है लेकिन जब हादसा हो जाता है तो सिवाय जांच और मुआवजे की घोषणा के कुछ करने को नहीं रह जाता। यह समस्या केवल लखनऊ की नहीं बल्कि अन्य प्रदशों के शहरों-राजधानियों की भी है। कुछ समय पहले संसद में दी गई जानकारी के अनुसार 2017 के बाद से अब तक छह सौ बीस से ज्यादा सफाईकर्मियों की सीवर सफाई में मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद भी देशभर में हो रहे हादसों का मतलब तो यही है कि इस आंकड़े से कोई सबक नहीं लिया गया। यानी हमारा तंत्र ऐसी घटनाओं से कोई सीख नहीं लेता। लोग इन हादसों को जल्दी ही भूल जाते हैं और तंत्र का पूरा जोर पीड़ितों के लिए मुआवजा घोषित कर देने तक ही होता है। सीवर सफाई और सुचारु विद्युत आपूर्ति आज के जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है। चूंकि ये लगातार चलने वाले काम हैं तो इनमें अलग-अलग कारणों से स्वाभाविक रूप से समस्याएं आती रहेंगी और उनको ठीक करने के लिए कर्मियों को लगाना भी पड़ेगा। अब जब इसके लिए बाकायदा नियम हैं कि ऐसे काम करने वालों के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएं पूर्व में ही की जानी चाहिए तो उनका पालन भी सुनिश्चित होना चाहिए। यह निश्चित रूप से विभागीय अधिकारियों तथा उनके अधीनस्थों की जिम्मेदारी है लेकिन खेद की बात है कि इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता।

काँव-काँव

♦♦♦

मोदी नीट मामले में खुद निगरानी कर रहे हैं-केंद्र
इसके बाद तो शक़ की गुंजाइश ही नहीं रही!
जून में सिर्फ नब्बे प्रतिशत बारिश का पूर्वानुमान
लखनऊ की सड़कें जुलाई में तालाब बनेंगी!
तनाव के बीच भी मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था
मजबूत अर्थव्यवस्था में लोग कमजोर हो गये!
पांच वर्षों में डेढ़ डिग्री बढ़ेगा वैश्विक तापमान
तब तक पता नहीं कितने देश बचेंगे दुनिया में?
सपा संगठन में महिलाएं असुरक्षित-पंकज चौधरी
यूपी में भाजपा संगठन की महिलाएं सुरक्षित हैं!
भाजपा के मंत्रियों की संपत्ति जांच हो -कांग्रेस
अवैध संपत्ति वाले कांग्रेसी भाजपा में चले गये!

♦♦♦

परीक्षा-प्रणाली की परीक्षा

भारत में परीक्षा केवल शैक्षणिक प्रक्रिया नहीं होती। करोड़ों परिवारों के लिए यह अवसरों तक पहुँच का सबसे बड़ा माध्यम होती है। एक परीक्षा किसी विद्यार्थी का कॉलेज तय करती है, दूसरी उसका पेशा। एक रैंक किसी प्रतिष्ठित

– डॉ. शिवम भारद्वाज

संस्थान का दरवाज़ा खोल सकती है, तो कुछ अंकों की कमी कई वर्षों की मेहनत को पीछे धकेल सकती है। ऐसे में परीक्षा-प्रणाली को लेकर पैदा होने वाला हर संदेह सीधे विद्यार्थियों और उनके परिवारों तक पहुँचता है।

देश में आज कभी प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें सामने आती हैं, कभी परीक्षा रद्द करनी पड़ती है, कभी परिणामों को लेकर असंतोष दिखाई देता है, तो कभी मूल्यांकन प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ जाती है। तकनीकी व्यवस्थाएँ भी बहस का विषय बनी हैं। अलग-अलग परीक्षाओं में कारण अलग रहे हैं, लेकिन लगातार सामने आती घटनाएँ एक साझा प्रश्न छोड़ती हैं–क्या देश की परीक्षा-प्रणाली पर पहले जैसा भरोसा बचा हुआ है? चाहे बात नीट-यूजी की हो या सीबीएसई की हो, विवादों के कारण अलग रहे लेकिन चिंताएँ लगभग एक जैसी रहीं। एक ओर परीक्षा-सुरक्षा पर सवाल उठे, दूसरी ओर मूल्यांकन प्रक्रिया पर। तकनीकी व्यवस्थाओं को लेकर बहस हुई, और निर्णय लेने की पारदर्शिता पर। कहा गया कि समस्या अस्थायी है और आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं। लेकिन जब बड़े परीक्षा-चक्र के बाद किसी न किसी रूप में वही सवाल लौट आएँ, तो लोगों का ध्यान किसी एक घटना से हटकर पूरी व्यवस्था की तरफ जाने लगता है।

दरअसल, ये विवाद परीक्षा-प्रणाली के दो सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों से जुड़े दिखाई देते हैं–परीक्षा और परिणाम। यदि परीक्षा की सुरक्षा पर संदेह हो तो निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं। यदि मूल्यांकन, रिकॉर्डिंग या तकनीकी प्रक्रिया पर सवाल हों तो परिणामों की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। और जब परीक्षा तथा परिणाम, दोनों ही बहस का विषय बनने लगें, तो असर किसी एक संस्थान तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव पूरी व्यवस्था की साख पर पड़ता है। परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता केवल परिणामों से तय नहीं होती। उसका आधार यह विश्वास होता है कि प्रक्रिया निष्पक्ष है और परिणाम वास्तविक प्रदर्शन को दर्ज करते हैं। विद्यार्थी परीक्षा देते समय यह मानकर चलते हैं कि उनकी मेहनत का सही मूल्यांकन होगा। अभिभावकों को भरोसा होता है कि प्रक्रिया समान अवसर देगी। समाज भी परिणामों को इसलिए स्वीकार करता है क्योंकि उसके पीछे योग्यता-आधारित चयन की धारणा होती है। लेकिन जब प्रक्रिया ही लगातार सवालों के घेरे में आने लगे, तो यह विश्वास धीरे-धीरे प्रभावित होने लगता है।

यही कारण है कि अब कई विद्यार्थियों की चिंता केवल प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहती। उनके सामने यह प्रश्न भी रहता है कि रिकॉर्ड सही तरीके से दर्ज हुआ या नहीं, मूल्यांकन ठीक से हुआ या नहीं, तकनीकी प्रक्रिया में कहीं कोई त्रुटि तो नहीं हुई और परिणाम वास्तव में उनके प्रदर्शन को ही दर्ज करेंगे या नहीं। पिछले कुछ वर्षों में परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों की मनःस्थिति में आया यह बदलाव अपने-आप में एक महत्वपूर्ण संकेत है।

पिछले एक दशक में परीक्षा-प्रक्रियाओं में तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। डिजिटल मूल्यांकन, ऑनलाइन निगरानी, केंद्रीकृत डेटा-प्रबंधन और नई तकनीकी प्रणालियों को अधिक पारदर्शी और तेज व्यवस्था का आधार बताया गया। विशाल छात्र संख्या और व्यापक परीक्षा-तंत्र को देखते हुए इसकी आवश्यकता भी थी। लेकिन किसी भी तकनीकी व्यवस्था की उपयोगिता अंततः उसके संचालन और विश्वसनीयता से तय होती है। यदि किसी नई प्रणाली के लागू होने के बाद उसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगें, तो चर्चा केवल तकनीक तक सीमित नहीं रहती। तब प्रश्न तैयारी, परीक्षण, निगरानी और प्रशासनिक फैसलों की गुणवत्ता तक पहुँचता है। यह भी पूछा जाने लगता है कि जिन व्यवस्थाओं का सीधा संबंध विद्यार्थियों के परिणामों से है, क्या उन्हें लागू करने से पहले पर्याप्त स्तर पर परखा गया था। क्योंकि तकनीकी गड़बड़ियाँ केवल किसी सॉफ्टवेयर या प्लेटफ़ॉर्म की समस्या नहीं रह जातीं, उनका असर सीधे मूल्यांकन और परिणामों पर दिखाई देता है। इसी तरह परीक्षा-सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताएँ भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। यदि किसी परीक्षा को सुरक्षित बनाने के लिए बार-बार अतिरिक्त निगरानी, विशेष सुरक्षा-व्यवस्थाओं और असाधारण नियंत्रणों की आवश्यकता महसूस हो, तो ऐसी परिस्थितियाँ सामान्य संस्थागत व्यवस्थाओं की क्षमता को लेकर भी प्रश्न खड़े करती हैं। किसी भी प्रणाली की विश्वसनीयता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह संकट आने के बाद क्या करती है। उसका आकलन इस आधार पर भी होता है कि वह संकटों को रोकने में कितनी सक्षम है।

इन सबके बीच सबसे अधिक दबाव विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर पड़ता है। देश में पहले ही प्रतियोगी

परीक्षाओं को लेकर अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा है। लाखों छात्र वर्षों तक तैयारी करते हैं। परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा कोचिंग, किताबों, आवास और दूसरे शैक्षणिक खर्चों पर लगाते हैं। कई घरों में पूरी आर्थिक और सामाजिक योजना किसी एक परीक्षा के परिणाम से जुड़ जाती है। ऐसे में यदि परीक्षा-प्रक्रिया को लेकर ही अनिश्चितता पैदा होने लगे, तो उसका असर केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता। वह मानसिक दबाव, असुरक्षा और निराशा के रूप में भी सामने आता है। यही कारण है कि नीट-यूजी हो या सीबीएसई–मामला केवल प्रशासनिक गलती, तकनीकी समस्या या किसी एक विवाद का नहीं रह जाता। मामला उस भरोसे से जुड़ जाता है जिस पर पूरी परीक्षा-व्यवस्था खड़ी होती है। क्योंकि परीक्षा-प्रणाली केवल प्रश्नपत्र छापने, परीक्षा कराने और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया नहीं है। उसकी विश्वसनीयता इस बात से तय होती है कि परीक्षा और परिणाम–दोनों ही स्तरों पर निष्पक्षता तथा भरोसे की धारणा कितनी मजबूत है। चिंता की बात यह है पहले किसी गड़बड़ी को असाधारण घटना माना जाता था। अब कई बार पहली प्रतिक्रिया यह होती है कि इस बार समस्या क्या हुई। किसी भी सार्वजनिक व्यवस्था के लिए यह स्थिति सामान्य नहीं मानी जाती। संस्थागत भरोसा अचानक कमजोर नहीं पड़ता। वह धीरे-धीरे कम होता है–जब सवाल बढ़ने लगते हैं और उत्तर लगातार कम पड़ने लगते हैं। प्रश्नपत्र दोबारा छापे जा सकते हैं। परीक्षाएँ दोबारा कराई जा सकती हैं। तकनीकी प्रणालियाँ बदली जा सकती हैं। नियमों में संशोधन किए जा सकते हैं। लेकिन सार्वजनिक विश्वास की भरपाई अपेक्षाकृत कहीं कठिन होती है। एक बार यदि विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में व्यवस्था की विश्वसनीयता को लेकर संदेह घर करने लगे, तो उसका असर किसी एक परीक्षा-चक्र तक सीमित नहीं रहता। आखिरकार परीक्षा सिर्फ विद्यार्थियों की नहीं होती। परीक्षा उस व्यवस्था की भी होती है जिसके हाथ में करोड़ों युवाओं का भविष्य होता है। इस समय परीक्षा-प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती केवल परीक्षा कराना नहीं दिखाई देती। प्रश्न यह है कि क्या परीक्षा और परिणाम–दोनों ही स्तरों पर वह विश्वसनीयता बची हुई है, जिसके आधार पर करोड़ों विद्यार्थी हर वर्ष अपनी मेहनत और भविष्य को इस व्यवस्था के हवाले करते हैं।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

अथैकादशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

जिसका कभी विनाश नहीं होता, राजयोग का परिणाम है।

द्रोणं च भीष्मं च जयद्रथं च कर्णं तथान्यानपि योधवीरान् ।
मया हतांस्त्वं जहि मा व्यथिष्ठा युध्यस्व जेतासि रणे सपत्नान् ।। 34।।

इन द्रोण, भीष्म, जयद्रथ और कर्ण तथा अन्यान्य बहुत से मेरे द्वारा मारे हुए शूरवीर योद्धाओं को तू मार। भय मत कर। संग्राम में वैरियों को तू निश्चित जीतेगा, इसलिये युद्ध कर। यहाँ भी योगेश्वर ने कहा कि ये मेरे द्वारा मारे हुए हैं, इन मरे हुए को तू मार। स्पष्ट किया कि मैं कर्त्ता हूँ, जबकि पाँचवें अध्याय के 13, 14 एवं 15वें श्लोक में उन्होंने कहा- भगवान अकर्त्ता हैं। अठारहवें अध्याय में वे कहते हैं कि शुभ अथवा अशुभ प्रत्येक कार्य के होने में पाँच माध्यम हैं- अधिष्ठान, कर्ता, करण, चेष्टा और दैव। जो कहते हैं कि कैवल्यस्वरूप परमात्मा करते हैं वे अविवेकी हैं, यथार्थ नहीं जानते अर्थात् भगवान नहीं करते। ऐसा विरोधाभास क्यों?

वस्तुतः प्रकृति और उस परमात्मपुरुष के बीच एक सीमा-रेखा है। जब तक प्रकृति के परमाणुओं का दबाव अधिक रहता है, तब तक माया प्रेरणा देती है और जब साधक उससे ऊपर उठ जाता है- ईश्वर, इष्ट अथवा सद्गुरु के कार्यक्षेत्र में प्रवेश प्राप्त कर लेता है, उसके बाद सद्गुरु इष्ट (याद रहे प्रेरक के स्थान पर सद्गुरु, परमात्मा, इष्ट, भगवान पर्यायवाची हैं। कुछ भी कहें, कहते भगवान ही हैं।) हृदय से रथी हो जाता है, आत्मा से जाग्रत होकर उस अनुरागी साधक का स्वयं पथ संचालन करने लग जाता है।

'पूज्य महाराज जी' कहते थे- 'हो, जिस परमात्मा की हमें चाह है, जिस सतह पर हम खड़े हैं उस सतह पर स्वयं उतरकर जब तक आत्मा से जागृत नहीं हो जाता, तब तक सही मात्रा में साधन का आरम्भ नहीं होता। उसके बाद जो कुछ साधक से पार लगता है, वह उसकी देन है। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवं परिषेवते।
ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति चाध्रुवं नष्टमेव हि॥

जो मनुष्य निश्चित यानी सही को छोड़कर अनिश्चित यानी गलत का सहारा लेता है, उसका सही भी नष्ट हो जाता है। इसलिए जब भी कोई निर्णय लें तो सही और गलत की परख अवश्य करें।

♦♦♦

विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा ख़तरा है इस्राईल

दशकों से वैश्विक स्तर पर ईरान को एक खलनायक राष्ट्र के रूप में पेश करने की घिनौनी साज़िश रची जाती रही है। इस्राइल यह बार बार दोहराता रहा है कि उसे डर है कि यदि ईरान परमाणु बम बना लेता है तो उसका

-तनवीर जाफ़री

अस्तित्व ख़तरे में पड़ सकता है। यह दुष्प्रचार तब किया जाता है जबकि ईरान में इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्लाह खुमैनी द्वारा परमाणु बम को मानवता विरोधी बताते हुये इसके निर्माण के विरुद्ध फ़तवा तक दिया जा चुका है। उधर ईरान के किसी भी धर्मगुरु या नेता ने आज तक परमाणु बम बनाने की बात भी नहीं की है। परन्तु इराक़ में सद्दाम हुसैन की तर्ज़ पर ईरान को भी केवल मीडिया प्रोपेगंडा कर बार बार खलनायक प्रमाणित करने की कोशिश की जाती रही है। दरअसल इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिकी-इस्राईली प्रभाव वाले ईरानी शासक मोहम्मद रज़ा शाह पहलवी ने तो 1948 में इस्राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता तो दी थी परन्तु 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल की मान्यता भी समाप्त कर दी साथ ही उसे ÷सियोनवादी शासन÷ भी घोषित कर दिया। परन्तु यदि हम ईरान व इस्राईल के 'ट्रैक रिकॉर्ड' को देखें तो 1967 के युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और ग़ज़ा पर क़ब्ज़ा जमाकर फ़िलिस्तीन पर अपना नियंत्रण करना शुरू कर दिया था। तब से लेकर आज तक इस्राइल पूरे क्षेत्र में बर्बरीयत व हिंसा करता आ रहा है। इसके पीछे उस ग्रेटर इस्राइल के गठन व निर्माण की एक ज़ायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी अवधारणा काम कर रही है जिसके तहत एक ऐसे विशाल यहूदी राज्य की कल्पना की गई है, जो वर्तमान इस्राइल से कहीं ज़्यादा बड़ा हो और इसमें मध्य पूर्व के कई अरब देशों के क्षेत्रों को शामिल किया जा सके। इस योजना को आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में एक विवादित इस्राईली विस्तारवादी परियोजना के रूप में देखा जाता है । ज़ायोनिस्ट के इस काल्पनिक ग्रेटर इस्राइल की भौगोलिक सीमाएं मिस्र की नील नदी से लेकर इराक़ की फ़ुरात (यूफ्रेट्स) नदी तक और मदीना से लेकर लेबनान तक शामिल हैं। यहाँ तक कि पूरा जॉर्डन, फ़िलिस्तीन (पश्चिमी तट व ग़ज़ा), लेबनान, सीरिया, इराक़, मिस्र, सऊदी अरब के बड़े हिस्से,पवित्र स्थल मक्का, मदीना, और माउंट सिनाई पर क़ब्ज़ा भी इस योजना में शामिल माना जाता है। इसी दूरगामी योजना के मद्देनज़र इस्राईल की सरपरस्ती करते हुये अमेरिका ने दशकों से ईरान का भय दिखाकर तथा शिया सुन्नी मतभेदों को हवा देकर इसी की आड़ में मध्य पूर्व के अनेक देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं। दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर ख़ारिज करता है बल्कि फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों ग़ज़ा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा क़ब्ज़ा की गयी ज़मीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नज़रों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर ग़ज़ा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है । मृतकों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं। इसी तरह लेबनान में भी मई 2026 तक इस्राईल के हमलों में 2,255 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ भी मरने वालों में 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्सा कर्मी भी शामिल हैं। यह इस्राइल ही है जिसने ईरान को ग्रेटर इस्राईल के रास्ते का सबसे बड़ा अड़ंगा समझते हुये अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिये उकसाया। हद तो यह है कि अमेरिका और इस्राइल ने परमाणु वार्ता के दौरान ईरान पर कम से कम दो बार हमला किया। पहला हमला 13 जून 2025 को यानी ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के 5 राउंड की वार्ता के दो दिन बाद किया गया था। इस में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर भीषण हमला किया, जबकि दोनों देश आगे बातचीत की योजना बना रहे थे। इसी तरह इस्राइल और अमेरिका ने दूसरा हमला 27 फ़रवरी 2026 को, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता के बीच किया जिसमें ईरान में 30 जगहों पर हमला किया गया, जिसमें तेहरान में ईरानी खुफ़िया एजेंसी की

इमारतें, एयरपोर्ट्स, राष्ट्रपति भवन और रिहायशी इलाक़े शामिल थे। साथ ही तेहरान और इस्फ़हान जैसे 30 शहर भी अमेरिका-इस्राइल के निशाने पर थे। इसी हमले में मिनाब में स्कूल के 165 मासूम बच्चे, सर्वोच्च ईरानी नेता ख़ामनेई व अनेक उच्चाधिकारी शहीद हुये थे। इसके अतिरिक्त विश्व में हिंसा व अशांति फैलाने के लिये इस्राईल अनेक बार युद्धविराम का उल्लंघन भी करता आया है। चाहे वह ग़ज़ा का युद्ध विराम हो या लेबनान का युद्ध विराम। इस्राइल ग़ज़ा युद्ध विराम 10 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी मध्यस्थता में लागू हुआ था। परन्तु युद्धविराम के बाद से अब तक लगभग 2000 बार इस्राईली सेना युद्धविराम का उल्लंघन कर चुकी है। और विराम के बाद 700 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 3 हज़ार से ज़्यादा घायल हो चुके हैं। मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध के कारण ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। इसके अतिरिक्त, तुर्की ने भी नेतन्याहू और 36 अन्य इस्राईली अधिकारियों के विरुद्ध नरसंहार के आरोप में अलग से गिरफ़्तारी वारंट जारी किए हैं। आश्चर्यजनक है कि परमाणु हथियार रखने वाला देश इस्राइल, जिसे विश्व के सबसे बड़े नरसंहारक देश के रूप में देखा जा रहा है, व उसका संरक्षक अमेरिका, यदि ईरान जैसे देश को परमाणु हथियार बनाने की झूठ आधारित कथित संभवनाओं के चलते महज़ प्रोपेगंडा फैलाकर विश्व शांति के लिये बड़ा ख़तरा बता रहे हैं जबकि ईरान का मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध या दूसरे देशों की ज़मीन पर घुसपैठ जैसे कोई आरोप नहीं हैं। सच तो यह है कि इस्राईल ही विश्व शांति के लिये इस समय सबसे बड़ा ख़तरा है।

प्रेरक प्रसंग

अहंकार

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक मूर्तिकार (मूर्ति बनाने वाला) रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनता था, जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवित होने का भ्रम हो जाता था। आस-पास के सभी गांव में उसकी प्रसिद्धि थी, लोग उसकी मूर्तिकला के कायल थे। इसीलिए उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। जीवन के सफर में एक वक्ता ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है, वह ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएगा। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एक योजना बनाई। उसने हुबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जा कर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से असली मनुष्य कौन है। वे सोचने लगे अब क्या किया जाए। अगर मूर्तिकार के प्राण नहीं ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियों को तोड़ा गया तो कला का अपमान हो जाएगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वाभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा, कितनी सुन्दर मूर्तियां बनी हैं, लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है। काश मूर्ति बनाने वाला मेरे सामने होता, तो मैं उसे बताता मूर्ति बनाने में क्या गलती हुई है। यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा, उसने सोचा, मेने अपना पूरा जीवन मूर्तियां बनाने में समर्पित कर दिया, भला मेरी मूर्तियों में क्या गलती हो सकती है? वह बोल उठा कैसी त्रुटी झट से यमदूत ने उसे पकड़ लिया और कहा बस यही गलती कर गए तुम अपने अहंकार में कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करती। इस कहानी की शिक्षा यही है कि अहंकार ने हमेशा इन्सान को परेशानी और दुःख के सिवा कुछ नहीं दिया।

आपका पत्र मिला

चिंता बढ़ाता जलाशयों का संकट

भीषण गर्मी के दौर मे जल संकट गहराना आम बात होते जा रही है, गर्मियों के चरम पर पहुँचते ही देश के जलाशयों के संकट गहराने के समाचार जन जीवन मे चिंता की लकीरे बढ़ाता नजर आ रहा है, अगर समय रहते हम जल सरक्षण और जल के महत्व के प्रति उदासीन रहे, तो आने वाले समय में भयावह तस्वीर उभर कर आएगी! केंद्रीय जल आयोग द्वारा ताज़ा आंकड़ों के अनुसार मई की शुरुआत से लेकर अंत तक देश के जलाशयों का जल स्तर बहुत तेजी से नीचे गिर रहा है! देश के 166 प्रमुख जलाशयों मे मई के अंतिम सप्ताह तक कुल भंडारण घटकर 45419 बिलियन क्यूबीक मीटर रह गया! जो इनकी कुल क्षमता का 24.75 प्रतिशत है ! गर्मी का चरम स्वरूप का पता इससे ही लग जाता है कि देश के कुछ हिस्सों के हालात इतने भयावह तस्वीर पेश कर रहे कि बड़े बांध पूरी तरह मैदान मे तब्दील हो गए! पानी कि कमी से दक्षिण भारत के राज्यों मे डरावनी तस्वीर देखने को मिल रही है कुल क्षमता का 26.83 प्रतिशत पानी बचा हुआ था, मई के अंतिम सप्ताह मे रिपोर्ट मे गिरकर केवल 17.55 प्रतिशत रह गया ! गंभीर संकट वाले बांधो कि संख्या 11 से बढ़कर 15 हो गई! मौसम विभाग ने अल नीनो के चलते सूखे कि आशंका जताई, कुछ भी हो आंकड़ों का ग्राफ चिंतनीय है, हम सभी को जल सरक्षण और जल स्त्रोत को जीवंत रखने हेतु कारगर रणनीति बनाना होंगी, जल के महत्व को समझ कर जल कि उपयोगी पहलुओं को भी समझना होगा! जल के दुरपयोग को रोकने के लिए भी हमें सब मिलकर संकल्प लेना होगा! क्योंकि जल है तो जीवन है! क्या सरकारी प्रयासों के साथ हम भी कदमताल मिलाकर इस भयावह संकट से उबरने के लिए सकारात्मक नीति रीती बनाएंगे।

योगेश जोशी,
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

क्या आपका भी वजन बढ़ रहा है?
जिम्मेदार हो सकते हैं ये कारण

आजकल वजन बढ़ना एक आम समस्या बन गई है, लेकिन कभी-कभी यह अचानक और बिना किसी स्पष्ट कारण के बढ़ने लगता है। वजन बढ़ने का असर केवल शरीर की उपस्थिति पर ही नहीं पड़ता, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। इससे डायबिटीज, थायराइड, दिल की बीमारियां, और महिलाओं में प्रजनन स्वास्थ्य समस्याएं जैसे कि पीसीओएस और पीसीओडी का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप अचानक वजन बढ़ने के कारणों को समझें। आइए, जानते हैं वे प्रमुख कारण जिनकी वजह से आपका वजन अचानक बढ़ सकता है। कई बार दवाएं वजन बढ़ने का कारण बन सकती हैं। उदाहरण के लिए, बर्थ कंट्रोल पिल्स, बाइपोलर डिसऑर्डर की दवाएं, और डायबिटीज की दवाएं शरीर में पानी की मात्रा बढ़ा सकती हैं और चर्बी को जमाने में मदद कर सकती हैं। यदि आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा ले रहे हैं और अचानक वजन बढ़ने लगा है, तो यह दवा का साइड इफेक्ट हो सकता है। हार्मोनल असंतुलन भी वजन बढ़ने का एक प्रमुख कारण हो सकता है। खराब लाइफस्टाइल, तनाव, और असंतुलित डाइट हार्मोन्स को प्रभावित कर सकती हैं। कोर्टिसोल या थायराइड हार्मोन का असंतुलन भी वजन बढ़ा सकता है। मेनोपॉज या प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलाव भी वजन में तेजी से वृद्धि कर सकते हैं। आपका खानपान भी अचानक वजन बढ़ने में अहम भूमिका निभा सकता है। ज्यादा जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, शुगर और रिफाइंड फूड का अधिक सेवन कैलोरी की अधिकता को जन्म देता है। इससे शरीर में चर्बी जमने लगती है और वजन बढ़ता है। कभी-कभी वजन बढ़ने का कारण कोई छुपी हुई बीमारी हो सकती है। शरीर में किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या का संकेत न दिखाई दे, फिर भी वजन बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में, यह जरूरी है कि आप एक डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी का पता लगाने के लिए उचित जांच कराएं। यदि आप अधिक कैलोरी युक्त आहार का सेवन कर रहे हैं, तो यह वजन बढ़ाने का एक मुख्य कारण हो सकता है। कैलोरी का अत्यधिक सेवन शरीर में फैट को जमाता है, जिससे वजन बढ़ता है। अपनी कैलोरी की खपत पर नजर रखना जरूरी है, ताकि आप अपने

वजन को नियंत्रित रख सकें। अधिक तनाव के कारण शरीर में हार्मोनल असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। तनाव के चलते कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है, जो वजन बढ़ने में योगदान देता है। जब तनाव के कारण शरीर के केमिकल चेंज होते हैं, तो यह कई हार्मोन को असंतुलित कर सकता है, जिससे वजन तेजी से बढ़ सकता है। अगर आपका वजन अचानक से बढ़ने लगा है, तो इन कारणों में से कोई एक आपकी समस्या का कारण हो सकता है। उचित जांच और डॉक्टरी सलाह के बिना सही कारण का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में, यह जरूरी है कि आप एक विशेषज्ञ से संपर्क करें और इसके कारणों की सही पहचान कर इसका उचित समाधान निकालें।

बर्फीली पहाड़ियां और मंत्रमुग्ध कर देने वाले नजारों से भरा अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश घूमने-फिरने के लिए बेहद शानदार जगह है। अगर आप यहां घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो जान लें किन जगहों की सैर बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए मिस।

रोइंग

रोइंग को अरुणाचल प्रदेश की जान कहा जाता है। साफ-सुथरी नदियां, बर्फ से ढके पहाड़, झील व झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। यहां फरवरी महीने में एक फेस्टिवल भी होता है, जो काफी रोमांचक होता है। दूर-दूर से पर्यटक इसे देखने आते हैं। रोइंग अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी में स्थित है। एडवेंचर से लेकर नेचर लवर्स तक के लिए रोइंग बेहतरीन जगह है। अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग अपनी नायाब खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ये जगह अरुणाचल की खास संस्कृति और परंपराओं को समेटे हुए है। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर से चांगलांग की दूरी 307 किमी. है। चांगलांग समुद्र तल से 200 मीटर से 4,500 मीटर की ऊंचाई तक स्थित है। ये जगह फोटोग्राफी के लिए भी बेहतरीन है।

महो वाइल्डलाइफ सेंचुरी

रोइंग के सबसे मशहूर पर्यटक स्थलों में से एक महो वाइल्डलाइफ सेंचुरी है. यह अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों के लिए यात्रियों के बीच काफी फेमस है. यहां आप बाघ, तेंदुआ, सियार, हिमालयी काला भालू, भारतीय साही, जंगली कुत्ता सहित कई अन्य जंगली जानवरों को देख सकते हैं. इसके साथ ही यहां जड़ी-बूटियों, झाड़ियों, फूलों और पौधों की अलग अलग वैरायटी आपको देखने को मिलेंगी।

मेचुका वैली

मेचुका वैली अरुणाचल प्रदेश का बेहद शानदार हिल स्टेशन है। जो शि-योमी जिले में बसी है। मेचुका वैली समुद्रतल से लगभग 6000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। नेचर लवर्स को तो ये जगह बहुत पसंद आएगी। अरुणाचल प्रदेश की रंग-बिरंगी संस्कृति को करीब से देखना चाहते हैं, तो इस जगह को एक्सप्लोर करें। इस जगह को मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जाना जाता है।

मेचुका आकर दोर्जिलिंग गांव, हनुमान पॉइंट, गुरु नानक तपोस्थान और गुरुद्वारा, न्यू गोम्पा, मेचुका बस्ती, सैमटेन योंगचा मठ (पुराना गोम्पा) जरूर देखें।

जीरो वैली

अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबानसिरी जिले में समुद्रतल से लगभग 5500 फुट की ऊंचाई पर स्थित जीरो वैली बेहद खूबसूरत सी जगह है। दूर-दूर तक फैले हरे घास के मैदान, हरे-भरे बांस के जंगल, ऊपर साफ-नीला आसमान आपकी ट्रिप को बना देगा यादगार। जीरो वैली अपनी खास तरह की खेती और समृद्ध वन्यजीव के लिए मशहूर है।

यहां खेती के लिए किसी जानवर या मशीन की मदद नहीं ली जाती, बल्कि सारा काम लोग अपने हाथों से करते हैं।

जीरो वैली आएं तो टैली वैली वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी, कार्दो हिल्स यहां स्थित शिव लिंगम को देखने का मौका हाथ से न जाने दें।

रेसिपी➔

घर पर बनाएं क्रंची दही कबाब

लंच या डिनर के पहले कुछ लोग स्टार्टर के तौर पर डिशेज खाना पसंद करते हैं। स्टार्टर की बात करें तो दही कबाब बेहद पसंद किया जाता है। बच्चे हो या बड़े सभी इसे चाव से खा लेते हैं। इसमें पड़ने वाला फ्राइड प्याज और पनीर एक्स्ट्रा जायका एड कर देता है। ऐसे में यदि आपको भी दही कबाब पसंद है तो आज इसे बनाने की विधि के बारे में जानते हैं।

सामग्री

दही - 1/2 कप, पनीर - सवा कप (कद्दूकस किया हुआ), प्याज - 1/2 कप (लच्छेदार कटे हुए), काजू - 3 टेबलस्पून, ब्रेड क्रम्ब्स - 1/4 कप, लाल मिर्च पाउडर - 1 टीस्पून, गर्म मसाला - 1 टीस्पून हरी मिर्च - 2, हरा धनिया - 1 कप चीनी - 2 चुटकी, तेल - जरुरतअनुसार, नमक - स्वादअनुसार।

विधि सबसे पहले हरी मिर्च, हरा धनिया बारीक करके काट लें। फिर एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज जब अच्छी तरह से ब्राउन हो जाए तो उसे निकाल लें। अब एक बड़ी बाउल में दही डालकर फेंट लें। दही में कद्दूकस किया हुआ पनीर मिलाएं। पनीर मिलानेके बाद इसमें फ्राइड प्याज और ब्रेड क्रम्ब्स मिला दें। अब मिश्रण में बारीक कटे प्याज, काजू, धनिया पत्ती, हरी मिर्च मिलाएं। इसके बाद लाल मिर्च, गर्म मसाला और एक चुटकी चीनी और स्वादअनुसार नमक डालें। मिश्रण मिक्स करके थोड़ा हाथ में लेकर आलू टिक्की के आकार का कबाब बना लें। फिर बाकी मिश्रण से भी ऐसे ही कबाब बना लें। कबाब बनाकर ब्रेड के चुरे में डालें और अच्छे से लपेट दें। एक कढ़ाई में तेल डालें और मीडियम आंच पर गर्म कर लें। जैसे तेल गर्म हो जाए तो दही कबाब डाल दें। कबाब को अच्छी तरह से डीप फ्राई करें। जब इनका रंग ब्राउन हो जाए तो प्लेट में निकाल कर सर्व करें।

घर पर हींग दही तड़का की ये सब्जी जरूर करें ट्राई

रोजाना दाल-सब्जी खाने के बाद हर कोई चाहता है कि वह कुछ अलग और स्वादीष्ट खाने को मिले। ऐसे में आप अपने मेन्यू में हींग का दही तड़का को जरूर शामिल करना चाहिए। ये ना सिर्फ खाने में टेस्टी होता है बल्कि ये बनाने में भी बहुत आसान होता है। ये बड़ों से लेकर बच्चों तक को बहुत पसंद आएगा।

सामग्री

दही 3 कप, 2 प्याज, आधा से भी कम चम्मच हींग, 2 बारीक कटी हुई मिर्च, बारीक कटी हुई धनिया पत्ती

2 चम्मच सरसों का तेल, 2 लहसुन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वाद अनुसार।

विधि हींग दही तड़का बनाने के लिए सबसे पहल एक बड़े बर्तन में दही 4 कप दही निकालें। अब दही को अच्छी तरह से फेंटें। आप चाहें तो दही को ग्राइंडर जार में डालकर अच्छी तरह से ब्लेड कर सकते हैं। दही को फेटने के बाद उसमें 2 कप पानी मिलाएं।

अब गैस ऑन करें और उस पर कड़ाही रखें। जब कड़ाही गर्म हो जाए तब उसमे 2 चम्मच सरसों का तेल डालें। जब तेल हल्का गर्म हो जाए तब उसमे आधा चम्मच जीरा, 2 बारीक कटी हुई मिर्च, लहसुन के टुकड़े, आधा से भी कम चम्मच हींग तेल में डालें। कुछ सेकेंड्स के बाद अब इसमें 2 बड़े आकर में कटा प्याज डालें। अब प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। जब प्याज हलक भून जाए तब उसमे आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच हल्दी, और आधा चम्मच गर्म मसाला मिलाएं। अब प्याज पूरी तरह से रोस्ट हो चुका है अब इस मिक्स को जो हमने दही का बैटर तैयार किया है उसमें मिलाएंगे। अब दही को अच्छी तरह से चलाएंगे और उसमें नमक स्वाद अनुसार भी मिलाएंगे। आपका हींग दही तड़का तैयार है।

रात को कभी न छोड़े जूठे बर्तन
बन सकता हैं दुर्भाग्य का कारण

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि रात में किचन में जूठे बर्तन छोड़ना अशुभ माना जाता है। इसके कारण अनेक समस्याएं हो सकती हैं, जैसे धन की हानि और परिवार के बीच विवाद। इसलिए, यह अच्छा होता है कि हम समय पर अपने किचन को साफ रखें। इसी के साथ चलिए आपको बताते हैं रत को जूठे बर्तन रख कर सोने से किस तरह का नुकसान आपके जीवन में हो सकता है। हमारे घरों में कई छोटी-छोटी आदतें होती हैं जो हमारी किस्मत और सुख-समृद्धि को प्रभावित कर सकती हैं। भारतीय परंपराओं के अनुसार, रात को बर्तन जूठे छोड़ने की आदत को भी महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और घर में धन-धान्य की कमी हो सकती है।

क्यों महत्वपूर्ण है रात को बर्तन धोना?

स्वच्छता और स्वास्थ्य : रात को बर्तन धोने से घर में सफाई रहती है। गंदे बर्तन खाद्य पदार्थों के सड़ने का कारण बन सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। स्वच्छता बनाए रखने से आप बीमारियों से बच सकते हैं और परिवार का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। **धन और समृद्धि :** भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि रात को बर्तन धोने से मां लक्ष्मी, जो धन और समृद्धि की देवी हैं, खुश होती हैं। जब बर्तन साफ-सुथरे होते हैं, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और लक्ष्मी माता घर में स्थायी रूप से निवास करती हैं। **रात की शांति :** रात को बर्तन धोने से घर में अराजकता नहीं रहती। गंदे बर्तन आपके मन को भी अस्थिर कर सकते हैं। जब बर्तन साफ होते हैं, तो आप शांति से सो सकते हैं और एक नई ऊर्जा के साथ दिन की शुरुआत कर सकते हैं। **रात को बर्तन धोने के फायदे :** नियमित रूप से बर्तन धोने से घर में धन और समृद्धि बनी रहती है। इसे एक अच्छी आदत मानकर नियमित रूप से पालन करें। रात को बर्तन धोने की आदत से आप अनुशासन और स्वच्छता की ओर कदम बढ़ाते हैं, जो आपके जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सकारात्मक प्रभाव डालती है।

कैसे बनाएं इसे आदत?

हर रात बर्तन धोने का एक नियमित समय निर्धारित करें। इससे यह आदत का हिस्सा बन जाएगी। परिवार के सभी सदस्यों को इसमें शामिल करें। यह न केवल आपके काम को हल्का करेगा, बल्कि एक सामूहिक प्रयास से परिवार में बेहतर सहयोग भी बनेगा। बर्तन धोने को एक कष्ट के रूप में नहीं, बल्कि एक अच्छी आदत और मां लक्ष्मी की कृपा को आकर्षित करने के एक अवसर के रूप में देखें। इस तरह, रात को बर्तन जूठे छोड़ने की आदत से बचने के लिए आप अपने घर में स्वच्छता और समृद्धि को बनाए रख सकते हैं।

ब्यूटी इंडस्ट्री का नया ट्रेंड स्किन फास्टिंग

आज के समय में त्वचा की सेहत को लेकर लोग बेहद सतर्क हो गए हैं। बाजार में कई महंगे प्रोडक्ट्स और ब्यूटी ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ लोग इसे प्राकृतिक और हल्के तरीके से सुधारना चाहते हैं। इसी के चलते 'स्किन फास्टिंग' का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को रोजमर्रा के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, हेवी क्रीम्स और केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। स्किन फास्टिंग का उद्देश्य त्वचा को रेस्ट देना, उसे खुद को रिजनरेट करने का समय देना और नेचुरल ग्लो वापस लाना है। यहां इस लेख में हम आपको बताएंगे ये क्या है और इसके फायदे क्या हैं। **स्किन फास्टिंग क्या है-** स्किन फास्टिंग एक

ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को समय-समय पर कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, जैसे कि मॉइस्चराइजर, मेकअप, सनस्क्रीन और अन्य टॉपिकल केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। इसका उद्देश्य त्वचा को खुद को रीजेनरेट करने का समय देना और प्राकृतिक ग्लो वापस लाना है। इसे सप्ताह में 1-2 दिन अपनाना सबसे सुरक्षित माना जाता है। **त्वचा को क्या लाभ मिलता है-** जब त्वचा को आराम मिलता है, तो यह अपने ऑयल बैलेंस को ठीक करने लगती है। स्किन फास्टिंग से पोर क्लियर होते हैं, ब्लैकहेड्स कम होते हैं और प्राकृतिक नमी बनती है। इस प्रक्रिया से सेल रिजनरेशन भी तेज होती है, जिससे नई त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है। **कौन कर सकता है स्किन फास्टिंग-** स्किन फास्टिंग हर प्रकार की त्वचा के लिए फायदेमंद है, लेकिन खासकर ऑयली और एक्ने प्रोन स्किन वालों के लिए यह बेहद उपयोगी है। ड्राई स्किन वाले लोग हल्का मॉइस्चराइज़र या हाइड्रेटिंग फेस मिस्ट इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि अत्यधिक ड्राईनेस से बचा जा सके।

सिर्फ हंसने के ही नहीं रोने के भी हैं कई फायदे

रोना एक बेहद सामान्य क्रिया है, जो किन्हीं इमोशन्स या अन्य फैक्टर्स से ट्रिगर होने की वजह से होता है। लेकिन क्या आपने कभी यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कुछ भावनाओं को महसूस करने पर हमें रोना क्यों आता है। दरअसल, कई शोध में पाया गया है कि रोना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। रोने से आपकी मानसिक और शारीरिक सेहत को काफी फायदा पहुंचता है। आइए जानते हैं रोने आपकी सेहत को क्या फायदे मिल सकते हैं। **वजन कम होता है :** रोने से कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन कम होता है। आपने ध्यान दिया होगा कि जब आप दुखी होते हैं, तो आपका वजन कम होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि रोने से कैलोरी

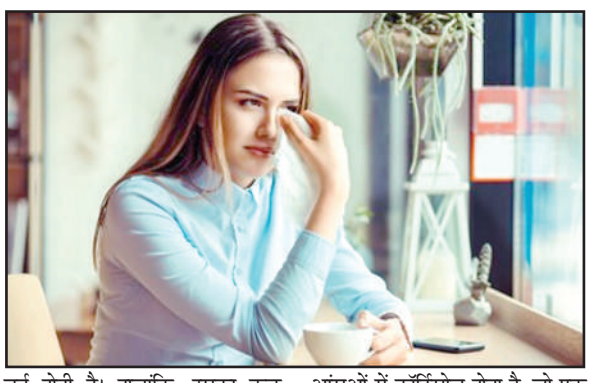

बर्न होती है। हालांकि, इसका कुछ कनेक्शन यह भी हो सकता है कि जब आप दुखी होते हैं, तब आपको भूख कम लगती है। **तनाव कम होता है :** रोते समय आपकी आंखों से निकलने वाले आंसुओं में कॉर्टिसोल होता है, जो एक स्ट्रेस हार्मोन होता है। आंसू के जरिए ये हार्मोन बाहर निकलते हैं, जिनकी वजह से तनाव कम होता है। इसलिए आपने अगर ध्यान दिया होगा, तो रोने के बाद आप कम स्ट्रेस महसूस करते हैं। **आंखें साफ होती हैं :** रोन से आंखें साफ होती हैं। दरअसल, आंख में कोई कचरा, धूल-मिट्टी या अन्य कुछ चला जाता है, तो आपकी आंखों से आंसू निकलने लगते हैं। ऐसे ही रोते वक्त भी आंखें साफ होती हैं। दरअसल, आंसुओं में एक प्रकार का एंजाइम होता है, जिसे लाइजोजाइम कहते हैं। यह बैक्टीरिया आदि को मारता है, जिससे आंखों के इन्फेक्शन का खतरा कम होता है। **दर्द से आराम मिलता है :** आपने ध्यान दिया होगा कि जब भी आपको चोट लगती है या बहुत दर्द होता है, तो आपको रोना आने लगता है और कई बार तो न चाहते हुए भी आंसू निकलने लगते हैं।

सिजोफ्रेनिया में बना रहता है भ्रम और सुनाई देती हैं डरावनी आवाजें

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। हम सभी अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान देते रहते हैं पर मेंटल हेल्थ को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं काफी गंभीर हो सकती हैं? सिजोफ्रेनिया ऐसी ही एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती है। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को वास्तविकता की धारणा में भ्रम होता है। ये व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति, सोचने-समझने की क्षमती सभी को प्रभावित कर सकती है। **सिजोफ्रेनिया और इसका खतरा** कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर आवाज पर शक होता हो, हर चेहरा अजनबी लगता हो और खुद की सोच भी परायी लगने लगती हो। सिजोफ्रेनिया वास्तव में यही है। सिजोफ्रेनिया का आपके शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है परिणामस्वरूप रोगियों के लिए दैनिक जीवन के कार्य भी काफी कठिन हो जाते हैं।

सिजोफ्रेनिया होने के कारण क्या हैं- स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सिजोफ्रेनिया बीमारी किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि इसके लिए कई

जैविक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। अगर परिवार में किसी को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत रही है, तो इससे अन्य लोगों में भी होने की आशंका बढ़ जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि डोपामिन और ग्लूटामेट जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है, इसके कारण भी सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमण, ऑक्सीजन की कमी, या पोषण की कमी से दिमागी विकास पर असर पड़ सकता है। बचपन में भावनात्मक आघात, अकेलापन, गरीबी या सामाजिक अलगाव भी सिजोफ्रेनिया को ट्रिगर कर सकती है।

सिजोफ्रेनिया हो जाए तो क्या करें- सिजोफ्रेनिया मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति है जिसका समय पर इलाज कराना जरूरी है। अगर आपको घर में किसी व्यक्ति में सिजोफ्रेनिया जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो जल्द से जल्द मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास ले जाएं। दवाइयां, थेरेपी और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट की मदद से सिजोफ्रेनिया की जटिलताओं को कम किया जा सकता है। दवाएं दिमाग में डोपामिन जैसे रसायनों का संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। साइकोथेरेपी और काउंसलिंग की मदद से जीवन के कार्यों को आसान बनाया जा सकता है। लाइफस्टाइल मैनेजमेंट जैसे नशे से दूर रहना, योग और ध्यान का अभ्यास लक्षणों को बेहतर तरीके से मैनेज करने में मदद करती हैं।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ सोमवार, 1 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके 1948 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ प्रथम ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे। दशमी तिथौ सोम वासरे 12/11/ ज्येष्ठा नक्षत्रे 28/09/ सिद्ध योग 27/16/ कौलव करणे 16/47/ धनु राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार-

मेष : पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति बखूबी करेंगे। शेयर्स स्हा में अर्थ लाभ होगा। वाहन मकान का सुख मिलेगा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष : वाद विवाद पर विजय प्राप्त होगी। कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति होगी। नियमित दिनचर्या रहेगी। राजनेता का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन : प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के पानी से हर्ष होगा।

कर्क : आर्थिक मामलों में चल रहा प्रयास सफल होगा। वाणी पर संयम रखने के कारण बिगड़ते कार्य बनते दिखाई देंगे। रचनात्मक कार्य सफल होंगे।

सिंह : किसी मूल्यवान वस्तु के पानी के अभिलाषा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में चल रहा प्रयास सफल होगा मित्रों से संबंध प्रगाढ़ होंगें।

कन्या : संबंधित अधिकारी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में किसी धार्मिक उत्सव के कारण प्रसन्नता रहेगी। नेत्र पीड़ा से पीड़ित होंगे।

तुला : समारोह तथा गोष्ठियों में जाने का अवसर प्राप्त होगा। सत्तापक्ष से अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा। ऋण लेने की स्थिति बनेगी।

वृश्चिक : राजकीय सम्मान लेने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहें। राज्य अधिकारी वर्ग से हानि होगी। यात्रा का योग है।

धनु : किसी सूचना से प्रसन्नता व भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक व्यय की पूर्ति के लिए स्हा लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी होंगे।

मकर : किसी मित्र के आगमन की सूचना से मन प्रसन्न होगा। व्यवसाय की स्थिति सामान्य रहेगी। भाग्य से धन बढ़ेगा।

कुंभ : आर्थिक लेनदेन निपट सकेगा। विरोधी की ओर से परेशानी होगी। भाग्य से धन बढ़ेगा। मन में आशंका रहेंगी।

मीन : आर्थिक मामलों में जीवनसाथी से विवाद होगा। व्यापार व्यवसाय में हानि हो सकती है। बढ़ते व्यय से समस्याएं होंगी।

मेले में श्रद्धालुओं की आस्था चरम पर

स्वतंत्रभारत, रामनगर, बाराबंकी। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर लोधेश्वर महादेवा में आयोजित मेले में श्रद्धालुओं की आस्था चरम पर है। दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में शिवभक्त दंडवत परिक्रमा करते हुए लोधेश्वर धाम पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर सहित सभी प्रमुख मार्गों पर भक्तिमय माहौल बना हुआ है।मलमास के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए रविवार से ही भक्तों के जत्थे मंदिर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालु कठिन तपस्या के साथ दंडवत परिक्रमा कर रहे हैं।महादेवा मंदिर से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम लालपुर भरथीपुर से संदीप, प्रवेश, आनंद, अनिरुद्ध, अनंतराम और नवमीलाल सहित करीब 30 श्रद्धालुओं का जत्था बुधवार को दंडवत परिक्रमा यात्रा पर निकला था। वहीं सीहामऊ गांव से बब्बू, अमरेश, देव, शिवा, दुर्गेश और गोविंद के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने शुक्रवार से लगभग 12 किलोमीटर की दंडवत परिक्रमा शुरू की।इसके अलावा ग्राम बिछलखा से शनिवार को करीब 40 शिवभक्तों का एक अन्य जत्था यात्रा पर रवाना हुआ। इस दल में छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जो पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में सहभागी बने हुए हैं।रविवार को सभी जत्थे मंदिर मार्ग पर दंडवत परिक्रमा करते हुए लोधेश्वर धाम की ओर बढ़ते रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि सोमवार को मंदिर पहुंचकर स्वयंभू लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करेंगे।उधर, मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और पुलिस व्यवस्था बनाए रखने में जुटी है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

तीन दिवसीय मेला आयोजित

स्वतंत्रभारत जैदपुर बाराबंकी। विकास खंड मसौली की ग्राम जकरिया में मुसाफिर शाह रहमतुल्लाह बाबा की दरगाह पर लगने वाले तीन दिवसीय मेला के तीसरे दिन बदायूं से आये मशहूर कव्वाल तस्लीम आरिफ ने अपने कलाम से बांधा समा। जायरीनों ने रातभर कव्वाली का लिया आनंद,मेले के तीसरे दिन मशहूर कव्वाल तस्लीम आरिफ कव्वाल ने ख्वाजा साहब की शान में ÷रुतबा ए शब्बीर (हिरनी के बच्चे का वाकिया),दिल को छू गया ये अंदाज सलाम का,या ख्वाजा या नवाज,किसे है पता कहकशा में मोहम्मद,आदि कव्वाली की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी।इस अवसर पर ग्राम प्रधान अनिल वर्मा,बी डी सी रिजवान,मो0 इमरान, मास्टर इबादुर्हमान ,दिवान अनुज कुमार दीक्षित, दिवान कुलदीप कुमार,कांस्टेबल गौरव,एस आई उदय चंद्र, पूर्व प्रधान मो0 जाबिर,राम हर्ष आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

वैज्ञानिकों द्वारा आधारभूत सर्वेक्षण किया गया संपन्न

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। कृषि विज्ञान केंद्र बाराबंकी के वैज्ञानिकों द्वारा यूपीकार परियोजना के अंतर्गत त्रिवेदीगंज विकास खंड के तेजवापुर गांव में एक व्यापक आधारभूत सर्वेक्षण (बेसलाइन सर्वे) किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों का आकलन करना, तकनीकी अंतराल (टेक्नोलॉजी गैप) की पहचान करना तथा किसानों के समक्ष मौजूद प्रमुख कृषि संबंधी समस्याओं का अध्ययन करना था।यह सर्वेक्षण डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. रूपन रघुवंशी तथा डॉ. रिंकी कुमारी चौहान द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों से संवाद कर फसल प्रणाली, कृषि प्रबंधन पद्धतियों, उपलब्ध संसाधनों तथा उत्पादन संबंधी चुनौतियों की विस्तृत जानकारी एकत्रित की।सर्वेक्षण के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीकों के अपनाने की स्थिति का भी मूल्यांकन किया गया तथा उन प्रमुख तकनीकी अंतरालों की पहचान की गई जो कृषि उत्पादकता और लाभप्रदता को प्रभावित करते हैं। सर्वेक्षण से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि विकास एवं प्रसार कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।इसके अतिरि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों से मृदा नमूने भी एकत्र किए, जिनका प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाएगा। मृदा परीक्षण के परिणामों के आधार पर किसानों को संतुलित पोषण प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य सुधार संबंधी वैज्ञानिक सलाह प्रदान की जाएगी।वैज्ञानिकों ने बताया कि सर्वेक्षण एवं मृदा विश्लेषण से प्राप्त जानकारी यूपीकार परियोजना के आगामी कार्यक्रमों के लिए आधार का कार्य करेगी तथा किसानों की आय वृद्धि, कृषि उत्पादकता में सुधार एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों के प्रसार में सहायक सिद्ध होगी।

खबर एक नजर

मामूली बात को लेकर महिला एवं उसके समधी की पिटाई

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। मामूली सी बात को लेकर विपक्षियों ने गाली गलौज एवं मारपीट करते हुए महिला का सिर फोड़ दिया। बीच बचाव करने आए समधी की भी पिटाई कर दी। समाधि की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। कस्बा व कोतवाली के कुरैशी वार्ड निवासी सभासद मो0 इशहाक पुत्र इकबाल अली ने बताया कि उनकी पुत्री सोफिया की ससुराल ब्रम्हनान वार्ड में हैं। रविवार को वह अपनी पुत्री की ससुराल गया था तभी सुबह लगभग 07.30 बजे किसी बात को लेकर मोहल्ले के मुन्ना पुत्र भल्लू, रिजवान रेहान व एजाज पुत्रगण मुन्ना व मैसर जहाँ व अफरोज जहां पुत्री पुरबिहा एक राय होकर मेरी पुत्री की सास साजिदा पत्नी मो हफीज को लाठी डंडा लेकर गाली गलौज देते हुए मारने पीटने लगे। जिससे मेरी पुत्री की सास सिर में चोट लगने से बेहोश हो गयी। तथा बीच बचाव के दौरान मुझे भी चोटें आयीं हैं।

जबरन शादी का दबाव, न मानने पर नवविवाहिता को धमकी, रिपोर्ट दर्ज

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के एक गांव की नवविवाहिता ने एक युवक पर जबरन शादी का दबाव बनाने, अशोभनीय हरकतें करने, फर्जी मुकदमे में फंसाने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता के अनुसार उसका विवाह 14 अप्रैल 2026 को हुआ था। विवाह से पहले अमेठी जनपद के थाना इन्हौना क्षेत्र निवासी मनोज यादव उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा था। महिला का आरोप है कि युवक लगातार उससे संपर्क कर विवाह करने के लिए दबाव बनाता था। जब उसने उसकी बात नहीं मानी और अपनी इच्छा से विवाह कर लिया, तो आरोपी उसे और उसके पति को फोन पर धमकाने लगा।महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल क्षेत्र निवासी रमन सिंह चौहान, जो मनोज यादव का मित्र है, ने उसके पति के मोबाइल पर फोन कर स्वयं को पुलिस चौकी इन्हौना से बताया। आरोप है कि उसने कहा कि मनोज यादव उसके पास आया है, शादी रद्द कर दो और लड़की को उसके पास भेज दो, अन्यथा रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया जाएगा। पीड़िता का कहना है कि उसके पास इस बातचीत की रिकॉर्डिंग भी सुरक्षित है।महिला का यह भी आरोप है कि आरोपी लोगों के बीच यह कहता फिर रहा है कि जैसे ही वह घर से बाहर निकलेगी, उसे उठा लिया जाएगा। लगातार मिल रही धमकियों से पीड़िता और उसके ससुराल पक्ष के लोग भय और तनाव में हैं।

पैसा जमा करने आए विद्युत उपभोक्ता ने किया हंगामा

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के पलिया स्थित विद्युत उपकेंद्र में रविवार को बिजली बिल जमा करने पहुंचे एक युवक और उसके साथ मौजूद महिला पर उपकेंद्र परिसर में हंगामा करने का आरोप लगाया गया है। हंगामा के चलते भयभीत कर्मचारियों के केंद्र से चले जाने से कैश काउंटर बन्द रहा, जिससे उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना प?ा। कैशियर द्वारा खराब नोट लेने से मना करने पर हंगामा किए जाने का मामला सामने आया हैं।पुलिस को दिए गए प्रार्थनापत्र में विद्युत विभाग के संविदा कर्मी दिनेश तिवारी ने बताया कि रविवार की दोपहर कैथी गांव की विद्युत उपभोक्ता केश कुमारी अपने पति के साथ बकाया बिल जमा करने आयी थी। दो सौ का एक नोट बहुत ही खराब स्थिति मे था, कैशियर ने उसे लेने से मना कर दिया। मना करते ही बिल जमा करने आये दंपति ने हंगामा शुरु कर दिया और फोन करके अपने साथियों को बुला लिया।साथ देने आई क्षेत्र की एक दबंग महिला ने पूरे स्टाफ को गाली देते हुए डंडा लेकर कैशियर को दौडा लिया, जिससे पावर हाउस पर अफरा-तफरी मच गई। कैशियर काउंटर छोड़कर भाग खडा हुआ। हंगामे के कारण लगभग चार घंटे तक बिल जमा करने का काम बाधित रहा।क्षेत्रीय लोंगो ने बताया कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता पाने व गलत मंशा के तहत सामाजिक लोंगो को निशाना बना रहे हैं।एस एच ओ बेचू सिंह यादव ने बताया शिकायती पत्र मिला है जांच की जा रही है।

रेलमेध यज्ञ सबका साथ सबका विकास का मूर्त रूप

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। धर्मजागरण रेलमेध यज्ञ के माध्यम से सबको जल सहित मिष्ठान वितरित करने का अभियान चला रहा है, इस जल वितरण कार्यक्रम में न कोई छुआछूत की भावना है न ऊँच नीच की और ना ही निर्धन और धनवान होने से मतलब है। सभी धर्मसेवक इस प्रकार अपरिचित रेलयात्रियों को जल मिष्ठान वितरित कर रहे हैं जैसे कोई अपने घनिष्ठ सगे संबंधी को जल पिला रहा हो। इस प्रकार आप धर्मसेवक बंधु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ सबका विकास की भावना को मूर्त रूप दे रहे हैं। यह विचार वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज वर्मा कक्का ने बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर अमित अवस्थी अधिवक्ता संयोजक, धर्मजागरण बाराबंकीधाम उ.प्र. द्वारा चलाए जा रहे जल वितरण कार्यक्रम में धर्मसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।समाजसेवी पवन जैन ने धर्मसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रेलों में आप लोग जिस प्रकार से जल सहित मिष्ठान वितरण कर रहे हैं उससे क्षेत्रवाद,भाषावाद, जातिवाद,उत्तर दक्षिण, पूरब पश्चिम, जैसी कुत्सित मानसिकता का दमन हो रहा है यही राष्ट्रवाद है। इस अवसर पर आलोक सिंह, वेद तिवारी, इंद्रजीत सिंह, डॉ. मयंक दीक्षित, रितेश मिश्रा, शैलेंद्र श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, पवन मिश्रा, आशीष शरण गुप्ता, वरुण मिश्रा, योगेंद्र सिंह, प्रदीप नायर, राजेंद्र यादव, युगल किशोर दीक्षित, यतीद्र सिंह, विजय श्रीवास्तव, अभिषेक गौतम, मुनीश श्रीवास्तव, शिव शंकर वर्मा, तेजस, बलजीतअरोड़ा, नरेंद्र त्रिपाठी, शंकर शरण अवस्थी, सूर्यकांत दीक्षित, पुष्कर सिंह, सुरेंद्र चतुर्वेदी, अखंड प्रताप सिंह आदि धर्म सेवक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जर्जर कटका पुल पर दौड़ रहे मिट्टी लदे डंपर, हादसे का बढ़ा खतरा

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। चौकाघाटङ्कमरकामऊ मार्ग पर स्थित कटका पुल लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। पुल की खराब हालत को देखते हुए इसके बगल में नए पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। निर्माण के लिए की जा रही खुदाई से पुराने पुल की दीवारों की नींव तक नीचे से हिल चुकी है और मिट्टी तक हट गई है जिससे यह पुल और खतरे वाला हो गया है। अभी तक छोटे वाहन निकल रहे लेकिन दो दिनों से मिट्टी लदे ओवर लोड डंपर धड़ल्ले से निकलना शुरू हो गए जिससे दुर्घटना की संभावना बन गई है। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड एक पर सवाल खड़े हो रहे हैं क्यों कि यह पुल इन्हीं के जिम्मे है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर लोडेड वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है इसके बावजूद मिट्टी से लदे डंपर धड़ल्ले से पुल पार कर रहे हैं जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोडेड वाहनों के प्रतिबंधित होने के बावजूद संचालन जारी रहने से विभाग व पुलिस की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं।यदि जर्जर पुल पर लगातार मिट्टी लदे डंपरों का दबाव बना रहा और किसी दिन पुल क्षतिग्रस्त होकर दुर्घटना हो गई तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी यह बड़ा सवाल बना है। स्थानीय नागरिकों ने पुल पर भारी वाहनों के आवागमन को तत्काल रोकने की मांग की है ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

पश्चिम बंगाल के शिवभक्त पहुंचे महादेवा

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। पश्चिम बंगाल के शिवभक्त प्रणेश कुमार घोष अपनी लंबी पदयात्रा के दौरान रविवार को जिले की रामनगर तहसील स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम पहुंचे। उन्होंने यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और अपनी यात्रा की सफलता की कामना की।प्रणेश कुमार घोष ने बताया कि उन्होंने 3 मार्च को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के गीतलदहा बाजार से अपनी धार्मिक पदयात्रा शुरू की थी। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश के प्रमुख शिवधामों के दर्शन करना और भगवान शिव की भक्ति का संदेश लोगों तक पहुंचाना है। रविवार को उनकी पदयात्रा के 89 दिन पूरे हो चुके हैं, जबकि इस पूरी यात्रा को 18 माह में पूरा करने का लक्ष्य है।घोष ने बताया कि वह बेंगलुरु एयरपोर्ट पर नौकरी करते थे, जिसे छोड़कर अब वे महादेव की भक्ति में लीन हो गए हैं। अपनी यात्रा के प्रारंभिक चरण में उन्होंने झारखंड स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में दर्शन-पूजन किया था। इसके बाद वे विभिन्न धार्मिक स्थलों और शिवधामों में आशीर्वाद प्राप्त करते हुए आगे बढ़े। लोधेश्वर महादेव धाम में दर्शन के बाद, वे सोमवार सुबह हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेंगे।हरिद्वार पहुंचने के बाद उनकी यात्रा ऋषिकेश, राम झूला, लक्ष्मण झूला, यमुनोत्री, गंगोत्री, गौरीकुंड, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम तक पैदल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भगवान शिव के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा, समर्पण और विश्वास का प्रतीक है।इस यात्रा में उनके साथ श्यामल दास भी शामिल हैं, जो काशी विश्वनाथ धाम से उनके साथ जुड़े हैं। दोनों श्रद्धालु कठिन परिस्थितियों और लंबी दूरी के बावजूद पूरी निष्ठा के साथ अपनी पदयात्रा जारी रखे हुए हैं। उन्होंने लोगों से आशीर्वाद और सहयोग की अपील करते हुए कहा कि समाज का प्रेम, समर्थन और उत्साहवर्धन ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मनाई गई राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती

स्वतंत्रभारत जैदपुर बाराबंकी। क्षेत्र के विकास खण्ड मसौली ग्राम बासा में राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर जगदीश प्रसाद धनगर के आवास पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष केवल प्रसाद रहे जबकि संचालन ओमप्रकाश वर्मा ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने राजमाता अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनके जीवन व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि केवल प्रसाद ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासनकाल में समाज सेवा धर्म और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सामाजिक धार्मिक एवं शैक्षिक विकास के लिए कार्य करना चाहिए। साथ ही उन्होंने राजमाता की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रत्येक परिवार से अपने घर में उनका चित्र लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सहज राम धनगर, सूर्य प्रकाश धनगर, कुलदीप धनगर, श्रीकेशन धनगर, विद्या प्रसाद, मनीष कुमार, रूपनारायण, रामबख्श धनगर, रामविलास, राममिलन, नंदकिशोर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम प्रशासन की भारी लापरवाही, राहगीर हुआ घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) दर्शननगर सूर्यकुण्ड के पास नाले का ढक्कन खुला रहने से एक राहगीर उसमें गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। कई घंटे उस नाले में वह पड़ा रहा। अयोध्या कोतवाली के दर्शननगर चौकी पुलिस ने जब सूचना पाया तो तुरन्त राहगीर को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया जो कि स्थिति अब ठीक-ठाक बतायी जा रही है। इसी तरह नगर निगम की लापरवाही देखने को जगह-जगह मिल रही है। अयोध्या कोतवाली के दर्शननगर पुलिस चौकी का मानवीय चेहरा उस समय सामने आया जब राहगीर को निकाल करके तुरन्त अस्पताल में भर्ती कराया। नगर निगम के प्रशासन क्यों नहीं नाले का ढक्कन बंद कराते हैं जबकि इनके पास सारी सुविधा उपलब्ध है। इतना रुपया खर्च होने के बाद भी ऐसी घटनायें सामने आ रही हैं जिससे जनता आक्रोशित हो उठती है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रामनगर में नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी आयोजित

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय स्वतविश्वविद्यालय की रामनगर, बाराबंकी शाखा द्वारा भारत सरकार के *नशा मुक्त भारत अभियान* के अंतर्गत *विश्व तंबाकू निषेध दिवस* के अवसर पर रामनगर में नशा मुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को तंबाकू तथा अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाईयों ने नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक हानियों की जानकारी देते हुए लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए बताया गया कि तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावि करते हैं, बल्कि परिवार और समाज की खुशहाली पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।इस अवसर पर राजयोग मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि राजयोग ध्यान व्यक्ति के विचारों को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है, आत्मबल बढ़ाता है तथा तनाव, अवसाद और नशे जैसी बुरी आदतों से मुक्ति पाने में सहायक सिद्ध होता है। लोगों को नियमित मेडिटेशन अपनाकर स्वस्थ, सुखी और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा दी गई।कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। आयोजकों ने कहा कि जन-जागरूकता और आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से ही नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

जिला प्रशासन बाढ़ से निपटने के लिये पूरी तरह तैयार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्टीयरिंग कमेटी की बैठक समय समय पर आयोजित की गई, जिसमें बाढ़ बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसी क्रम अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमित कुमार भट्ट ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रही तैयारी का जायजा लिया। बैठक में बताया गया कि जनपद की तीन तहसीलें–सदर, सोहावल एवं रुदौली–आंशिक रूप से बाढ़ से प्रभावित होती हैं। बाढ़ संभावित क्षेत्रों में तहसील सदर के माझा मोड़ाडीहा, माझा मुंडाडीहा बस्ती, माझा सलेमपुर, माझा पूरे चेतन, माझा पीपरी संग्राम, माझा मड़ना, माझा रामपुर पुवारी एवं माझा काजीपुर, तहसील सोहावल के माझा कला तथा रुदौली तहसील के कैथी माझा मजरा कैथी, सराय नासिर, पसेया, संडरी एवं उधरौरा सहित अन्य गांव शामिल हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय से बाढ़ चौकियों की स्थापना सुनिश्चित की जाए तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से ही पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता, अस्थायी शौचालयों की स्थापना एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आपदा की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार रहें। राहत सामग्री, नावों, बचाव उपकरणों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद प्रशासन बाढ़ की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं तैयार है तथा आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महापौर एवं नगर आयुक्त ने स्वच्छता अभियान में सरयू तट पर की सफाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) स्वच्छ और सुंदर अयोध्या के संकल्प को साकार करने के लिए रविवार को नगर निगम ने एक रविवार, हर परिवार करे गंदगी पर वार अभियान चलाया तो शहर में अभूतपूर्व जनसहभागिता देखने को मिली। हाथों में झाड़ू और स्वच्छता का संदेश लिए हजारों नागरिक, पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, विद्यार्थी और स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य सड़कों पर उतर आए। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार संग लता चौक से सरयू तट तक झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की। रविवार को प्रातःकाल 7.00 बजे से शहर के विभिन्न वार्डों, प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों एवं बाजारों में सफाई अभियान चलाया गया। लोगों ने अपने घरों, मोहल्लों और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अभियान के दौरान अयोध्या वासियों ने ने कूड़ा निर्धारित स्थानों पर डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ भी ली। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि जब पूरा समाज मिलकर स्वच्छता के लिए आगे आता है, तब शहर की तस्वीर बदल जाती हैं। उन्होंने बताया कि निगम क्षेत्र के लगभग पांच सौ स्थानों पर एक साथ सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें 50 हजार नगर वासियों ने हिस्सा लिया। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि नगर के सभी 60 वार्डों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पाण्डेय ने बताया कि जनसहभागिता और उत्साह से परिपूर्ण इस महाअभियान ने अयोध्या में स्वच्छता के प्रति नई चेतना का संचार किया। अभियान में राम का घर के प्रबंधक आलोक सिंह राना, उम्मीद संस्था की रीना सिंह उम्मीद संस्था की रुचिरा सिंह, शैल कुमारी, जोगिंदर कौर, आशीष कौर आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने अध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव की अगवाई में जिला अस्पताल परिसर में सफाई कर अभियान को सफल बनाया। सफाई अभियान में शामिल विधायक वेदप्रकाश गुप्त ने कहा कि लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता लाने में चिकित्सकों की भूमिका काफी अहम है।

खबर एक नजर

सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला समेत तीन लोग घायल

ऊँचाहार, रायबरेली। अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गये, जिसमें गम्भीर रुप से घायल एक युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पहली घटना गदागंज थाना क्षेत्र के लल्ही की चक्की चौराहे के पास की है, जहां रविवार की सुबह दो बाइकों की भिड़ंत में एक बाइक पर सवार बिटूला 60 वर्ष व अंश 14 वर्ष निवासी केवलपुर बरेथा थाना जगतपुर घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि दोनों लोग गोकना घाट से गंगा स्नान करके घर लौट रहे थे। दूसरी घटना मदारीगंज मोड़ की है, जहाँ रविवार की दोपहर दो बाइकों की भिड़ंत में बाइक सवार अनुज जायसवाल 24 वर्ष निवासी पट्टी रहस कैथवल घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोग सीएचसी आये थे, जिसमें अनुज जायसवाल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

भाई ने अपने दो छोटे भाइयों के सिर पर बोतल से किया हमला

ऊँचाहार, रायबरेली। मामूली बात पर सगे भाई ने अपने दो छोटे भाइयों के सिर पर बोतल से हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया, जिसमें एक घायल को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है, पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फतेहपुर जिले के खागा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नया पुरवा गाँव निवासी सोनू व राजेश सगे भाई है और दोनों की ऊँचाहार कस्बे में जोखूलाल के घर में ससुराल है।शनिवार को दोंनो भाई अपने मंझले भाई मोनू को लेकर ससुराल आये थे। इस दौरान राजेश की पत्नी पिंकी व सोनू की पत्नी रीता भी थी। शनिवार की देर शाम सभी घर लौट रहे थे, तभी खरौली गंगा पुल पर बातों ही बातों में सोनू ने छोटे भाई मोनू व राजेश के सिर पर कांच की बोतल से हमला कर दियाए हमले में दोनो भाई लहूलुहान हो गये, स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस द्वारा घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने राजेश को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कार्यवाहक कोतवाल संजय कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जायेगी।

औघड़ आश्रम मुंशीगंज में सैकड़ों मरीजों को दी गई पथरी की दवा

रायबरेली। श्री सर्वेश्वरी समूह औघड़ आश्रम मुंशीगंज में रविवार के दिन पूर्व की तरह ही सैकड़ों पथरी रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक दवा का वितरण किया गया। दवा वितरण करने वाले रामप्यारे मौर्य जी ने मरीजों को दवा लेने का तरीका बताएं तथा दवा लेते समय किस.किस चीज का परहेज करें इसे कैसे खाएं इन सब चीजों के विषय में आए हुए मरीजों को विस्तार से समझाया। आए हुए मरीजों में कई पुराने मरीज़ थे जो इससे पहले यहां से दवा ले जाकर उसे खाकर अपनी बीमारी में राहत महसूस कर रहे थे और उनके साथ ही सैकड़ों नए मरीज भी दूर दराज से दवा लेने औघड़ आश्रम मुन्शीगंज आए। औघड़ आश्रम मुंशीगंज में हर रविवार को आयुर्वेदिक पद्धति से दवा वितरण का यह कार्यक्रम सुचारु रूप से चलता रहता है हर रविवार को सैकड़ों लोग दवा लेने आश्रम पहुंचते हैं। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सहयोग करने वालों में बृजेश सिंह, रमेश सिंह, सेवादारो में प्रशांतमणि सिंह गोलू सिंह, विनोद जायसवाल, गोविंद सिंह एडवोकेट, विवेक सिंह राठौर एडवोकेट, विवेक शर्मा एडवोकेट, कुलभूषण ओझा एडवोकेट, दिवाकर सिंह एडवोकेट, मोहित यादव एडवोकेट, गोवर्धन बहादुर सिंह एडवोकेट, रामचंद्र आदि लोग प्रमुखता से मौजूद रहे।

नारी शक्ति की अनोखी मिसाल थी राजमाता होलकर-इ. वीरेंद्र

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार प्रसिद्ध शासक राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट रायबरेली में एक विचार गोष्ठी जिला अध्यक्ष इण्वीरेंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित कर मनायी गयी। उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष इ. वीरेंद्र यादव ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर न्याय साहस वीरता एवं नारी शक्ति की अनोखी मिसाल थीं उन्होंने कहा अहिल्याबाई होलकर ने पति ससुर एवं बेटे को खोकर भी टूटी नहीं बल्कि मालवा राज्य के लोगों की माँ बन गयी उनके अट्ठाइस वर्ष के शासन काल में कोई भूखा नहीं सोया न ही कोई अन्याय हुआ। प्रदेश सचिव डा. शशिकांत शर्मा ने कहा कि वर्तमान में बेटियों को अहिल्याबाई होलकर के पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा मिले निश्चित ही देश अपने आप विश्वगुरु बन जायेगा। कार्यक्रम को चौ सुरेश निर्मल, राजेंद्र यादव, मो अरशद खान, राजेश मौर्य, सुरजीत सिंह, जगदेव यादव, आफताब अहमद रज्जू, पुत्तन सिंह, श्रवण आज़ाद, आकाश मौर्य, इजहार अहमद अज्जू, पवन पटेल, नरेंद्र पाल, अजय यादव, शिवदुलारी यादव, गुड़िया देवी, सुरेश पासी, बलराज राना, अमरजीत यादव आदि ने संबोधित करते हुए राजमाता अहियाबाई होलकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा किया।कार्यक्रम में अनेकों लोगों ने राजमाता के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भीषण अग्निकांड में बेघर हुए परिवारों की मदद के लिए लोगो बढाया हाथ

महराजगंज रायबरेली। क्षेत्र के महाराजपुर जनई में बीते दिनों हुए भीषण अग्निकांड में बेघर हुए परिवारों की मदद के लिए समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने हाथ बढ़ाया है। रविवार को बछरावां सपा विधायक श्याम सुंदर भारती के सुपुत्र आदर्श भारती की अगुवाई में पीड़ितों रामदास पासी, सजन पासी, दशरथ पासी, रामलखन, कलावती, राजेश पासी के घर पहुंचकर उन्हें राहत सामग्री अनाज, बर्तन एवं कपड़े आदि देकर मदद की और भविष्य में भी मदद देने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर समर यादव, फिरोज अहमद, राम सेवक, वीरेंद्र यादव, कृष्णकांत, राजकुमार लोधी, अमित तिवारी, सतीश, राम नरेश, राजेंद्र मौर्य, प्रशांत लोहिया, राम मिलन, हरिकेश, संजय, आशीष, सुखलाल रावत आदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर के लोगों को 2 नए फ्रीजर की दी सौगात

महराजगंज रायबरेली। प्रधानमंत्री आवासों की स्थित देखने वार्ड में पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू ने नगर के लोगों को 2 नए फ्रीजर की सौगात दी है इसी के साथ एक तालाब का सौंदर्यीकरण कराए जाने की भी घोषणा की है। रविवार को कस्बे के पूरे रानी वार्ड में बन रहे 20 प्रधानमंत्री आवासों का नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू ने निरीक्षण किया और आवास की दूसरी किस्त जल्द ही जारी करवाए जाने का आश्वासन दिया। वही पूरे रानी में स्थित एक तालाब का सौंदर्यीकरण करवाए जाने के लिए प्रस्ताव भेजने की बात कही। इसी के साथ भीषण गर्मी में लोगों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 2 फ्रीजर जिसमें एक पूरे रानी और एक फ्रीजर पूरे सुखई चौराहे पर जगह चिन्हित किया है और जल्द ही फ्रीजर लगाने की घोषणा की है। वार्ड के लोगों ने शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर अध्यक्ष सरला साहू एवं प्रभात साहू की धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जनपद में 07 परीक्षा केन्द्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 सकुशल सम्पन्न

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ ने बताया है कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी राज्य नोडल अधिकारी द्वारा आयोजित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 जनपद के 07 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में सकुशल संपन्न हुई। जिसमें प्रथम पाली में कुल 2715 परीक्षार्थियों में से 2510 उपस्थित 205 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में कुल 2715 परीक्षार्थियों में से 2512 उपस्थित 203 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर मनाई अहिल्या बाई होल्कर की जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की जयंती पर कांग्रेस कार्यालय तिलकभवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहाकि महारानी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की एक कुशल, न्यायप्रिय और लोकप्रिय आदर्श शासक एवं राजनीतिक प्रशासक रही हैं, वह एक लोक कल्याणकारी शासक थीं, जिन्होंने अपने राजकोष का अधिकतम संभव सदुपयोग जनहित के कार्यों और धर्म कार्य के लिये किया। दरअसल वह अपने को शासक नहीं, ईश्वर की सेविका मानती थीं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन जनकल्याण के लिये समर्पित कर दिया, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनकी शिक्षा सहित सशक्तिकरण हेतु काम किया। शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने कहा की भेदभाव रहित होकर जनता की सेवा के चलते अहिल्याबाई को लोक माता कहा गया। उन्होंने जातीय और साम्प्रदायिक सौहार्द के लिये जिस तरह काम किया, उससे इतिहास में उनकी छवि सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं पुनरुत्थान के साथ साथ एक सेकुलर या धर्मनिरपेक्ष शासक की रही है। सभी धर्मों के लोगों को उन्होंने समान रूप से संरक्षण दिया और सबके न्यायोचित हितों का ध्यान रखा। कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने कहा की महारानी अहिल्या बाई होल्कर सामाजिक एवं साम्प्रदायिक सद्भावना की मिसाल जैसी शासिका रहीं। अपने शासन काल में उन्होंने सोमनाथ, बद्रीनाथ, मथुरा, अयोध्या, केदारनाथ, रामेश्वर एवं गया के विष्णुपद मंदिर सहित जहां हजारों मंदिरों का निर्माण या जीर्णोद्धार कराया और धर्मशालायें, प्याऊ एवं कुओं एवं तालाबों का लोकहित में निर्माण कराया, वहीं काशी में मध्यकाल में थोड़े गये विश्वनाथ मंदिर पुनर्निर्माण सहित घाट, दीप स्तम्भ, कुंड आदि बनवाये। इसके बावजूद काशी में पुराने विश्वनाथ मंदिर पर बनी ज्ञानवापी की मस्जिद की जगह किसी तोड़ फोड़ के टकराव की जगह उसके बगल में उन्होंने नये विश्वनाथ मंदिर का निर्माण विद्वत सभा के विमर्श से करवाया था। इस तरह धर्म और संस्कृति के लिये भी काम किया, तो टकराव एवं द्वंद्व को कहीं आमंत्रित किये बिना और समाज में सद्भाव एवं भाईचारे को आहत किये बिना। अपनी इस तरह की रीति नीति के चलते अहिल्याबाई सर्व समाज के विश्वास की प्रतिनिधि शासक रहीं। फलतः लोकजीवन में उनके प्रति व्यापक समादर का भाव रहा है। काशी में मणिकर्णिका घाट पर उनकी प्रतिभा स्थापित थी, लेकिन यह दुर्भाग्य का विषय रहा कि पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार ने विकास के नाम पर उस हेरिटेज स्थल पर भारी तोड़ फोड़ के क्रम में महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा तक भी तोड़ दी, जिसकी जन-मानस में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। शासन प्रशासन ने विरोध बढ़ने पर उसके लिये खेद जताने की जगह पूरे मामले को नकारने की ही कोशिश की। इस तरह अहिल्याबाई होलकर का एक राजतंत्रीय शासक के रूप में भी जीवन, कृतित्व एवं यश लोकतांत्रिक आदर्श, सामाजिक समरसता एवं समावेशी भावना की नजीर रहा है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था में काम करते हुये भी नफरत और विभेद की राजनीति करने वालों सबक लेना चाहिए। दूसरी ओर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समरसता भाव से काम करने वालों को उनसे समावेशी एवं सद्भावना युक्त राजनीति की प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिये। इस अवसर पर विजय शंकर अग्निहोत्री, राजकुमार दीक्षित, जेपी त्रिपाठी, सुनील सिंह भदौरिया, सूर्यकुमार बाजपेई, सर्वोत्तम मिश्र, मनोज मिश्रा, आरके सिंह, अजीजुल हसन, शादाब खान, केसी शुक्ल, नितिन कुमार, मोहम्मद सुहैल, पोलू खान, सत्येंद्र श्रीवास्तव सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

ऊँचाहार, रायबरेली। समाधान दिवस के दौरान मिली शिकायत की जांच करने गये लेखपाल के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है, लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरबन्धनपुर मजरे पट्टी रहस कैथवल गाँव निवासी रमेश कुमार ने बीते दिनों समाधान दिवस में सरकारी नाली की पैमाइश को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। शनिवार को क्षेत्रीय लेखपाल रूपेश कुमार मामले की जांच में पहुंचे थे, आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने गाली गलौज करते हुए लेखपाल से मारपीट की और सरकारी दस्तावेज भी फाड़ डाले। लेखपाल से मारपीट करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। कार्यवाहक कोतवाल संजय कुमार शर्मा ने बताया कि लेखपाल की तहरीर के आधार पर पट्टी रहस कैथवल गाँव के अमित उपाध्याय के विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

बाल लीलाओं और अहिल्या उद्धार प्रसंग से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली। छतोह विकास क्षेत्र के पछुआबारा गांव में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। विख्यात कथा व्यास पंडित धर्मेश हरि महाराज ने भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों की बाल लीलाओं तथा अहिल्या उद्धार का मार्मिक प्रसंग सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को भाव.विभोर कर दिया। कथा व्यास ने बताया कि बाल्यकाल में प्रभु श्रीराम ने माता कौशल्या को अपना विराट चतुर्भुज स्वरूप दिखाकर दिव्यता का परिचय दिया। उन्होंने भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए माखन चुराने, सखाओं के साथ खेलकूद करने, गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने तथा खेल.खेल में राक्षसों के भय को दूर करने की घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया। कथा के दौरान संगीत मंडली के मधुर भजनों और आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अहिल्या उद्धार प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि जब महर्षि विश्वामित्र भगवान राम और लक्ष्मण को लेकर मिथिला जा रहे थे तब मार्ग में महर्षि गौतम का आश्रम पड़ा, जो श्राप के कारण वीरान हो चुका था। विश्वामित्र के अनुरोध पर भगवान श्रीराम ने आश्रम में प्रवेश कर शिला बनी अहिल्या को अपने चरणों का स्पर्श देकर श्रापमुक्त किया और उनका उद्धार किया। पंडित धर्मेश हरि महाराज ने कहा कि प्रभु की बाल लीलाएं उनकी सरलता, सहजता और भक्तों के प्रति प्रेम का संदेश देती हैं, जबकि अहिल्या उद्धार का प्रसंग यह बताता है कि भगवान के चरणों का स्पर्श अज्ञान रूपी पत्थर को भी ज्ञान और मुक्ति में परिवर्तित कर सकता है। कथा में मुख्य यजमान संतोष सिंह भदौरिया, श्रीमती रेखा सिंह, आयुष प्रताप सिंह, पीयूष प्रताप सिंह, रमाशंकर श्रीवास्तव, सुरेंद्र बहादुर श्रीवास्तव, मनोज द्विवेदी, श्याम बहादुर सिंह बबलू सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

विश्व तंबाकू दिवस पर नशे के दुष्प्रभाव के बारे में दी गई जानकारी

डलमऊ में गायत्री परिवार एवं अंकल जी हेल्थ केयर सर्विसेज के संयुक्त सहयोग से आयोजित हुआ तंबाकू निषेध दिवस!

स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली। बीते दिन नगर क्षेत्र डलमऊ के अंदर विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक अभियान चलाया गया। मुराई बाग कस्बे के पड़वा नाला स्थित अंकल जी हेल्थ केयर सर्विसेज एवं गायत्री परिवार शाखा डलमऊ के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई जहां पर विशेषज्ञों द्वारा तंबाकू के सेवन एवं नशीले पदार्थों से होने वाले विकार एवं दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आर्यन दीप पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू व नशीले पदार्थ से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया तथा समाज को नशीले पदार्थ जैसे तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गुटका, खैनी आदि व्यस्नों से दूर रहने का संदेश दिया आयोजकों ने प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मनो चिकित्सा डॉ विदिया सिंह एवं बाल मनो चिकित्सा डॉ स्निग्धा अवस्थी ने तंबाकू एवं नशीले पदार्थों से होने वाली बीमारियों एवं दुष्प्रभावों से बचाव के तरीके बताए तथा इससे जुड़ी जानकारी देते हुए लोगों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस मौके पर डॉ प्रदीप गुप्ता, डॉ प्रियंका गुप्ता, अंजली गुप्ता, शीतला प्रसाद गुप्ता, कार्यक्रम संचालक सुधांशु त्रिपाठी, शिक्षक महेश प्रताप यादव, राहुल गुप्ता, रोहित गुप्ता, गायत्री परिवार जिला समन्वयक अनिल श्रीवास्तव, सतीश साहू, उदय बजाज, गणेश साहू, प्रदीप शुक्ला, सरयू प्रसाद सोनकर, घनश्याम जायसवाल एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रत्याशी घोषित होने बाद पहली बार रायबरेली पहुँचे एमएलसी उमेश का भव्य स्वागत

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सतांव, रायबरेली। विधान परिषद के प्रस्तावित चुनाव में भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद पहली बार रायबरेली पहुँचे शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी का बछरावां मे सैकड़ों शिक्षकों ने भव्य स्वागत किया। माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष पुष्पेन्द्र तिवारी ने अनेक वरिष्ठ शिक्षकों के साथ उमेश द्विवेदी का माल्यार्पण किया और कहा कि उन्हे पुनः भारी मतों जिता कर विधान परिषद मे भेजा जायेगा।

शिक्षक विधायक के स्वागत के मौके पर पुष्पेन्द्र तिवारी के अलावा गणेश मिश्रा, योगिता सिंह, भगवान कुमार अवस्थी, अरुण सिंह चौहान, रमेश वर्मा, पवन यादव, आलोक कुमार, सत्येंद्र शुक्ल, अनुज कुमार, मोनू, अभिनव अवस्थी, अखिलेश कुमार, सुशील कुमार सिंह, आशीष शुक्ला, डॉ लवपाल सिंह, राजीव मिश्रा, राजेंद्र कुमार, सुरेंद्र चौधरी, अरुण यादव एवं अनेक स्कूलों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आज्ञा शरण सिंह के एनटीपीसी से सेवानिवृत्त होने पर दी गई भावभीनी विदाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। एनटीपीसी ऊंचाहार के सर्वाधिक लोकप्रिय और पूरे जिले के सबसे चर्चित कर्मचारी नेता आज्ञा शरण सिंह एनटीपीसी में सैंतीस वर्षों की लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। श्री सिंह की सेवानिवृत्ति पर आयोजित अभिनंदन समारोह एक यादगार उत्सव साबित हुआ जब अधिकारियों से लेकर आम कर्मचारियों ने उन्हें संस्था के निष्ठावान कर्मचारी के साथ साथ इंटक संगठन में अजातशत्रु की तरह उन्हें नवाजा। परियोजना प्रमुख बिस्व मोहन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित अभिनंदन समारोह में श्री सिंह और उनके परिवार का शाल ओढ़ा कर अभिनंदन किया गया तथा ऊंचाहार परियोजना में उनके ऐतिहासिक कार्यकाल की मुक्तकंठ से सराहना की गई। श्री सिंह परियोजना के जनसंपर्क विभाग में कार्यरत रहकर एनटीपीसी और रायबरेली के पत्रकारों के बीच समन्वय और सदभाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान किया। परियोजना प्रमुख बीएम सिंह ने आज्ञा शरण सिंह की कृतज्ञ सराहना करते हुए कहा कि उनकी सेवानिवृत्ति से जो खालीपन आया है उसकी भरपाई बहुत मुश्किल है। मानव संसाधन प्रमुख पंकज कुमार ने कहा कि आज्ञा शरण सिंह एक कर्मचारी और एक नेता के रूप में संतुलन बनाकर जिस तरह दोनों भूमिका का निर्वाह किया है वह अन्य लोगों के लिए एक उदाहरण है। मीडिया प्रबंधन में श्री सिंह को जो महारत हासिल है वह बहुत ही यादगार और एनटीपीसी के लिए वरदान है। महाप्रबंधक दिलीप कुमार साहू, एसयू हरिदास, अधिकारी संघ के राष्ट्रीय नेता शशिकांत राय, अपर महाप्रबंधक हरलीन सचदेवा सहित एटक यूनियन के सचिव रविंद्र कुशवाहा, इंटक यूनियन के महासचिव राहुल कनौजिया, कर्मचारी कल्याण समिति के सचिव नागेन्द्र प्रताप सिंह, रचना पाल, लघु शंकर यादव, शिवपाल यादव, सुरेन्द्र बिंद गौतम, निषाद सुदाम गुप्ता सहित अनेक लोगों ने अपने संबोधन श्री सिंह को एक कर्मयोगी के साथ साथ एनटीपीसी इंटक यूनियन को प्रतिष्ठित करने व असीम ऊंचाई तक ले जाने वाला असाधारण नेता बताया। इंटक नेताओं ने कहा कि श्री सिंह उन सबके लिए एक रोल मॉडल की तरह हैं।

अपने नेता के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए इंटक यूनियन ने खुले रथ में उन्हें व उनकी पत्नी को बैठाकर यात्रा निकाली जिसमें सैकड़ों परिवारों ने भागीदारी करके उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। सभी लोग डांस करते हुए पूरे परिसर की परिक्रमा की तथा पटाखे दगा कर अपने नेता का स्वागत किया। मंदिर में पूजा अर्चना की गई तथा सभी का मुंह मीठा कराया गया। एनटीपीसी के निदेशक अनिल जादली, शिवम श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक सी कुमार, इंटक के केंद्रीय नेता बाबर सलीम पाशा, केपी चंद्रवंशी, नंदी साहू, रामू मिश्रा, सांसद अमेठी के एल शर्मा सहित सैकड़ों नेताओं, एनटीपीसी के शीर्ष प्रबंधन के सदस्यों ने श्री सिंह को दूसरी पारी के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं हैं।

हाई कोर्ट लखनऊ के पैनल में एमिकस क्यूरी बने अधिवक्ता अंकित पांडेय, क्षेत्र में खुशी की लहर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली। सलोन तहसील अंतर्गत छतोह विकास क्षेत्र के ग्राम रमसापुर मजरे लहेंगा निवासी युवा अधिवक्ता अंकित पांडेय को हाई कोर्ट लखनऊ के पैनल में एमिकस क्यूरी न्याय मित्र नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। अधिवक्ता अंकित पांडेय एक प्रतिष्ठित विधिक परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता रावेंद्र प्रसाद पांडेय जिला एवं सत्र न्यायालय रायबरेली के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, जबकि उनके ताऊ डॉण् नागेंद्र प्रसाद पांडेय सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। न्यायिक क्षेत्र में अंकित पांडेय की इस उपलब्धि को परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए सम्मानजनक माना जा रहा है। एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्ति मिलने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रीय विधायक अशोक कुमार कोरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुखवीर सिंह मोनू, पूर्व प्रमुख नरेंद्र बहादुर सिंह, जिला सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष कामतानाथ सिंह, प्रधान सत्यदेव सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव द्विवेदी, राहुल द्विवेदी, अविनाश पांडेय एडवोकेट तथा समाजसेवी एवं राजनेता तुलसी राम पासी सहित अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता अंकित पांडेय ने कहा कि यह सम्मान क्षेत्रवासियोंए शुभचिंतकों और वरिष्ठजनों के आशीर्वाद तथा विश्वास का परिणाम है।

उन्होंने न्याय और जनहित से जुड़े मामलों में सदैव निष्पक्षता और निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त करते हुए सभी के प्रति आभार जताया। अंकित पांडेय की इस उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है तथा लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के गौरव से जोड़कर देखा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस जनजागरूकता वॉकाथॉन आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के सामुदायिक चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा 30 मई को डिग्री कॉलेज चौराहा, क्षेत्र में जनजागरूकता वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तंबाकू एवं निकोटीन की लत के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया तथा तंबाकू मुक्त समाज का संदेश दिया गया। वॉकाथॉन का शुभारंभ एम्स रायबरेली की कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं एवं आमजन को तंबाकू एवं निकोटीन की लत से दूर रहने का संदेश दिया तथा तंबाकू त्याग हेतु दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से सिटी मजिस्ट्रेट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वॉकाथॉन में एम्स रायबरेली के फैकल्टी सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, विभागीय स्टाफ , कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वॉकाथॉन के दौरान छात्रों एवं प्रतिभागियों द्वारा तंबाकू मुक्त युवा, जन-जन का एक ही नारा तंबाकू मुक्त देश हमारा, आदि जागरूकता नारों के माध्यम से लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। प्रो. डॉ. भोला नाथ ने तंबाकू सेवन के बढ़ते बोझ एवं उसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जनजागरूकता गतिविधियों में सामान्यतः वही लोग भाग लेते हैं जो तंबाकू का सेवन नहीं करते, जबकि तंबाकू सेवन करने वाले लोगों को भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए ताकि वे तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक हो सकें और तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान विभाग द्वारा संचालित तंबाकू निषेध एवं तंबाकू परामर्श सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सामुदायिक चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा तंबाकू निषेध क्लिनिक संचालित किया जा रहा है, जहां तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को परामर्श एवं सहायता प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा ग्रामीण एवं सामुदायिक स्तर पर भी नियमित रूप से तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाती हैं। डॉ नीरज पवार ने कार्यक्रम का समन्वय किया तथा तंबाकू सेवन के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों एवं युवाओं पर इसके बढ़ते प्रभाव के संबंध में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्य डॉ मुकेश शुक्ला, वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ मानस, पीजी छात्रों, डॉ शशांकए इंटर्न अक्षत पांडेय, विभागीय स्टाफ एवं अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. भोला नाथ के मार्गदर्शन तथा डॉ नीरज पवार के समन्वय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं, में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तंबाकू मुक्त एवं स्वस्थ समाज की दिशा में सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था।

राजनीतिक दलों की आड़ में घुसपैठ की कोशिश

ओजीडब्ल्यू को बचाने के लिए नई रणनीति

श्रीनगर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब जम्मू-कश्मीर में अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति अपना रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आईएसआई ने अपने समर्थकों और ओजीडब्ल्यू को राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में घुसपैठ करने के निर्देश दिए हैं ताकि

- आईएसआई की साजिश का खुलासा

वे सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई और जांच से बच सकें। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए ओजीडब्ल्यू से पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि कुछ लोग राजनीतिक दलों की आड़ में भी सक्रिय हैं। उनका उद्देश्य आतंकवादी संगठनों को लॉजिस्टिक सपोर्ट, भर्ती और फंडिंग उपलब्ध कराना है। सूत्रों के अनुसार आईएसआई की यह रणनीति आतंकवादी गतिविधियों को स्थानीय आंदोलन का रूप देने और पाकिस्तान की सीधी भूमिका को छिपाने की कोशिश है। इसके तहत पुराने और निष्क्रिय हो चुके आतंकी संगठनों जैसे अल-उमर मुजाहिदीन, अल बद्र और तहरीक-उल-मुजाहिदीन को फिर से सक्रिय करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि पहले भी संदिग्ध लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए वोटर आईडी और आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल करते रहे हैं, और अब राजनीतिक दलों की सदस्यता कार्ड का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक नेतृत्व का इन गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। साथ ही यह भी बताया कि सुरक्षा एजेंसियां इन नेटवर्कों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

एमपी के शिवपुरी में हिंसक कुत्तों का उत्पात

शिवपुरी। शिवपुरी शहर की गलियों में खौफ है। ये खौफ किसी अपराधी का नहीं, दबंग या रंगदार का नहीं बल्कि हिंसक हो चुके शहरी कुत्तों का है। एक ही आवारा कुत्ते ने महज एक घंटे के भीतर आठ इलाकों को दहशत में डाल दिया। करीब 50 से अधिक लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर काटा और घायल कर दिया। सबसे दर्दनाक

- दो साल की वेदिका का चेहरा नोंचा, 35 टांके लगे; 50 से अधिक लोगों को काटा

मंजर नवाब साहब रोड पर दिखा, जहां घर के बाहर खेल रही दो साल की मासूम वेदिका कुशवाह पर कुत्ते ने हमला कर दिया। बच्ची के गाल, कान और होंठ बुरी तरह नोच डाले। लहूलुहान वेदिका को परिजन जिला अस्पताल लेकर भागे, जहां डॉक्टरों को उसके मासूम चेहरे पर 35 टांके लगाने पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शनिवार शाम 4.30 से 5.30 बजे के बीच कुत्ते ने शहर के आठ अलग-अलग इलाकों में आतंक मचाया। महल के पीछे स्थित कॉलोनी में भी 2 साल की एक बच्ची पर जानलेवा हमला हुआ। बच्ची गंभीर रूप से घायल है और जिला चिकित्सालय में भर्ती है। इधर, सब्जी मंडी में सब्जी व्यापारी पर झपट्टा मारने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। व्यापारी जान बचाकर भागा, लेकिन पैर में गहरे जख्म हो गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि शनिवार को ही शहर में 50 से अधिक लोग आवारा कुत्तों का शिकार बने। स्कूल से लौटते बच्चे, बाजार में महिलाएं, बुजुर्ग राहगीर किसी को नहीं बख्शा। जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने वालों की भीड़ देर रात तक लगी रही।

चार जून से राहुल गांधी उत्तराखंड में करेंगे चुनावी शंखनाद

तैयारियां परखने दून पहुंचीं कुमारी सैलजा

देहरादून। देहरादून में कांग्रेस कार्यकर्ता नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे की तैयारी में जुटे हैं। वही, आज व्यवस्थाओं की समीक्षा और जायजा लेने प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा देहरादून पहुंचीं। उनके आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रेसवार्ता कर कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी के चार व पांच जून को उत्तराखंड दौरे से चुनावी शंखनाद करेंगे। कांग्रेस 2027 के चुनाव के लिए एक जुट है।

राहुल गांधी के दौरे के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। वहीं, उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चार धाम यात्रा में प्रदेश सरकार देश दुनिया के श्रद्धालुओं को तो बुला रही है लेकिन व्यवस्था करने में पूरी तरह से नाकाम है। इस बार जनता सब जवाब देगी। राहुल गांधी के दो दिवसीय दौरे के लिए प्रदेश कांग्रेस तैयारियों में जुट गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अल्मोड़ा में होने वाली रैली और पौड़ी में पूर्व सैनिक सम्मेलन के लिए मोर्चा संभाल लिया है। विधानसभा व लोकसभा चुनाव में लगातार शिकस्त मिलने के बाद 2027 में सत्ता वापस की उम्मीद लगाए कांग्रेस को नई ऊर्जा देने के लिए राहुल गांधी का दौरा अहम माना जा रहा है। वर्ष 2021 में राहुल गांधी उत्तराखंड आए थे। इसके बाद विधानसभा उपचुनाव, लोकसभा चुनाव और वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें उत्तराखंड आने का वक्त नहीं मिला। 2027 के चुनाव के लिए कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व उत्तराखंड में सक्रिय नजर आ रहा है। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा कुमाऊं व गढ़वाल मंडल का पांच-पांच दिन का पहले ही दौरा कर चुकी है। अब चार व पांच जून को राहुल गांधी के दौरे पर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है।

एक नजर

मां ने तीन बेटियों को पिलाया जहर कुएं में डूबे चाचा-भतीजे

शहडोल। शहडोल के अंतिम छोर पर स्थित पपौंध थाना क्षेत्र में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर हुई दो अलग-अलग दर्दनाक घटनाओं ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। पहली घटना में एक महिला और उसकी तीन मासूम बेटियों की कीटनाशक सेवन से मौत हो गई, जबकि दूसरी घटना में खेलते समय कुएं में गिरने से चार वर्षीय चाचा-भतीजे की जान चली गई। दोनों घटनाओं में कुल छह लोगों की मौत होने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, हिरवार गांव निवासी अनिता सिंह (32) अपनी तीन बेटियों रितिका सिंह (7), कृष्णकुमारी सिंह (4) और अर्पिता सिंह (2) के साथ घर में रहती थी। उसका पति वाहन चालक है और रोजगार के सिलसिले में दूसरे जिले में गया हुआ था। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम अनिता ने पहले अपनी तीनों बेटियों को कृषि कार्य में उपयोग होने वाली कीटनाशक दवा पिलाई और बाद में स्वयं भी उसका सेवन कर लिया। घटना के कुछ देर बाद सभी की हालत बिगड़ने लगी। इसी दौरान एक बच्ची घर से बाहर निकलकर पड़ोसियों तक पहुंची और बताया कि उसकी मां ने उसे और उसकी बहनों को कीटनाशक पिलाया है तथा स्वयं भी खा लिया है। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को खबर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर फैल गई। परिजन और ग्रामीण भी इस घटना से स्तब्ध हैं।

भोजन की नली में फंसे कांच के टुकड़े को डॉक्टरों ने निकाला

आधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक की ली मदद

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने 40 वर्षीय मरीज की भोजन की नली (इसोफेगस) में फंसे 2 गुणा 1 सेंटीमीटर आकार के नुकीले कांच के टुकड़े को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचाई। मरीज पिछले 15 दिनों से खाना निगलने के दौरान दर्द की शिकायत से परेशान था। जांच में पता चला कि भोजन नली में कांच का टुकड़ा फंसा हुआ है। इसके बाद अस्पताल के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्व पांडे और जनरल सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा की टीम ने आधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक की मदद से बिना किसी अतिरिक्त चोट या जटिलता के इसे सुरक्षित रूप से बाहर निकाल दिया। डॉक्टरों ने बताया कि भोजन नली में फंसी नुकीली वस्तु गंभीर खतरा बन सकती है और शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उपचार के बाद मरीज को निगरानी में रखा गया और स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आतंकी के मददगार पुलिसकर्मी की बर्खास्तगी बरकरार

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने पाकिस्तानी आतंकी को छिपने में मदद करने के आरोपी पुलिस कांस्टेबल की बर्खास्तगी को बरकरार रखा है। सिंगल बेंच के आदेश को पलटते हुए डिवीजन बेंच ने उसे अधूरा और गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण करार दिया। अदालत ने माना कि राज्य की सुरक्षा के हित में नियमित विभागीय जांच न करने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद थी। जस्टिस संजीव कुमार और जस्टिस संजय परिहार की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ दायर अपील को मंजूरी दी।फैसले में पुलिस विभाग में चालक के पद पर तैनात कांस्टेबल गुलाम मोहम्मद तांत्रे की बर्खास्तगी को रद्द कर दिया गया था। तांत्रे की 1991 में पुलिस विभाग में भर्ती हुई थी। दो अप्रैल, 2007 को एक आदेश के जरिये सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल ने पूर्व संविधान की धारा 126(2)(सी) का इस्तेमाल करते हुए की थी जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के अनुरूप है। यह प्रावधान किसी सरकारी कर्मचारी को बगैर विभागीय जांच बर्खास्त करने की इजाजत देता है।

सीएम धामी ने बालिकाओं के साथ सुनी मोदी के मन की बात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास की बालिकाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

- फिर किया छात्राओं से संवाद

के 134 वें संस्करण को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक सशक्त माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा कर, अन्य लोगों को भी जनहित के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नवाचार, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर निरंतर दिए जा रहे संदेश, समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन रहे हैं। कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तराखंड में भी कई ऐसे लोग हैं, जो अपने कार्यों से समाज में बड़े-बड़े परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने का कार्य भी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कार्यक्रम में आज प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने देसी एवं पारंपरिक पेय पदार्थों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए आम सहित भारतीय फलों की विशेषताओं का उल्लेख भी किया। मुख्यमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के बाद नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास की छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया और उनके विचार जाने। मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अपनी रूचि के अन्य क्षेत्रों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक परिवर्तन बड़े बदलावों का आधार बनते हैं। आपके अच्छे प्रयासों और कार्यों से अन्य लोग भी प्रेरित होकर जुड़ते हैं तथा समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।

हिमाचल : 500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, आठ पर्यटकों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक कार के 500 मीटर गहरी खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार देर रात चुराह उपमंडल के बैरगढ़-सच दर्रा-किलर सड़क पर हुई, लेकिन स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी शनिवार दोपहर को मिली। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब कार हिमाचल प्रदेश के सबसे कठिन रास्तों में से एक, बर्फ से ढके सच दर्रे की ओर जा रही थी। चुराह से भाजपा विधायक हंस राज ने पीटीआई को बताया कि बचाव अभियान जारी है, लेकिन खड़ी ढलान और खराब मौसम के कारण शवों को निकाला नहीं जा सका है। इलाका दुर्गम है और वहां फोन का सिग्नल नहीं है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान रविवार सुबह फिर से शुरू होगा। इससे पहले पता चला था कि कोलकाता और बंगलूरू से पहाड़ों की सैर करने आए दो बच्चों समेत आठ पर्यटक और टैक्सी चालक लापता हो गए हैं। आशंका जताई जा रही थी कि उनका टैक्सी वाहन सचे जोत मार्ग पर करीब 500 फीट गहरी खाई में जा गिरा है।

आठवें दिन सेना को मिला आतंकी ठिकाना

राजोरी। लश्कर-ए-तैयबा और पीएएफएफ से जुड़े पाकिस्तानी आतंकियों की तलाश में मंजाकोट क्षेत्र के डोरिमल जंगल में जुटी सेना को ऑपरेशन शेरूवाली के तहत शनिवार को आठवें दिन बड़ी सफलता मिली। रायन इलाके में आतंकियों का ठिकाना मिला, जिसे ध्वस्त किया गया। मौके से खाने-पीने का सामान, एक गैस सिलिंडर, गैस चूल्हा और मिट्टी ढोने में इस्तेमाल होने वाला तसला (हेड पैन) बरामद हुआ है। आशंका है कि पाकिस्तानी कमांडो इलियास फौजी और

- सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद सामग्री जांच के लिए भेजी

अबू हमजा अपने कुछ साथियों के साथ जंगल में मौजूद हैं। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक तलाशी अभियान के दौरान बरामद सामग्री से पता चलता है कि इस ठिकाने का हाल ही में उपयोग किया गया है। आशंका है कि संदिग्ध आतंकी कुछ समय से यहां शरण लिए हुए थे। वे जंगल में लंबे समय तक ठहरने की तैयारी कर रहे थे। सेना, पुलिस, पैरा कमांडो, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से आतंकियों की तलाश में जुटी हैं। लेकिन अभी ठोस सफलता नहीं मिल सकी है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस दो से तीन पाकिस्तानी आतंकी क्षेत्र के घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों में छिपे हैं। उनकी तलाश में ड्रोन, अत्याधुनिक निगरानी उपकरण, खोजी कुत्तों और हेलिकॉप्टर की मदद ली जा रही है। जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की निरंतर हवाई निगरानी की जा रही है। आतंकियों के संभावित ठिकानों को निशाना बनाते हुए सेना की ओर से बीच-बीच में गोलाबारी की जा रही है। इसके अलावा, मल्टीपल ग्रेनेड लांचरों के माध्यम से भी संदिग्ध ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश जारी है। पूरा प्रयास है कि आतंकियों को जंगल से बाहर निकलने के लिए मजबूर किया जाए। एजेंसियों के अनुसार अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक आतंकियों का पता नहीं लगा लिया जाता।

पुलिस में नौकरी के नाम पर 25 लाख रुपये की ठगी

ठग ने खुद को डीजीपी का रिश्तेदार बताकर 10 लोगों को फंसाया

उज्जैन। उज्जैन में खुद को डीजीपी का रिश्तेदार बताकर पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ताओं ने एसपी कार्यालय उज्जैन में आवेदन देकर आरोप लगाया कि झारखेड़ी निवासी बालूसिंह पिता भेरूलाल वाड़िया ने पुलिस में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उनसे लाखों रुपये ठग लिए। आरोपी खुद को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना का रिश्तेदार बताता था और पुलिस विभाग में नौकरी लगवाने का भरोसा देता था। शिकायत के अनुसार आरोपी ने अलग-अलग 10 लोगों से तीन से चार लाख रुपये लेकर करीब 25 लाख रुपये वसूल किए, लेकिन किसी की भी नौकरी नहीं लगवाई। जब पीड़ितों ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

सीबीआई के सवालों से घबराईं गिरिबाला सिंह

भोपाल। एक्ट्रेस त्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई ने पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह से पूछताछ के दौरान कई अहम बिंदुओं पर जवाब मांगे हैं।

- एंग्जाइटी-घबराहट की शिकायत की
- सीसीटीवी, बॉडी पर चोटों के निशान को लेकर जवाब तलब

जांच का मुख्य फोकस कथित क्राइम सीन से छेड़छाड़, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित से जुड़े पहलुओं पर है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई की हिरासत में गिरिबाला सिंह ने एंग्जायटी और घबराहट की शिकायत की है। बताया जा रहा है कि वह लगातार बेचैनी की बात कहकर पूछताछ से बचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि, सीबीआई की ओर से एक महिला डीएसपी उनसे लगातार पूछताछ कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी ने पूर्व जज से पूछा कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में लगाए गए गंभीर आरोपों पर उनका क्या स्पष्टीकरण है और शिकायतकर्ता पक्ष के आरोपों के बावजूद उनकी भूमिका को सीमित क्यों माना जाए?

एजेंसी ने यह भी सवाल उठाया कि ट्रायल कोर्ट ने केस डायरी, गवाहों के बयान और मृतका के परिजन द्वारा लगाए गए आरोपों पर पर्याप्त विचार क्यों नहीं किया।

हालांकि, गिरिबाला सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बता रही हैं। उन्होंने सीबीआई के सामने यह आशंका भी व्यक्त की कि गर्भपात के बाद अवसाद में आने के कारण ट्विशा ने आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है।

पूछताछ के दौरान सीबीआई ने केस डायरी में दर्ज गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए यह जानने की कोशिश की कि कई गवाह और परिवार के सदस्य लगातार प्रताड़ना और क्रूरता के आरोप क्यों लगा रहे हैं? एजेंसी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटों का भी जिक्र किया। जांच अधिकारियों ने पूछा कि ट्विशा के शरीर पर मिले कथित मृत्यु-पूर्व चोटों के निशान कैसे आए और उस समय परिवार के सदस्य मौके पर मौजूद थे या नहीं।

साथ ही यह भी जानने का प्रयास किया गया कि ये चोटें शव को संभालने की सामान्य प्रक्रिया से मेल क्यों नहीं खातीं। सूत्रों के मुताबिक, इन सवालों पर गिरिबाला सिंह ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और अधिकांश समय खामोश रहीं।

इंदौर पहुंचे 1983 विश्व कप विजेता सैयद किरमानी

बोले- हमारे दौर और आज की क्रिकेट में जमीन-आसमान का फर्क

इंदौर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य सैयद किरमानी एक कार्यक्रम के सिलसिले में इंदौर पहुंचे। इस दौरान अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने अपने दौर की क्रिकेट और आज के खेल के बीच आए बड़े बदलावों पर खुलकर बात की।

किरमानी ने कहा कि उनके समय की क्रिकेट आज से बिल्कुल अलग थी। सुविधाएं सीमित थीं और खिलाड़ियों को आज जैसी पेशेवर मदद नहीं मिलती थी। उन्होंने कहा, हमारे साथ कोई कोच नहीं होता था। कोई यह बताने वाला नहीं होता था कि हमारी कमियां क्या हैं और किस पहलू में सुधार की जरूरत है। तकनीकी चीजें भी हमें खुद समझनी पड़ती थीं। हमने 1983 का विश्व कप बिना कोच के जीता था। उन्होंने बताया कि उस दौर में स्टेडियम और ड्रेसिंग रूम भी बेहद सामान्य होते थे। मैदानों की स्थिति भी आज जैसी नहीं थी। तब मैदान कम हरे-भरे होते थे, सुविधाएं भी सीमित थीं, लेकिन अब क्रिकेट पूरी तरह बदल चुकी है। खिलाड़ियों को हर तरह का सपोर्ट और आधुनिक सुविधाएं मिल रही हैं।

एक सवाल के जवाब में किरमानी ने महेंद्र सिंह धोनी को अपना पसंदीदा विकेटकीपर बताया। उन्होंने कहा, धोनी बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उन्होंने खूब नाम कमाया। वे शानदार बल्लेबाज भी थे और कप्तान के तौर पर भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी कहा कि बॉब टेलर, वसीम बारी और एलन नॉट भी उनके पसंदीदा विकेटकीपर रहे हैं। इन सभी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, उन्होंने कहा। किरमानी पर पुस्तक लिखने वाले लेखक दक्षेश पाठक ने बताया कि किरमानी ने भारत के लिए 88 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि जिन गेंदबाजों के साथ किरमानी ने विकेटकीपिंग की, वैसी चुनौती आज के दौर में कम देखने को मिलती है। पाठक ने कहा कि भगवत चंद्रशेखर जैसे गेंदबाज के पीछे विकेटकीपिंग करना आसान नहीं था। उनकी गेंदों को पकड़ना किसी भी विकेटकीपर के लिए बड़ी चुनौती होती थी। उन्होंने बताया कि किरमानी पर लिखी किताब को तैयार करने में छह साल लगे। इस दौरान 40 से अधिक लोगों के साक्षात्कार लिए गए। किरमानी जितने शानदार खिलाड़ी रहे हैं, उतने ही बेहतर इंसान भी हैं।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से नाखुश हैं लद्दाख के नागरिक

जम्मू। यह सच है कि लद्दाख भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक बन चुका है। बर्फ से ढके पहाड़, नीली झीलें, बौद्ध मठ और रोमांचक सड़क यात्राएं हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन

- संस्कृति और संसाधनों पर गंभीर दबाव का डर जता रहे

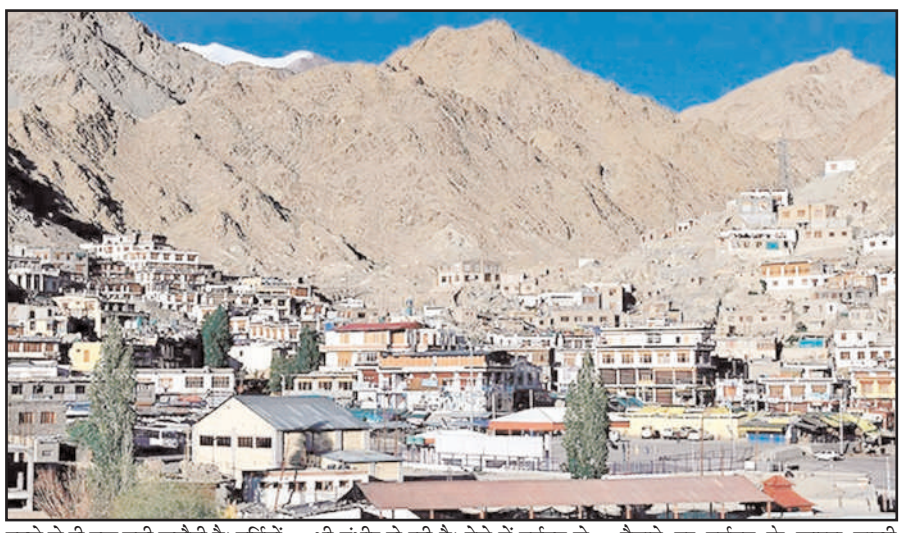

के क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिला है। होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी, रेस्तरां और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों की आय बढ़ी है। इसके बावजूद लद्दाख के अनेक नागरिक पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को लेकर चिंता जता रहे हैं। उनका मानना है कि अनियंत्रित पर्यटन इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण, संस्कृति और संसाधनों पर गंभीर दबाव डाल रहा है। लद्दाख एक शुष्क और ऊंचाई वाला क्षेत्र है, जहां प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। यहां पानी की उपलब्धता पहले से ही एक बड़ी चुनौती है। गर्मियों के दौरान जब पर्यटकों की संख्या अचानक बढ़ जाती है, तब होटलों, कैफे और अन्य पर्यटन प्रतिष्ठानों में पानी की खपत कई गुना बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे कई क्षेत्रों में जल संकट गहरा जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के सिकुड़ने से स्थिति और भी गंभीर हो रही है। ऐसे में पर्यटन से बढ़ती पानी की मांग स्थानीय समुदायों के लिए चिंता का विषय बन गई है। लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। यह क्षेत्र अपनी विशिष्ट बौद्ध संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों के लिए जाना जाता है। स्थानीय नागरिकों का एक वर्ग महसूस करता है कि बड़े पैमाने पर पर्यटन के कारण बाहरी संस्कृति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। कई बार पर्यटकों द्वारा स्थानीय परंपराओं और धार्मिक स्थलों का सम्मान न करने की शिकायतें भी सामने आती हैं। इससे सांस्कृतिक असंतोष पैदा होता है और लोगों को लगता है कि उनकी विरासत धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या के रूप में उभरा है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ प्लास्टिक कचरा, बोतलें, पैकेजिंग सामग्री और अन्य अपशिष्ट तेजी से बढ़े हैं। लद्दाख जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र में कचरे का निपटान आसान नहीं है। कई लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के आसपास कूड़े के ढेर दिखाई देने लगे हैं। स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को नुकसान पहुंच सकता है। यातायात का दबाव भी नागरिकों की परेशानी का कारण बन रहा है। पर्यटन सीजन में सड़कों पर वाहनों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है। लेह और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिलती है, जो कुछ वर्ष पहले तक दुर्लभ थी। बड़ी संख्या में आने वाले निजी वाहन और मोटरसाइकिलें वायु प्रदूषण तथा शोर प्रदूषण में भी वृद्धि कर रही हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे उनके शांत और पारंपरिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

टॉप-10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच पिछले सप्ताह देश की टॉप 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से सात की मार्केट कैप में 1.54 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरा। वहीं एनएसई का निफ्टी-50 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट आई है। दूसरी ओर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीव बीमा निगम के मार्केट कैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

■ **रिलायंस को सबसे बड़ा झटका**

रिलायंस को लगा सबसे ज्यादा झटका

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 46,078.3 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,408.96 करोड़ रुपये घटकर 11,14,886.53 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 22,920.58 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 13,169.46 करोड़ रुपये घटकर 5,04,210.54 करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 7,253.24 करोड़ रुपये घटकर 5,63,262.33 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,311.41 करोड़ रुपये घटकर 9,00,589.91 करोड़ रुपये रह गया।

इन कंपनियों का बढ़ गया मार्केट कैप

वहीं, लार्सन एंड टुब्रो का मार्केट कैप 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,836.64 करोड़ रुपये हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 13,753.62 करोड़ रुपये बढ़कर 8,89,831.54 करोड़ रुपये और एलआईसी का मार्केट कैप 6,040.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,20,484.06 करोड़ रुपये हो गया। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जून में 11 दिन बैंकों में काम नहीं होग

नई दिल्ली। इस महीने यानी जून में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 11 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऋब्छ की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 4 रविवार और

■ **4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 5 दिन बैंक बंद रहेंगे**

दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 5 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे।

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ञरूके जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

जून में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं

जून 2026 में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 26 जून को मुहर्रम पर भी बंद रहेगा।

बैंक हॉलिडे लिस्ट

तारीख	बंद रहने का कारण	कहां बंद रहेंगे
7 जून	रविवार	सभी जगह
13 जून	दूसरा शनिवार	सभी जगह
14 जून	रविवार	सभी जगह
15 जून	YMA डे और राजा संक्रांति त्योहार	आइजोल और भुवनेश्वर
21 जून	रविवार	सभी जगह
25 जून	मुहर्रम	विजयवाड़ा
26 जून	मुहर्रम	सभी जगह
27 जून	दूसरा शनिवार	सभी जगह
28 जून	रविवार	ज्यादातर जगह बैंक बंद रहेंगे
29 जून	संत कबीर जयंती	शिमला
30 जून	रेमना नि	आइजोल

महंगाई और वैश्विक संकट का असर, आरबीआई ने जून में रेपो रेट यथावत रखने के दिए संकेत

नई दिल्ली। मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) 3-5 जून के बीच होने वाली अपनी तीन दिवसीय बैठक में रेपो रेट को यथावत रख सकती है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और इसका महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर असर होना है।

वैश्विक अस्थिरता का असर- बाजार के जानकारों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जून एमपीसी में केंद्रीय बैंक अपना सतर्क रुख बनाए रखेगा और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों और कमोडिटी की कीमतों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और वित्तीय बाजारों पर उनके प्रभावों पर बारीकी से नजर रखेगा, उसके बाद ही कोई नीतिगत कदम उठाएगा।

तीन दिवसीय एमपीसी बैठक के फैसले का ऐलान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून को करेंगे। समिति ने अप्रैल में हुई अपनी पिछली बैठक में भी दरों में कोई बदलाव नहीं किया था, जिसका कारण भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितताएं और मुद्रास्फीति एवं विकास संभावनाओं पर उनके संभावित प्रभाव थे।

ब्याज दरों को स्थिर रख सकती है केंद्रीय बैंक- हालांकि, ब्याज दरों में यथास्थिति बने रहने की संभावना सबसे अधिक है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि केंद्रीय बैंक अपने व्यापक आर्थिक अनुमानों में संशोधन कर सकता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला में लगातार व्यवधान और बाहरी कारकों के कारण रुपए पर दबाव, आरबीआई को चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को बढ़ाने और जीडीपी वृद्धि अनुमानों में कटौती करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। एसबीआई रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अस्थिर वैश्विक परिदृश्य के बीच केंद्रीय बैंक मौजूदा नीतिगत दर को बनाए रखेगा।

इकोनॉमी पेंट सेगमेंट- एशियन पेंट्स ने इकोनॉमी पेंट सेगमेंट के ऐस और ट्रैक्टर इमल्शन में दीवारों पर पानी के धब्बों से निपटने के लिए एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी पेश की है, जिसके तहत एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने प्रोडक्ट परफॉर्मेंस पर 4 साल की वारंटी देने की भी घोषणा की है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रास्फीति के रुझान बताते हैं कि उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति अगले तीन तिमाहियों तक 5 प्रतिशत से ऊपर रह सकती है, हालांकि चालू तिमाही में मुद्रास्फीति 4 से 4.1 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि लगभग 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है और वित्त वर्ष 2026 के लिए समग्र आर्थिक वृद्धि 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, इसमें चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक चलने वाली भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं दृष्टिकोण को बदल सकती हैं और नए आंकड़े उपलब्ध होने पर विकास पूर्वानुमानों में संशोधन की आवश्यकता हो सकती है।

जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान- वित्त वर्ष 2027 के लिए, एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। साथ ही रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिवेश में होने वाले घटनाक्रमों के आधार पर यह पूर्वानुमान बदल सकता है। रिपोर्ट में तर्क दिया गया कि आरबीआई को फिलहाल ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखते हुए आंकड़ों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना जारी रखना चाहिए। इसमें कहा गया है कि यदि मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो केंद्रीय बैंक के पास वैकल्पिक नीतिगत उपाय उपलब्ध हैं, जिनमें ऑपरेशन ट्विस्ट जैसे उपाय शामिल हैं, जो बेंचमार्क ब्याज दरों में बदलाव किए बिना बाजार की स्थितियों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर घटाया निर्यात शुल्क, एक जून से लागू होगी नई दर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क यानी विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। नई दरें एक जून से प्रभावी होंगी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को आधा कर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल पर यह कर घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर (रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस) शून्य रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अगले महीने बढ़ाया था विंडफॉल टैक्स

पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) 16 मई को 3 रुपये प्रति लीटर लगाया गया था। पखवाड़ा समीक्षा के बाद इसे 1 जून से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। डीजल के निर्यात पर शुल्क 16.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह एटीएफ पर शुल्क 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। सरकार ने 26 मार्च को डीजल के निर्यात पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क लगाया था। 11 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें बढ़ाकर क्रमशः 55.5 रुपये और 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। इसके बाद 30 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें घटाकर 23 रुपये और 33 रुपये प्रति लीटर किया गया। 16 मई को शुल्क और कम कर क्रमशः 16.5 रुपये और 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। सरकार ने पश्चिम एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष के बीच देश में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स लगाया था।

फैसले पर क्या बोली सरकार?

इसका उद्देश्य यह भी था कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण निर्यातक मूल्य अंतर का अनुचित लाभ न उठा सकें। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर सैन्य हमले किए थे, जिसके बाद तेहरान की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू हुई। युद्ध शुरू होने से पहले कच्चे तेल की कीमत लगभग 73 डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि पिछले एक सप्ताह से यह 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने और निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

1.4 लाख घरों को मिलेगी स्वच्छ बिजली घटेगा कार्बन उत्सर्जन

नई दिल्ली। महोबा जिले के कबरई गांव में सनश्योर एनर्जी ने 105 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट चालू कर दिया है। यह उत्तर प्रदेश की ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 योजना के तहत हरित ऊर्जा की आपूर्ति करने वाला पहला सौर प्रोजेक्ट बन गया है। 282 एकड़ में फैले इस संयंत्र से हर वर्ष 16.7 करोड़ यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन होगा, जिससे करीब 1.4 लाख घरों की वार्षिक बिजली जरूरत पूरी की जा सकेगी। परियोजना से हर साल लगभग 1.2 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। बताया कि यह प्रोजेक्ट पावर परचेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर होने के मात्र चार महीने के भीतर ग्रिड से जोड़ दिया गया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में सनश्योर एनर्जी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 365 मेगावाट हो गई है। वित्त वर्ष 2026 के अंत तक राज्य में अपनी क्षमता 500 मेगावाट तक पहुंचाने की योजना पर काम कर रही है।

मूंगफली तेल तिलहन को छोड़कर बाकी के भाव मजबूती के साथ हुए बंद

नई दिल्ली। खाद्यतेलों, खासकर सोयाबीन और सूरजमुखी तेल जैसे सॉफ्ट (नरम) खाद्यतेलों के कम आयात और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के साथ बिनौला तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला।

दूसरी तरफ विदेशों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन में गिरावट रही। सामान्य कारोबार के बीच सरसों, मूंगफली तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतें पूर्व-स्तर पर बंद हुईं। बाजार सूत्रों ने कहा कि खपत बढ़ने पर पिछले साल की तरह खाद्यतेलों का आयात भी बढ़ना चाहिए था। नवंबर-दिसंबर, 2022 के दौरान 31,11,669 टन (खाद्य एवं अखाद्य) तेलों का आयात हुआ था जो नवंबर-दिसंबर, 2023 में 21 प्रतिशत घटकर 24,72,276 टन रह गया। पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने की भी आशंका है और देश के बंदरगाहों पर सोयाबीन तेल आने में 40-45 दिन लगते हैं। ऐसी परिस्थिति में विदेशों में खाद्यतेलों के दाम मंदा होने के बावजूद देश के बाजारों पर कोई असर नहीं पड़ा। यह दर्शाता है कि आयात कम होने की वजह से देश में खाद्यतेलों का स्टॉक कम है।

सूरजमुखी, सोयाबीन जैसे खाद्यतेलों की आपूर्ति कम है। आगे जाड़े के साथ शादी-विवाह के मौसम की मांग भी बढ़ने वाली है।

ऐसे में खाद्यतेलों की आपूर्ति की दिक्कत बढ़ सकती है। इस तरफ ध्यान दिए जाने की जरूरत है। यह स्थिति देशी तेल तिलहन का उत्पादन बढ़ाने की भी जरुरत को रेखांकित करता है। देश की एक प्रमुख तेल कंपनी पामोलीन तेल के 770 ग्राम का पाउच (थैली) 85 रुपये के अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेच रही है। इसके हिसाब से पामोलीन तेल का भाव 120 रुपये प्रति किलो बैठता है। जबकि पामोलीन का आयात भाव 85 रुपये प्रति किलो ही है। पामोलीन तेल गरीब लोग ज्यादा उपयोग करते हैं और वे इस बढ़ी लागत का बोझ उठाने को मजबूर हो रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि तेल संगठनों को इस पहलू पर ध्यान देना चाहिए।

इसके साथ सरकार को भी सिर्फ थोक दाम कम होने पर ध्यान देने के बजाय खुदरा बिक्री मूल्य की भी सुध लेनी होगी। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 5,415-5,465 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,665-6,740 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,750 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,350-2,625 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,025 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,710 -1,805 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,710 -1,810 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,075 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 9,825 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,325 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 7,900 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 8,525रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,100 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 8,350 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 5,005-5,035 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 4,815-4,855 रुपये प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4,050 रुपये प्रति क्विंटल।

क्लाउड-फर्स्ट और एआई-संचालित भविष्य को मजबूत करेगा

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख एआई सीआरएम सेल्सफोर्स ने भारत में अपने नेक्स्ट-जेनरेशन प्लेटफॉर्म हाइपरफोर्स पर सेवाओं का विस्तार करते हुए म्यूलसॉफ्ट एनीपॉइंट प्लेटफॉर्म को भी उपलब्ध करा दिया है। इससे भारतीय अब लोकल डेटा रेसिडेंसी के साथ एआई आधारित इंटीग्रेशन और वर्कफ्लो चला सकेंगी। अनुसार यह पहल वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य और सार्वजनिक क्षेत्र जैसे रेगुलेटेड सेक्टरों में काम करने वाले संगठनों को बेहतर सुरक्षा, कंप्लायंस और स्केलेबिलिटी प्रदान करेगी। हाइपरफोर्स के जरिए डेटा भारत में ही स्टोर और प्रोसेस किया जा सकेगा। सेल्सफोर्स साउथ एशिया की सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य ने कहा कि यह कदम भारत के क्लाउड-फर्स्ट और एआई-संचालित भविष्य को मजबूत करेगा। वहीं आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के सीटीओ ने इसे डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विदेशी-निवेशकों ने मई में भारतीय बाजार से 32,963 करोड़ निकाले

वजह- कमजोर रुपया और सुस्त अर्निंग ग्रोथ, 2026 में अब तक 2.25 लाख करोड़ की बिकवाली की

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (स्नक्छ्ह्य) का भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकालने का सिलसिला मई महीने में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने मई में इक्विटी मार्केट से 32,963 करोड़ रुपए की निकासी की है। कंपनियों की सुस्त अर्निंग ग्रोथ, रुपए में आ रही कमजोरी और वैश्विक बाजारों में मिल रहे बेहतर मौकों के चलते निवेशकों ने यह कदम उठाया है। 2026 में अब तक 2.25 लाख करोड़ की बिकवाली- NSDL के डेटा के मुताबिक, इस ताजा बिकवाली के साथ साल 2026 में अब तक FPIs की कुल बिकवाली का आंकड़ा 2.25 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा साल 2025 में पूरे साल के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल बिकवाली से भी काफी ज्यादा है। फरवरी को छोड़कर हर महीने नेट सेलर्स रहे विदेशी निवेशक- साल 2026 में केवल फरवरी महीने को छोड़कर FPIs ने हर महीने भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली की है।

जनवरी- विदेशी निवेशकों ने जनवरी में भारतीय बाजार से 35,962 करोड़ रुपए निकाले थे।

फरवरी- FPIs नेट बायर्स बने और उन्होंने 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह पिछले 17 महीनों में किसी भी एक महीने का सबसे बड़ा इनफ्लो था।

मार्च- इस महीने ट्रेंड पूरी तरह उलट गया और विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपए की भारी-भरकम बिकवाली की।

अप्रैल- बिकवाली का यह दौर अप्रैल में भी जारी रहा, जब बाजार से 60,847 करोड़ रुपए का आउटफ्लो हुआ।

मई- इस महीने भी करीब 33,000 करोड़ (सटीक नंबर 32,963 करोड़) रुपए की निकासी दर्ज की गई।

भारतीय बाजार से क्यों शिफ्ट हो रहे विदेशी निवेशकों- जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार ने बताया कि भारत में कॉरपोरेट अर्निंग की रफ्तार थोड़ी सुस्त रही है। इसके मुकाबले अमेरिका, जापान, साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में कंपनियों का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है, जिसने स्नक्छ्ह्य को अपनी पूंजी वहां शिफ्ट करने के लिए प्रेरित किया है। वहीं साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) आधारित रैली की वजह से भी विदेशी फंड भारत के बजाय उन बाजारों की तरफ आकर्षित हुआ है।

2026 में अब तक 6% कमजोर हुआ रुपया

सेंट्रिसिटी वेल्थटेक के फाउंडिंग पार्टनर और हेड ऑफ इक्विटीज सचिन जासूजा ने कहा कि रुपए की लगातार गिरती कीमत स्नक्छ्ह्य के बाहर जाने की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। साल 2026 में अब तक रुपया करीब 6त्न और पिछले पूरे एक साल में करीब 10त्न तक कमजोर हो चुका है। आरबीआई के प्रयासों के बावजूद रुपया मिड-80 (85 के करीब) के स्तर से गिरकर डॉलर के मुकाबले 95.5 के स्तर तक पहुंच गया है। कमजोर रुपए की वजह से विदेशी निवेशकों का डॉलर-डिनॉमिनेटेड रिटर्न (डॉलर के टर्म में मुनाफा) सीधे तौर पर प्रभावित होता है।

तेल की बढ़ती कीमतों और होर्मुज में तनाव से चिंता बढ़ी

सचिन जासूजा के मुताबिक, भारत अपनी जरूरत का 80त्न से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है, जिससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास जारी तनाव और बाधाओं के कारण ब्रेंट क्रूड के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल की रेंज से उछलकर 95-105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं।

8वें वेतन आयोग की हलचल- कोलकाता में 9-10 जुलाई को बड़ी बैठक

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग के गठन के बाद से ही केंद्रीय कर्मचारियों में इसे लेकर भारी उत्साह है। आयोग अब अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में स्टेकहोल्डर्स के साथ संवाद कर रहा है। इसी कड़ी में, कोलकाता में एक महत्वपूर्ण बैठक की तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है।

■ **मेमोरेंडम जमा करने की समय-सीमा बढ़ी**

कोलकाता में मंथन- 9 और 10 जुलाई को बैठक

8वें वेतन आयोग ने घोषणा की है कि **9 और 10 जुलाई 2026** को कोलकाता में एक बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में आयोग के सदस्य सीधे तौर पर केंद्रीय कर्मचारी संगठनों, विभिन्न संस्थानों, यूनियनों और पश्चिम बंगाल में सक्रिय कर्मचारी एसोसिएशनों से रूबरू होंगे। आयोग का उद्देश्य सभी वर्गों के विचारों को सुनना है ताकि वे एक सर्वसम्मत और न्यायसंगत रिपोर्ट तैयार कर सकें।

मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी

आयोग ने स्पष्ट किया है कि बैठक में भाग लेने के इच्छुक संगठनों के लिए %मेमोरेंडम% जमा करना अनिवार्य है। बढ़ती मांग को देखते हुए आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तिथि **31 मई 2026 से बढ़ाकर 15 जून 2026** कर दी है। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि इस तिथि के बाद डेडलाइन में कोई और विस्तार नहीं किया जाएगा।

भाग लेने की प्रक्रिया-

सबसे पहले आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना मेमोरेंडम ऑनलाइन सबमिट करें।

मेमोरेंडम जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जनरेट होगी। बैठक में शामिल होने के लिए इस आईडी को आयोग के पास दर्ज कराना अनिवार्य है। बिना इसके प्रवेश संभव नहीं होगा।

जून में अन्य राज्यों का दौरा

कोलकाता से पहले आयोग जून महीने में अन्य संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों का दौरा भी करेगा-

*श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) 1 से 4 जून 2026 तक।

लद्दाख- 8 जून 2026 को।

फिटमेंट फैक्टर पर टिकी निगाहें

8वें वेतन आयोग का गठन नवंबर 2025 में हुआ था और इसके पास रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय है। सरकारी कर्मचारी लंबे समय से इस आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल %फिटमेंट फैक्टर% को लेकर है, क्योंकि इसी के आधार पर कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में नई वृद्धि तय की जाएगी।

आरसीबी : 17 साल इंतजार, फिर दो ट्रॉफी लगातार

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटंस को हराकर आईपीएल 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। आरसीबी ने इस तरह लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया और वह टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे सफल टीम बन गई। आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराया। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन बनाए थे। जवाब में आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीता।

छक्का लगाकर कोहली ने दिलाई जीत

आरसीबी के लिए एक बार फिर विराट कोहली जीत के हीरो बनकर उभरे। कोहली 42 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 75 रन बनाकर नाबाद रहे। कोहली अंत तक टिके रहे और उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के लिए कोहली के साथ वेंकटेश अय्यर पारी की शुरुआत करने उतरे। वेंकटेश इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से खेलना शुरू किया और गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। वेंकटेश और कोहली के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई, लेकिन पांचवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने वेंकटेश को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वेंकटेश 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (1) के विकेट गंवाए। आरसीबी ने 91 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे और लग रहा था कि यहां से गुजरात मैच फंसा सकती है, लेकिन सामने कोहली खड़े थे और उन्होंने गुजरात के गेंदबाजों का बेहतरीन तरीके से सामना किया। गुजरात के लिए राशिद खान ने दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और अरशद खान को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल की चौथी सफल टीम

आरसीबी आईपीएल की चौथी सफल टीम बन गई है। आईपीएल में सबसे ज्यादा खिताब जीतने का रिकॉर्ड सीएसके और मुंबई इंडियंस के नाम है। इन दोनों टीमों ने पांच-पांच खिताब अपने नाम किए हैं। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) तीन बार इस टूर्नामेंट की विजेता बन चुकी है। अब आरसीबी दो ट्रॉफी के साथ चौथी सफल टीम बन गई है।

एक ही वेन्यू पर दो फाइनल जीतने वाली तीसरी टीम

आरसीबी की टीम ने अपने दोनों आईपीएल खिताब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही जीते हैं। वह तीसरी ऐसी टीम है जिसने एक ही वेन्यू पर दो बार आईपीएल की ट्रॉफी उठाई है। आरसीबी से पहले मुंबई इंडियंस ने कोलकाता में 2013 और 2015, हैदराबाद में 2017 और 2019 में खिताब जीते थे। वहीं, केकेआर ने 2012 और 2014 में चेन्नई के मैदान पर आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

16 में से 13वीं बार क्वालिफायर-1 की विजेता ने जीता खिताब

दिलचस्प बात यह है कि 2011 में प्लेऑफ प्रारूप आने के बाद 16 में से 13वीं बार क्वालिफायर-1 की विजेता टीम ने आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम की है। आरसीबी ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहकर क्वालिफायर-1 में पहुंची थी। आरसीबी ने उस मैच में भी गुजरात को हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था। अब फाइनल में भी आरसीबी ने गुजरात को मात दी।

गुजरात की बल्लेबाजी रही फ्लॉप

इससे पहले, आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया, लेकिन गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के मददगार मानी जाती है, लेकिन गुजरात के बल्लेबाज इस पिच पर संघर्ष करते नजर आए। सिर्फ वाशिंगटन सुंदर ही बड़ी पारी खेल सके जिन्होंने खुद को मिले जीवनदान का फायदा उठाया और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। गुजरात की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के आधे बल्लेबाज 100 से भी कम के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। गुजरात का शीर्ष क्रम उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है, लेकिन इस मैच में शीर्ष तीन बल्लेबाज फ्लॉप साबित रहे। सुंदर 37 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात के चार बल्लेबाज तो दहाई अंक तक ही नहीं पहुंच सके। आरसीबी की ओर से रासिख सलाम डार ने तीन विकेट झटके, जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड को दो-दो विकेट मिले। वहीं, क्रुणाल पांड्या को एक विकेट मिला।

चैंपियन बनकर आरसीबी की नायाब क्लब में एंट्री

2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराकर चैंपियन बनी। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया है। इसके साथ ही आईपीएल में ट्रॉफी डिफेंड करने वाली आरसीबी तीसरी टीम बन गई है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने ये कारनामा किया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। इसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली के अर्धशतक की बदौलत 12 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर 161 रन बनाए। विराट कोहली ने टीम के लिए 42 गेंद में 75 रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। बेंगलुरु ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात पर दबदबा बनाकर रखा। साई सुदर्शन और शुभमन गिल को जल्दी आउट करने के बाद बेंगलुरु ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और आसान जीत हासिल करते हुए दूसरी बार चैंपियन बनी। लो स्कोरिंग मुकाबले में बेंगलुरु ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर 18 साल में पहली बार खिताब जीता था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बाद टाइटल को डिफेंड करने वाली तीसरी टीम बन गई है। पहली बार एमएस धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स लगातार दो सीजन चैंपियन रही थी। चेन्नई ने 2010 और 2011 में ट्रॉफी उठाई थी। इसके बाद मुंबई इंडियंस की टीम ने रोहित की कप्तानी में 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किया था। वहीं बेंगलुरु की टीम ने रजत पाटीदार के नेतृत्व में 2025 और 2026 में चैंपियन बनी। बेंगलुरु की टीम आईपीएल के 17 साल तक खिताब नहीं जीत सकी थी। हालांकि टीम ने 2025 से पहले तीन बार फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सके थे।

विराट ने आईपीएल में ठोकी अपनी सबसे तेज फिफ्टी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का रविवार को आईपीएल 2026 फाइनल में बल्ला गरजा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। कोहली ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 42 गेंदों में 9 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन बनाए। उन्होंने 25 गेंदों में पचासा पूरा किया था। यह कोहली की इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे तेज फिफ्टी है। उन्होंने 2018 में राजस्थान रॉयल्स (आरआरआर) के विरुद्ध 26 गेंदों में अर्धशतक ठोका था।

सूर्यवंशी का ऑरेंज कैप पर कब्जा

साई सुदर्शन ने आज के मैच में 12 तो शुभमन गिल ने 10 रन बनाए। फाइनल मैच में इन दोनों बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने से वैभव सूर्यवंशी के ऑरेंज कैप जीतने का रास्ता साफ हो गया। सूर्यवंशी ने इस सीजन 776 रन बनाए। वहीं, सुदर्शन के नाम 722, और गिल के नाम 732 रन रहे। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाज भी बने।

रबाडा ने जीती पर्पल कैप

गुजरात टाइटंस की ओर से आज के मुकाबले में राशिद खान ने 2, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और अर्शद खान ने 1-1 विकेट लिए। 1 विकेट लेते ही आईपीएल 2026 के पर्पल कैप लीडरबोर्ड में रबाडा पहले नंबर पर रहे। उन्होंने इस सीजन कुल 29 विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार 28 विकेट ही ले सके। इस तरह ऑरेंज कैप पर कगिसो रबाडा का कब्जा रहा।

आरसीबी को इन 5 धुरंधरों ने जिताया फाइनल

आरसीबी को इन 5 धुरंधरों ने जिताया आईपीएल 2026 फाइनल, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से मात देकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। जीटी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 155/8 का स्कोर बनाया। जवाब में आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर विजयी परचम फहराया। आरसीबी इंडियन प्रीमियर लीग में खिताब का बचाव करने वाली तीसरी टीम है। उससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने ऐसा किया। जानिए, आरसीबी को 19वें सीजन का फाइनल जिताने वाले पांच धुरंधर कौन हैं?

विराट कोहली स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने फाइनल में बेहद %घातक पारी% खेली। उन्होंने 42 गेंदों में नाबाद 75 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और तीन छक्के हैं। ओपनर कोहली ने 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी थी। कोहली ने आईपीएल में पांचवां फाइनल खेला लेकिन पहली बार खिताबी मुकबाले में अर्धशतक जड़ने का कारनामा किया। उन्होंने साथ ही 10 साल बाद प्लेऑफ में अर्धशतक जड़ने का सूखा समाप्त किया। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

वेंकटेश अय्यर बतौर ओपनर उतरे वेंकटेश अय्यर भले ही फिफ्टी नहीं जड़ पाए मगर तूफानी बल्लेबाजी से दिल जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने 16 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बटोरे। उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। अय्यर ने कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 62 रनों की शानदार साझेदारी की। वह पांचवें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद आरसीबी की रनों की रफ्तार थोड़ी थम गई। देवदत्त पडिक्कल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और करुणास पांड्या (1) सस्ते में लौटे। हालांकि, कोहली ने मजबूती से मोर्चा संभाला। उन्होंने टिम डेविड (17 गेंदों में 24) के साथ पांचवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े और जीटी को बैकफुट पर धकेला। कोहली ने अरशद खान के खिलाफ चौका और छक्का लगाकर आरसीबी को जीत की दहलीज पार कराई।

रासिख सलाम युव तेज गेंदबाज रासिख सलाम दार ने फाइनल में आरसीबी के लिए बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर के स्पेल में 27 रन दिए और सर्वाधिक तीन विकेट झटके। रासिख ने निशांत सिंधू (20), राहुल तेवतिया (7) और राशिद खान (7) का शिकार किया, जिससे जीटी का बड़े स्कोर का सपना चकनाचूर हो गया।

जोश हेजलवुड तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनने वाली आरसीबी को वो शुरुआत दिलाई, जिसकी उसे जरूरत थी। हेजलवुड ने तीसरे ओवर में कप्तान शुभमन गिल (8 गेंदों में 10, दो चौके) को आउट किया, जो सीजन में अच्छी लय में थे। पाटीदार ने दौड़कर गिल का कमाल का कैच लपका। हेजलवुड ने 4 ओवर में 37 रन खर्च किए और दो विकेट लिए। उन्होंने 15वें ओवर में अरशद खान (6 गेंदों में 15, दो छक्के) का शिकार किया।

भुवनेश्वर कुमार अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने दो अहम विकेट चटकाए। उन्होंने चार ओवर में 29 रन खर्च किए। भुवी ने ओपनर साई सुदर्शन (12) और ऑलराउंडर जेसन होल्डर (7) को पवेलियन भेजा। शानदार फॉर्म में चल रहे सुदर्शन ने चौथे ओवर में विकेट के पीछे कैच थमाया। उन्होंने 12 गेंदों का सामना किया, जिसमें दो चौके लगाए। जीटी अपनी सलामी जोड़ी के सस्ते में लौटने से उबर नहीं सकी। एक समय गुजरात की टीम 99 रन पर पांच विकेट गंवाकर जूझ रही थी। ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर (37 गेंदों में नाबाद 59) ने जीती को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

सात्विक-चिराग ने खत्म किया खिताबी सूखा, सिंगापुर ओपन के बने विजेता, इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने खिताबी सूखा समाप्त करते हुए पहली बार सिंगापुर ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। सात्विक-चिराग ने पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अलफियान और मोहम्मद सोहिबुल फिकरी को हराया। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी ने इस तरह दो साल में अपना पहला और विश्व टूर का कुल नौवां खिताब अपने नाम किया है। सात्विक-चिराग ने एक घंटा 13 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को 18-21, 21-17, 21-16 से हराकर अपना तीसरा सुपर 750 खिताब जीता था। विश्व की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी के लिए यह खिताब बेहद खास है क्योंकि वे पहले भारतीय हैं जिन्होंने सिंगापुर ओपन में युगल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इससे पहले 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद से ये भारतीय जोड़ी चार बार फाइनल में पहुंची, लेकिन विजेता बनने से चूकती रही। हालांकि, आखिरकार सिंगापुर ओपन में जाकर इस जोड़ी ने खिताबी सूखा समाप्त किया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलयेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

कोस्त्युक पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में, चार बार की चैंपियन स्वियातेक को हराया

नई दिल्ली। मार्टा कोस्त्युक ने रविवार को चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उनके जन्मदिन की पार्टी में रंग में भंग डाल दिया। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक क्ले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्वियातेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक की उन्होंने विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। रविवार को अपना 25वां जन्मदिन मना रहीं स्वियातेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। स्वियातेक ने 2024 में फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन उसके बाद वह क्लेकोर्ट पर कोई खिताब नहीं जीत पाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोलां गैरां क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने जीता गोल्ड, दूसरे स्थान पर रहा भारत

नई दिल्ली। भारत ने 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आखिरी दिन तीन गोल्ड मेडल जीते। इसमें महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में एक मीट रिकॉर्ड भी शामिल रहा। चीन 25 मेडल के साथ सबसे आगे रहा, जिसमें 14 गोल्ड शामिल थे। भारतीय टीम ने चैंपियनशिप में कुल 19 मेडल जीते। इनमें 10 गोल्ड, पांच सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। जापान कुल 18 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर रहा। आखिरी दिन का सबसे खास पल महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में आया, जहां नीरू पाठक, भूमिका संजय नेहते, तहूरा खातून और सेहनूर बावा ने 3:38.07 सेकेंड का नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारत ने पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस और मोहम्मद अशफाक ने 3:05.54 सेकेंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसी के साथ भारतीय अंडर-20 नेशनल रिकॉर्ड बनाया। चीन ने 3:04.88 में गोल्ड जीता, जबकि कतर ने 3:05.06 में सिल्वर अपने नाम किया। अंतिम दिन मेडल्स की झड़ी सुबह के सत्र में शुरू हुई। मुस्कान ने महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ में 16:53.08 सेकेंड के साथ गोल्ड जीता। भारत का दूसरा व्यक्तिगत गोल्ड वेंकटराम रेड्डी मोगली ने जीता, जिन्होंने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:48.27 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर खिताब अपने नाम किया। फील्ड इवेंट्स में निश्चय ने पुरुषों के डिस्कस थ्रो में 60.10 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता; यह एक नया भारतीय अंडर-20 नेशनल रिकॉर्ड भी बन गया। इस थ्रो के साथ, वह इस इवेंट में 60-मीटर की बाधा पार करने वाले पहले भारतीय अंडर-20 एथलीट बन गए। महिलाओं की 4×100 मीटर रिले टीम ने भारत की झोली में एक और सिल्वर मेडल डाला। काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम ने दौड़ के आखिरी चरणों में जोरदार वापसी करते हुए 45.05 सेकेंड का समय निकाला।

समाजवादी पार्टी कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

स्वतंत्र भारत मिर्ज़ापुर । स्थानीय नगर के लोहिया ट्रस्ट स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर आज मालवा साम्राज्य की कुशल शासिका और न्यायप्रियता की

वक्ताओं ने व्यक्तित्व पर डाला प्रकाश

प्रतिमूर्ति लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सपाई कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और देश के विकास व न्याय व्यवस्था में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

कार्यक्रम का कुशल नेतृत्व समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि माता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन त्याग, न्याय और जनकल्याण का एक अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने न केवल महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि अपने राज्य में लोक-कल्याणकारी कार्यों की झड़ी लगा दी।

उन्होंने देश भर के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया, जो उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति समर्पण को दर्शाता है। आज के समाज को उनके दिखाए गए न्याय और समानता के मार्ग पर चलने की सख्त जरूरत है।

जयंती समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन वृत्त और उनके प्रशासनिक कौशल पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि एक कुशल शासक के रूप में उन्होंने हमेशा प्रजा के हितों को सर्वोपरि रखा और समाज के शोषित व वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया।

इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पटेल, राममिलन यादव, बलराम यादव, संदेश यादव, वीरेंद्र यादव, राहुल यादव, सलीम बादशाह और प्रिंस राव सहित भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता व सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में लोकमाता के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में रिक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली/लखनऊ। आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र और संबंधित प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि वे ट्रिब्यूनल में चयन प्रक्रिया और रिक्तियों को समयबद्ध तरीके से भरने के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई, 2026 को होगी।

केंद्र सरकार से मांगा जवाब; 13 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

यह मामला आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन (क्षेत्रीय पीठ), लखनऊ के अध्यक्ष अधिवक्ता कमल कुमार सिंह द्वारा दायर रिट याचिका संख्या 556/2026 से जुड़ा है। याचिका में केंद्र सरकार को आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल अधिनियम, 2007 की धारा 5 के तहत चयन प्रक्रिया में तेजी लाने और सभी रिक्त पदों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर भरने का निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिका पर पहली सुनवाई 4 मई, 2026 को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सैयद हसन इस्फहानी और अधिवक्ता डॉ. एसएम मुस्तफा ने अदालत को बताया कि यदि वर्तमान रिक्तियां जल्द नहीं भरी गईं तो वर्ष के अंत तक एएफटी की 11 पीठों में से केवल तीन ही कार्यशील रह जाएंगी, जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित होगा। 25 मई को हुई सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण को सरकार से परामर्श कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सितंबर 2026 से पहले सेवानिवृत्त होने वाले एएफटी के न्यायिक और प्रशासनिक सदस्यों को तत्काल न हटाया जाए। अदालत ने इस संबंध में पूर्व में दिए गए आदेशों का भी उल्लेख किया। आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन, लखनऊ के महामंत्री अधिवक्ता धर्मराज सिंह ने बताया कि इस याचिका के परिणामस्वरूप देशभर के एएफटी सदस्यों का कार्यकाल सितंबर तक बरकरार रहेगा। इससे एएफटी लखनऊ पीठ के न्यायिक सदस्य जस्टिस अनिल कुमार का कार्यकाल भी बढ़ गया है। बार एसोसिएशन ने इसे सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

चुनार में अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती मनायी गयी

स्वतंत्र भारत चुनार। आज 31 में 2026 को बुधेनाथ मंदिर टैगोर चौराहे पर अहिल्याबाई

अहिल्याबाई होल्कर की नगर में झांकी निकाली गई

होल्कर जी का 301वीं जयंती मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मंसूर अहमद ने अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और बताएं कि अहिल्याबाई 28 साल का शासन एक भी दिन प्रजा दुखी नहीं हुई काशी से रामेश्वरम तक धर्म को फिर से खड़ा करने की वाली मां का जयंती मनाया गया। इस दौरान बुढेनाथ मंदिर से अहिल्याबाई होल्कर की झांकी खुली जीप में आगे आगे चल रही थी नगर के फौवारा चौराहा, बैंक ऑफ़ बरोदा,स्टेट बैंक होते हुए कचहरी पर कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका विजय कुमार वर्मा, सभासद करतार सिंह सभासद मंत्री यादव सभासद विजय यादव, इस कार्यक्रम के अध्यक्ष चंद्रशेखर पाल उपाध्यक्ष राम बृजपाल व्यवस्थापक अशोक पाल अजय पाल सुरेश पाल जितेंद्र पाल शहीद नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजकीय कृषि गोदाम पर खरीफ बीज अनुदान पर उपलब्ध

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। हलिया विकास खंड के किसानों को राजकीय कृषि बीज भंडार हथेड़ा सहायक विकास अधिकारी कृषि नरेंद्र कानापुरिया ने जानकारी दिया है की हलिया पर खरीफ सत्र 2026-27 में बीज 50त्न अनुदान पर धान, बाजरा, ज्वार, तिल, अरहर, मूंग, उड़द, ढेंचा (हरिखाद) हेतू उपलब्ध है तथा नि-शुल्क बीज (मिनिकिट पैकेट) अरहर, मूंग, उड़द, तिल बाजरा, ज्वार एवं श्री अन्न (साँवा, कोदो, कुटकी, रागी, काकून, मडुवा) उपलब्ध है। समस्त प्रकार के बीजों का वितरण ई - लाटरी से किया जाएगा। जिसके लिए कृषक को कृषि विभाग की वेबसाइट agriculture.up.gov.in पर जाकर लक्ष्य के आधार पर बुकिंग करना होगा, उसके उपरांत ई - लॉटरी से चयन होने पर राजकीय कृषि बीज भंडार हथेड़ा विकास खण्ड हलिया से स्वयं किसान अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं खतौनी की छाया प्रति उपलब्ध कराकर बायो मशीन पर फिंगर प्रिंट लगाकर बीज प्राप्त कर सकते हैं।

पानी भरे गड्ढे में डूबकर दो किशोर की मौत

स्वतंत्र भारत अदलहाट मिर्जापुर। क्षेत्र के देवलासी गांव के ईटभट्टे के पास पानी भरे गड्ढे में डूबने से शनिवार को दो किशोर की मौत होने की जानकारी प्राप्त हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार अयान 14 वर्ष पुत्र बबलू जो अपने नाना इकबाल निवासी देवलासी ग्राम निवासी अब्दुल कादिर पुत्र गुलाम मुस्तफा उमर 12 वर्ष के साथ शनिवार को दोपहर लगभग 2:30 बजे घर से निकाल था शाम तक न लौटने पर दोनों घरों में अफरा तफरी मच गई काफी खोजबीन के बाद कहीं कोई पता नहीं चलने के बाद एक ईट भट्टे की तरफ देखने लगे तो ईट भट्टे के पास मिट्टी खोदे गए पानी भरे गड्ढे के पास दोनों के चप्पल व कपड़े पाए गए जिससे लोगों को नहाते समय डूबने का अनुमान लगाकर पानी में ढूंढना शुरू किया तो रात 9:00 बजे दोनों किशोरो का शव बरामत हुआ मृतक अब्दुल कादिर के पिता विकलांग तथा अयान के माता-पिता दोनों वाडी विकलांग गूंगे है दोनों की आर्थिक स्थिति काफी नाजुक बताई जाती है बताया जाता है कि नहर खुलने से गड्ढे में पानी भर गया था सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक हंस लाल ने बाद पंचनामा दोनों शव को अंत्यपरीक्षण के लिए मिर्जापुर भेज दिया।

बूथ 306 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। हलिया मंडल भाजपा के बूथ 306 पर आज समर्पित कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात' का 134वां एपिसोड सुना। कार्यक्रम से पहले मंडल अध्यक्ष हलिया दिनेश अग्रहरी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्प अर्पित करि श्रद्धांजलि दी। इसके बाद कार्यकर्ता हॉल में एकत्र होकर टीवी पर लाइव प्रसारण से जुड़े। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने देशभर के लोगों के प्रेरणादायक कार्यों और सामाजिक विषयों पर बात की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कार्यक्रम सुनकर नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली।इस संबंध में मंडल अध्यक्ष दिनेश अग्रहरि ने बताया की हलिया मंडल के 93 बूथों पर प्रधानमंत्री मंत्री के मन की बात को सुना गया है ।

मजदूरों के अधिकारों पर जागरूकता शिविर आयोजित

बलिया। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के सचिव श्री चंद्र प्रकाश तिवारी के आदेश पर श्रम विभाग के सहयोग से ग्राम कैथोली में मजदूरों के अधिकारों विषयक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया की ओर से पैरालीगल वालेंटियर श्री प्रवीण कुमार चौबे ने उपस्थित मजदूरों को उनके विधिक एवं श्रमिक अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विधिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा एलएसएमएस पोर्टल तथा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 संचालित किया जा रहा है। इन सेवाओं के माध्यम से आमजन घर बैठे ही निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मजदूरों को विभिन्न श्रम कानूनों, सरकारी योजनाओं तथा विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया। शिविर में ग्राम प्रधान श्री राम प्रवेश साहनी, श्रम विभाग के कर्मचारी श्री चंदन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं मजदूर उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना तथा जरूरतमंद लोगों तक विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना रहा।

मंदिर से भगवान शंकर की शिवलिंग चोरी मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र भारत राजगढ़ मीरजापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के पूरेनिया गांव में स्थित मंदिर से शंकर जी की

चोरी हुए शिवलिंग को पुलिस ने किया बरामद

मंदिर में दोबारा से हुई शिवलिंग की स्थापना

शिवलिंग चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों द्वारा शिवलिंग चोरी किए जाने के बाद गांव में आक्रोश और चिंता का माहौल है। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राजगढ़ थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों से पूछताछ के साथ आसपास की गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव के लोग जैसे ही सुबह में मंदिर में घुसे शिवलिंग चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई उन्होंने तत्काल इसकी सूचना राजगढ़ थाने को दिए राजगढ़ थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए।चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। निकरिका गांव में भी चोरों ने समरसेबल का तार और स्टेबलाइजर चोरी कर लिया। चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मंदिर से शंकर जी की शिवलिंग चोरी हुई है और उसी के बगल में एक और शंकर जी की शिवलिंग है जिसे चोरों ने नहीं चुराया। यह शिवलिंग बहुत पुरानी भगवान शंकर की शिवलिंग थी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस इस संबंध में जब राजगढ़ थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे से बात हुई तो उन्होंने कहा कि गांव के ही किसी मधबुद्ध व्यक्ति ने शिवलिंग को हटा दिया था। दोबारा से वहां पर शिवलिंग को लगा दिया गया है।

मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट अधर में, बढ़नी बॉर्डर गेट निर्माण कार्य की रफ्तार पर उठे सवाल

स्वतंत्र भारत, बढ़नी, सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बढ़नी बॉर्डर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महत्वाकांक्षी

भारत-नेपाल सीमा पर प्रस्तावित भव्य प्रवेश द्वार वर्षों बाद भी अधूरा, स्थानीय लोगों में बढ़ी नाराजगी

ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तावित भव्य गेट का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। क्षेत्र के विकास और सीमा क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही यह परियोजना अभी तक पूर्ण नहीं हो सकी है, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों तथा सीमा क्षेत्र से जुड़े लोगों में निराशा व्याप्त है। जानकारी के अनुसार बढ़नी बॉर्डर पर बनने वाला यह गेट मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में शामिल था। इसका उद्देश्य भारत-नेपाल सीमा पर आने-जाने वाले लोगों के लिए बेहतर पहचान, सुविधाजनक आवागमन तथा क्षेत्र के आर्थिक और पर्यटन विकास को बढ़ावा देना था। हालांकि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इसकी गति लगातार धीमी पड़ती गई और वर्तमान में परियोजना अधूरी अवस्था में दिखाई दे रही है।स्थानीय निवासियों शनि, मुन्नू और निज़ाम सहित कई लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य कई बार पूरी तरह ठप हो जाता है। उनका आरोप है कि संबंधित विभागों की उदासीनता और कार्यदायी संस्था की लापरवाही के कारण परियोजना समय पर पूरी नहीं हो पा रही है। लोगों का कहना है कि यदि यह गेट बनकर तैयार हो जाए तो सीमा क्षेत्र की पहचान और आकर्षण दोनों बढ़ेंगे।

अधूरा निर्माण कार्य न केवल बढ़नी बॉर्डर के सौंदर्यीकरण को प्रभावित कर रहा है, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों और क्षेत्र की छवि पर भी असर डाल रहा है। सीमा पार आवागमन करने वाले यात्रियों और व्यापारियों को भी अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। वहीं, प्रशासन की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा। ऐसे में मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट की अधूरी तस्वीर सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में होने वाली देरी और जवाबदेही पर कई सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि शासन और प्रशासन इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द पूर्ण कराए, ताकि सीमावर्ती क्षेत्र को इसका लाभ मिल सके।

हलिया ब्लॉक में आरोग्य मेला का आयोजन 211 मरीजों का हुआ उपचार

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। हलिया ब्लॉक के अंतर्गत विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में ग्रामीणों की भारी भागीदारी देखी गई और सैकड़ों लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व परामर्श का लाभ लिया। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में चिकित्सक विमल कुमार ने 49 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में चिकित्सक कामेश्वर तिवारी ने 38 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में चिकित्सक अभिषेक जायसवाल व शालिनी सिंह ने 45नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज चिकित्सक बालकृष्ण मिश्रा ने 45 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़पेली चिकित्सक मनीष कुमार ने 38 मरीजों का उपचार किया कुल 211 लोगों ने आरोग्य मेले में हिस्सा लिया।सामान्य स्वास्थ्य जांच, बीपी-शुगर टेस्ट, गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण, निःशुल्क दवा वितरण और स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर के पास उपलब्ध कराना और लोगों को रोगों की रोकथाम व प्रारंभिक उपचार के प्रति जागरूक करना था।

गिट्टी लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलटा, चालक सुरक्षित

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 स्थित लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के पास रविवार सुबह गिट्टी लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग था कि हादसे में ट्रेलर चालक बाल बाल बच गया। मध्यप्रदेश से गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर जैसे ही सुबह नौ बजे के करीब लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के आगे पहुंचा तो अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलट गया। हादसे में 30 वर्षीय ट्रेलर चालक संजय निवासी लहुरियादह बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंचे एसआइ सुभाष यादव हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव ने घटना की जांच की।ट्रेलर पलटने से हाइवे पर गिट्टी बिखरने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है। मध्यप्रदेश की ओर जाने वाले लेन से वाहनों आवागमन हो रहा है।एसआइ सुभाष यादव ने बताया कि लहुरियादह गांव में नेशनल हाइवे पर गिट्टी लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में ट्रेलर चालक बाल बाल बच गया।पलटे ट्रेलर को हटवाने के एनएचएआई के कर्मचारियों व ट्रेलर मालिक को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को हाइवे से हटा दिया जाएगा। एक लेन से वाहनों का आवागमन हो रहा है।

बरुआ औरा में धूमधाम से मनाई गई राजमाता अहिल्या बाई होलकर की जयंती

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। क्षेत्र के बरुआ औरा गांव में रविवार को राजमाता अहिल्या बाई होलकर की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने पीले गमछे और साफा बांध रखे हैं और हाथों में पीले झंडे लिए हुए हैं। ग्रामीणों ने एकजुट होकर राजमाता के आदर्शों और लोक कल्याण के कार्यों को याद किया। पूरा माहौल देशभक्ति और लोकमाता के प्रति सम्मान से भर गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर शिक्षक का वेतन रोका गया

स्वतंत्र भारत देवरिया। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रामशंकर ने जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में लापरवाही बरतने के मामले को गंभीरता से लेते हुए एक प्रगणक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं।विकास खंड भाटपाररानी के कम्पोजिट विद्यालय बनकटा शंभू में कार्यरत सहायक अध्यापक अजीत प्रताप सिंह को मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना-2027 के तहत एचएलबी संख्या-115 के लिए प्रगणक के रूप में तैनात किया गया था। संबंधित शिक्षक ने नियुक्ति पत्र प्राप्त नहीं किया तथा जनगणना कार्य का कार्यभार ग्रहण किए बिना आदेशों की अवहेलना की, जिससे महत्वपूर्ण जनगणना कार्य प्रभावित हुआ। जिला जनगणना अधिकारी ने इसे जनगणना अधिनियम-1948 के प्रावधानों के विपरीत मानते हुए कहा कि यह कृत्य शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में आता है। उन्होंने संबंधित शिक्षक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित शिक्षक को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर तथ्यात्मक एवं साक्ष्ययुक्त स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। नोटिस में पूछा गया है कि उनके विरुद्ध जनगणना अधिनियम-1948 की धारा-11 तथा अन्य प्रासंगिक नियमों के अंतर्गत विधिक एवं विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न प्रारंभ की जाए। जिला जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना-2027 राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा आदेशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

स्वतंत्र भारत

देश विदेश

16

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14

लखनऊ, सोमवार, 1 जून, 2026

होर्मुज में अमेरिकी नाकेबंदी बरकरार

ईरान से सीजफायर पर भी सस्पेंस | वैश्विक बाजार में बढ़ा तनाव

एएनआई, सिंगापुर। अमेरिका और ईरान के बीच का सैन्य तनाव फिलहाल कम नहीं हो रहा है। सिंगापुर के सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी पूरी तरह लागू है। यह बयान तब आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ 60 दिनों के युद्धविराम पर विचार कर रहे हैं। इस नाकेबंदी से दुनिया के इस सबसे जरूरी तेल रास्ते में जहाजों की आवाजाही ठप है। अमेरिकी कार्रवाई के कारण अप्रैल के मध्य से अब तक 100 से अधिक व्यापारिक जहाजों को वापस भेजा गया है।

युद्ध के लिए तैयार अमेरिका : पीट हेगसेथ

अमेरिकी युद्ध सचिव ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ बैठक के बाद कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका दोबारा युद्ध शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हथियारों का भंडार इस काम के लिए पूरी तरह तैयार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी सोशल

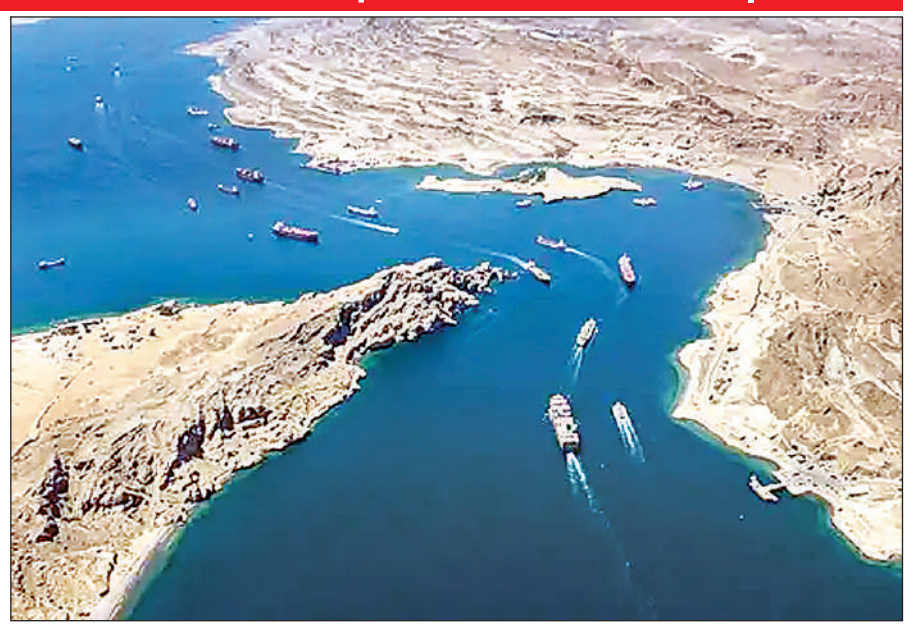

मीडिया पर इसकी पुष्टि की है। सेना ने कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी बल पूरी तरह मुस्तैद हैं। दूसरी तरफ ईरान भी झुकने को तैयार नहीं है।

ईरानी सेना ने शनिवार को एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। वहीं, होर्मुज के बंद होने से वैश्विक बाजार में लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है।

क्या है सीजफायर समझौते की शर्तें और विवाद?

पाकिस्तानी मध्यस्थों की मदद से एक अस्थायी समझौता तैयार किया गया है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच लड़ाई को रोकना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में दो घंटे बैठक की। हालांकि अभी तक इस समझौते पर अंतिम मुहर नहीं लगी है। इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों के बीच मुख्य विवाद इस प्रकार हैं - परमाणु प्रतिबंध : अमेरिका की शर्त है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान इसे अपनी संप्रभुता के खिलाफ मान रहा है। मुक्त व्यापार : ट्रंप चाहते हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह टोल-फ्री हो। ईरान का कहना है कि वे नाकेबंदी हटने के बाद ही जहाजों को रास्ता देंगे। समुद्री बारूदी सुरंगें : समझौते के तहत ईरान को 30 दिनों में समुद्री सुरंगें हटानी होंगी। अमेरिका ने पहले ही कई सुरंगों को नष्ट करने का दावा किया है।

लेबनान संकट से उलझा कूटनीतिक गणित

इस पूरे विवाद में लेबनान का मोर्चा सबसे बड़ा रोड़ा बन गया है। ईरान का कहना है कि जब तक लेबनान संकट नहीं सुझलगा, तब तक अमेरिका से कोई समझौता नहीं होगा। इस बीच इस्त्राइली सेना लेबनान के भीतर 30 किलोमीटर तक घुस चुकी है। वहां गांवों को खाली करने के आदेश जारी हैं। दोनों देशों के सैन्य प्रतिनिधि पेंटागन में सीधे बातचीत भी कर रहे हैं। कूटनीतिक बातचीत के बावजूद जमीन पर युद्ध का खतरा लगातार बना हुआ है।

उपद्रवी यात्री के कारण फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

मैडिसन। अमेरिका में शिकागो से मिनियापोलिस जा रही यूनाइटेड एयरलाइंस की एक उड़ान को उस समय आपात स्थिति में डायवर्ट करना पड़ा, जब विमान में एक यात्री ने हंगामा शुरू कर दिया। सुरक्षा को खतरा देखते हुए फ्लाइट को शुक्रवार रात विस्कॉन्सिन के मैडिसन शहर में उतारा गया। विमान में मौजूद कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उपद्रवी यात्री को काबू में कर लिया। इस घटना के बाद यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। यूनाइटेड एयरलाइंस की ओर से बताया गया कि फ्लाइट संख्या 2005 शिकागो से मिनियापोलिस जा रही थी। रास्ते में एक यात्री के व्यवहार को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता पैदा हो गई। इसके बाद विमान को सुरक्षित तरीके से मैडिसन के डेन काउंटी रीजनल एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरलाइन के अनुसार विमान में मौजूद सुरक्षा अधिकारियों ने यात्री को तुरंत रोक लिया। बाद में डेन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अधिकारियों ने उसे विमान से नीचे उतार दिया। फिलहाल मामले की जांच संघीय एजेंसियां कर रही हैं।

एक नज़र

अमेरिका : न्यू इंग्लैंड में उल्कापिंड के कारण सुनाई दिए धमाके

डेलावेयर से मॉन्ट्रियल तक दिखे दृश्य

न्यू इंग्लैंड। शनिवार दोपहर अमेरिका के न्यू इंग्लैंड इलाके में दो तेज धमाकों की आवाज से लोग सहम गए और मैसाचुसेट्स व रोड आइलैंड में इमारतें हिल गईं, जिसके बाद पुलिस एजेंसियां मामले की जांच में जुट गईं। अमेरिकन मीटियर सोसाइटी के अनुसार, यह धमाका करीब 3 फीट चौड़े एक उल्कापिंड (मीटियर) के वायुमंडल में प्रवेश करने के कारण हुआ था, जो बोस्टन के उत्तर में मैसाचुसेट्स और न्यू हैम्पशायर की सीमा के पास देखा गया। सोसाइटी के फायरबॉल प्रोग्राम मॉनिटर रॉबर्ट लंसफोर्ड ने बताया कि डेलावेयर से लेकर मॉन्ट्रियल तक दर्जनों लोगों ने इस धमाके को सुनने, जमीन हिलने या दिन के उजाले में टूटते तारे जैसी 'फायरबॉल' देखने की रिपोर्ट दी है। उन्होंने साफ किया कि हालांकि सटीक जानकारी के लिए और जांच की जरूरत है, लेकिन इस उल्कापिंड के जमीन पर गिरने की संभावना बेहद कम है; क्योंकि ज्यादातर उल्कापिंड जमीन तक पहुंचने से पहले ही जलकर नष्ट हो जाते हैं या फिर समुद्र में गिर जाते हैं।

भारत के सहयोग से नेपाल के मनांग में बनेगा नया अस्पताल

काठमांडो। भारत और नेपाल ने संयुक्त रूप से नेपाल के सुदूर मनांग जिले में एक अस्पताल भवन की आधारशिला रखी है। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के उप प्रमुख राकेश पांडे और नासोन ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष धन बहादुर गुरुंग ने बृहस्पतिवार को इसके निर्माण का शुभारंभ किया। यह अस्पताल हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत 5.6 करोड़ नेपाली रुपये की भारतीय सहायता से बनाया जा रहा है। काठमांडो से लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित इस दुर्गम क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना इस अस्पताल का मुख्य उद्देश्य है।

श्रीलंका : यौन शोषण के आरोप में शीर्ष बौद्ध भिक्षु निलंबित

कोलंबो। श्रीलंका के शक्तिशाली बौद्ध संगठनों ने भारी दबाव के बाद यौन शोषण के आरोपी वरिष्ठ भिक्षु पल्लेगामा हेमरत्न को उनके पद से निलंबित कर दिया है। 71 वर्षीय भिक्षु पर अनुराधापुरा स्थित मंदिर परिसर में 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप है। उन्हें 9 मई को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद 22 मई को उन्हें जमानत मिली। भिक्षु हेमरत्न अटमस्थान के प्रमुख थे, जिसमें श्री महाबोधि सहित आठ पवित्र बौद्ध स्थल शामिल हैं।

ऑस्कर विजेता स्टार वॉर्स की संपादक मार्सिया का निधन

कैलिफोर्निया। हॉलीवुड और सिनेमा प्रेमियों के लिए स्टार वॉर्स जैसी कालजयी फिल्म को अपने संपादन से तराशने वाली ऑस्कर विजेता मार्सिया लुकास की 80 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई है। वे उन चंद प्रभावशाली महिला एडिटर्स में शुमार थीं, जिन्होंने न्यू हॉलीवुड के दौर में सिनेमा की परिभाषा बदली।

लेबनान में घुसी इस्त्राइली सेना, 11 की मौत

बेरूत। लेबनान और इस्त्राइल के सैन्य अफसर जहां अमेरिकी रक्षा मुख्यालय (पेंटागन) में संघर्ष को लेकर सीधी बातचीत कर रहे थे, उसी दौरान इस्त्राइली सेना (आईडीएफ) दक्षिणी लेबनान के एक गांव में घुस गई और अंदर तक पहुंच गई। मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव में इस्त्राइली सेना के प्रवेश के बाद यहां किए हमलों में छह लोग मारे गए। दीर कानून अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में पांच लोग मारे गए, जबकि एब्बा गांव में एक नगर पुलिसकर्मी मारा गया। इससे पहले लेबनान के छह सदस्यीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्त्राइली सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। दशकों में दोनों देशों के बीच यह पहली सीधी सैन्य वार्ता थी।

तुर्किये : मुख्य विपक्षी नेता को हटाने के विरोध में लोग सड़कों पर

अंकारा। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता ओजगुर ओजेल को अदालत द्वारा पद से हटाए जाने के विरोध में शनिवार को हजारों समर्थकों ने अंकारा में मार्च निकाला। ओजेल को 21 मई को एक अदालती आदेश के जरिये पद से हटा दिया गया था, जिसे विपक्षी दल ने राजनीतिक साजिश करार दिया है। समर्थकों को संबोधित करते हुए 51 वर्षीय ओजेल ने इसे राष्ट्रपति रेसप तैयप एर्दोगन और जनता के बीच का मामला बताया और साजिश की आशंका जताई।

पाकिस्तान में गर्मी का प्रकोप, सिंध में पारा 51.5 डिग्री पार

पेशावर। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भीषण गर्मी का कहर जारी है। शनिवार को सिंध के दादू शहर में तापमान 51.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने मई 2016 के 51.4 डिग्री के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पीएमडी के कराची कार्यालय के मुख्य मौसम विज्ञानी सरफराज खान ने बताया कि दोपहर तक जैकबआबाद में 51 डिग्री, शहीद बेनजीराबाद, लारकाना और मोहनजोदड़ो में पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

ईरान को मिल सकता है 29 लाख करोड़ का फंड

वॉशिंगटन। अमेरिका-ईरान में प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते के तहत ईरान को बड़े पुनर्निर्माण पैकेज की पेशकश की गई

- लेकिन एटमी प्रोग्राम पर पेच अब भी फंसा!

है। यदि दोनों देशों के बीच अंतिम समझौता होता है तो ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपये) तक का पुनर्निर्माण कोष उपलब्ध कराया जा सकता है। अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति देने पर भी विचार चल रहा है। एक ईरानी अधिकारी ने इस प्रस्ताव को पुनर्निर्माण कार्यक्रम का हिस्सा बताया है। उसने कहा, अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद ईरान को आर्थिक मदद का आश्वासन दिया जाएगा। माना जा रहा है कि लंबे संघर्ष के बाद ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत का यह पैकेज है।

हालांकि ईरान ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच वार्ता के बारे में कई दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि दोनों देश एटमी कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं। प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा व उच्च संवर्धित यूरेनियम का निपटान करेगा।

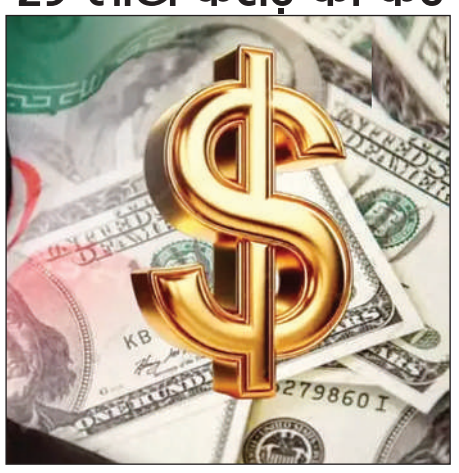

होर्मुज स्ट्रेट को एक महीने के भीतर बहाल करने का है प्रस्ताव

मसौदे में पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने का प्रस्ताव है। इसके तहत ईरान एक माह में समुद्री यातायात युद्ध से पहले के स्तर पर लाएगा। ईरान जलमार्ग में बिछाई गई समुद्री माइंस हटाएगा और जहाजों से किसी तरह का टोल नहीं वसूलेगा। बदले में अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने व प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

होर्मुज पर स्थायी टोल का कतर ने किया विरोध

कहा-बढ़ेगी महंगाई, अस्थायी शुल्क पर बातचीत को तैयार

दोहा/सिंगापुर। कतर ने साफ कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर स्थायी शुल्क या टोल लगाना उचित नहीं होगा, क्योंकि इसका सीधा असर दुनिया भर के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा और वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। हालांकि, कतर ने यह भी संकेत दिया है कि समुद्री सुरक्षा या बारूदी सुरंगों को हटाने जैसे विशेष और अस्थायी कार्यों के लिए सीमित अवधि के शुल्क पर बातचीत की जा सकती है। सिंगापुर में आयोजित सुरक्षा सम्मेलन शांगरी-ला डायलॉग के दौरान कतर के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मामलों के राज्य मंत्री शेख सऊद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा कि खाड़ी देशों का मानना है कि किसी भी प्रकार का स्थायी शुल्क अंततः उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालेगा। इसलिए कतर और उसके सहयोगी देश ऐसे किसी भी लंबे समय तक चलने वाले शुल्क ढांचे का विरोध करते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस का व्यापार होता है। इसी बीच ईरान और ओमान समुद्री यातायात को नियंत्रित करने के संभावित ढांचे पर बातचीत कर रहे हैं। तनाव तब और बढ़ गया जब ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने जलमार्ग में एक संदिग्ध तैरती हुई वस्तु मिलने की सूचना दी, जिसे नौसैनिक बारूदी सुरंग माना जा रहा है। अधिकारियों ने मछुआरों और जहाजों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध वस्तु की तुरंत सूचना देने की सलाह दी है।

रिपोर्ट में दावा : ईरान ने चीनी मिसाइल का किया था इस्तेमाल

वॉशिंगटन। पिछले महीने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के ऊपर मार गिराए गए अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल को चीन निर्मित मिसाइल से निशाना बनाया गया था। एनबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवालों से बताया कि ये मिसाइलें कंधे से दागी जाती हैं। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने जिस मिसाइल से एफ-15 को गिराया, वह हाल ही में मिली थी या ईरान के पुराने जखीरे से थी।

अमेरिकी अधिकारी अप्रैल में हुई इस घटना की अभी भी जांच कर रहे हैं। दशकों में पहली बार किसी अमेरिकी लड़ाकू विमान को दुश्मन की गोलीबारी से मार गिराया गया। उस समय, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि विमान पर कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से हमला किया गया। इन हथियारों को आमतौर पर मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम या मैनपैड्स के नाम से जाना जाता है। ये करीब सात फीट लंबे होते हैं और इनका वजन लगभग 40 पाउंड होता है। इनका इस्तेमाल अक्सर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। ईरान के चीन में बने सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल की खबरों ने अमेरिका-चीन संबंधों में एक नया आयाम जोड़ दिया है। ठीक ऐसे समय में, जब

अमेरिका और ईरान के अधिकारी इस संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। एफ-15 में सवार दो क्रू सदस्यों ने ईरान के ऊपर खुद को सुरक्षित रूप से इजेक्ट कर लिया था। पेंटागन के अनुसार, पायलट को सात घंटे के अंदर बचा लिया गया, जबकि वेपन सिस्टम ऑफिसर को दो दिन बाद जाग्रोस पहाड़ों की तलहटी में छिपे रहने के बाद खोजकर बचाया गया।

चीन ने किया था इनकार

एफ-15 घटना से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा था कि चीन सैन्य उत्पादों के निर्यात के मामले में हमेशा सावधानी और जिम्मेदारी से काम करता है तथा निर्यात नियंत्रण पर चीन के कानूनों और नियमों तथा उचित अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुसार कड़ा नियंत्रण रखता है।

ईरान युद्ध की आंच धीमी लेकिन अमेरिका में गहराई आर्थिक असमानता

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते तथा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को राहत दी है। अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गया है, लेकिन अर्थव्यवस्था के कई प्रमुख संकेतक बताते हैं कि आम अमेरिकी परिवार अब भी बढ़ती ऊर्जा लागत, घटती वास्तविक आय और कम होती बचत की चुनौती से जूझ रहे हैं। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध का असर युद्ध की आंच धीमी होने पर भीअमेरिकी समाज में आर्थिक असमानता को और स्पष्ट कर रहा है।

युद्ध शुरू होने के बाद एसएंडपी 500 सूचकांक में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन मार्च के अंत से इसमें 19 प्रतिशत की तेजी आई। इससे बाजार ने शुरुआती क्षति की भरपाई की और इस वर्ष अब तक 10.7 प्रतिशत की बढ़त हासिल कर ली है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि शेयर बाजार में तेजी का लाभ मुख्य रूप से निवेशकों और संपत्ति धारकों को मिलता है, जबकि बड़ी आबादी पर महंगाई का दबाव बना रहता है। अमेरिकी ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों के अनुसार मार्च में वास्तविक डिस्पोजेबल आय 0.2 प्रतिशत और अप्रैल में 0.5 प्रतिशत घटी। वास्तविक डिस्पोजेबल अय महंगाई का प्रभाव समायोजित करने के बाद लोगों के पास खर्च के लिए बचती है।

नगर पंचायत मीरानपुर कटरा की नवनिर्वाचित

माननीया अध्यक्ष

डा.पूजा कसाना

का

शपथ ग्रहण समारोह

आज दिनांक 01-06-2026 सायं 4 बजे

स्थान-शान मैरिजलॉन खुदागंज रोड,मीरानपुर कटरा

में आप सादर आमंत्रित हैं

निवेदक : नगर पंचायत मीरानपुर कटरा, शाहजहांपुर

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर यूक्रेन का ड्रोन हमला

आईएईए ने कहा- यह आग से खेलने जैसा

वियना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) पर हुए ड्रोन हमले को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि परमाणु केंद्रों पर हमले करना आग से खेलने जैसा खतरनाक काम है।

आईएईए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि संयंत्र प्रशासन ने उन्हें ड्रोन हमले की सूचना दी है। यह ड्रोन संयंत्र की एक टर्बाइन बिल्डिंग से टकराया। इस टक्कर की वजह से इमारत की एक दीवार में छेद हो गया है। ग्रॉसी ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि किसी भी परमाणु केंद्र पर या वहां से किसी भी तरह का हमला नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की ताकि परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को कोई खतरा न हो। संयंत्र में मौजूद आईएईए की टीम ने नुकसान का खुद जायजा लेने के लिए प्रभावित इमारत तक जाने की अनुमति मांगी है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। आईएईए के अनुसार, अप्रैल 2024 के बाद यह पहली बार है जब संयंत्र के घेरे के भीतर कोई ड्रोन हमला हुआ है। जापोरिज्जिया संयंत्र यूरोप के सबसे बड़े परमाणु केंद्रों में से एक है। मार्च 2022 से ही इस पर रूस का नियंत्रण है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से आईएईए लगातार सैन्य गतिविधियों से होने वाले जोखिमों को लेकर चेतावनी दे रहा है। एजेंसी ने बार-बार परमाणु ढांचे की सुरक्षा की मांग की है।

दुनिया में अमन की गारंटी बना भारत

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए यहां एक कार्यक्रम में उन शांतिरक्षकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने

- कहा-शांति सैनिकों के प्रयासों से दुनिया भर में है स्थिरता

कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में भारत और ऑस्ट्रिया के स्थायी मिशन ने यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बलिदान शांति रक्षकों के सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, पर्वतनेनी हरीशने कहा, ये शांतिरक्षक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संकटग्रस्त क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्रका प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। इस संबंध में भारत का योगदान

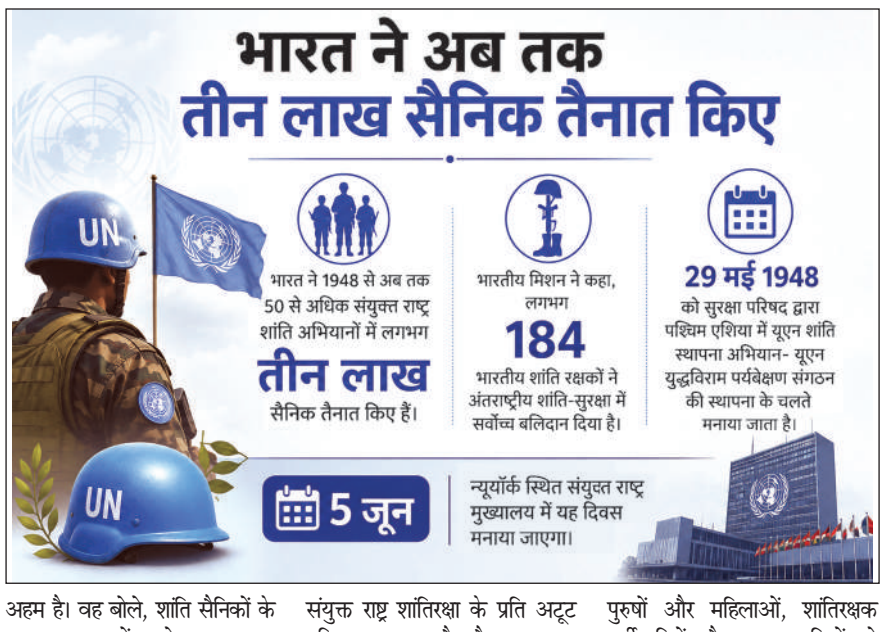

अहम है। वह बोले, शांति सैनिकों के अथक प्रयासों से खतरनाक परिस्थितियों में भी दुनिया भर में शांति और स्थिरता बनी रहती है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता रखता है और इस महान लक्ष्य की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगा। 4,000 से अधिक उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं, शांतिरक्षक वर्दीधारियों और आम नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने शांति के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया।

बाजार दर्पण

उत्सव लॉन्स

गोरखपुर में

शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनो हेतु।

अलहदादपुर, गोरखपुर

फोनः- 0551-2338099

+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

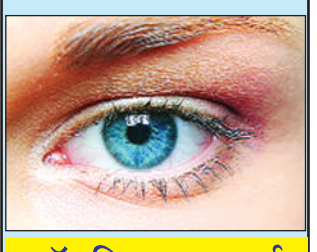

डॉ. विश्वास वर्मा

नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने

गोमती नगर लखनऊ

मोबाइलः 9415016089